शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 93 | गुवाहाटी | सोमवार, 30 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एलएचबी कोच के साथ त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस शुरू, सांसद क्वीन... पेज 3

वोकर फॉर लोकर से होगा आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार : प्रधानमंत्री पेज 4

सबका साथ, सबका विकास पर खरी उतर रही है योगी सरकार की... पेज 5

हृदय में प्रेम का अंकुर जरूरी... पेज 8

केरल में बम विस्फोट, दो की मौत, 36 जख्मी

गृहमंत्री ने की मुख्यमंत्री से बात

नई दिल्ली/कोच्चि (हि.स.)। केरल में एर्नाकुलम जिले के कलामासेरी स्थित एक कन्वेंशन सेंटर में रविवार सुबह हुए बम धमाकों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 36 लोग घायल हुए हैं। घायलों में पांच की हालत गंभीर है। यह विस्फोट उस समय हुआ जब कन्वेंशन सेंटर में ईसाइयों के एक सम्प्रदाय *यहोवा के साक्षी* की प्रार्थना सभा चल रही थी। प्रार्थना सभा में कम से कम दो हजार लोग मौजूद थे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से बात की और बम विस्फोट के बाद की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) को भी मौके पर पहुंचकर घटना की जांच करने का निर्देश दिया है। केरल के पुलिस महानिदेशक डॉ शेख दरवेश साहब ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि विस्फोट आईईडी डिवाइस से किया गया था। उन्होंने बताया कि आज सुबह लगभग 9:40 बजे इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एग्जीबिशन सेंटर में विस्फोट हुआ जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 36 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों का निकटवर्ती अस्पताल में इलाज चल रहा है। हमारे सभी वरिष्ठ अधिकारी मौके पर हैं। जांच जारी है। इसके साथ ही पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने और सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की भड़काऊ सामग्री डाले जाने से परहेज करने की अपील की। केंद्रीय संसदीय कार्य राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा कि इस घटना के संबंध में केंद्रीय एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां घटना के तह तक जाएंगी और पता लगाएंगी कि इसके कारण क्या हैं, इस घटना के पीछे कौन हैं। दिल्ली में मौजूद केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हम घटना के संबंध में -शेष पृष्ठ दो पर

मार्टिन नामक व्यक्ति ने ली जिम्मेदारी

कोच्चि। केरल के एर्नाकुलम में ईसाइयों की प्रार्थना सभा में रविवार को विस्फोट हुए। इस विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हुई है और अब तक 45 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हमारे सूत्रों ने बताया कि इस मामले में एक व्यक्ति ने इस विस्फोट की जिम्मेदारी ली है और उसने पुलिस के सामने सरेंडर किया है। जानकारी के अनुसार, संदिग्ध शख्स ने इस हमले में शामिल होने -शेष पृष्ठ दो पर

हेट स्पीच की परिणति

तिरुअनंतपुरम (हि.स.)। केरल के एर्नाकुलम जिले में स्थित एक कन्वेंशन सेंटर में रविवार को तीन बम धमाके हुए। इस घटना में एक महिला की मौत हो गई और 52 लोग घायल हो गए। इन धमाकों को केरल में पिछले कुछ दिनों से इजराइल और यहूदी समुदाय के खिलाफ चल रहे *घृणास्पद भाषण* की परिणति के रूप में देखा जा रहा है। रविवार सुबह कलामासेरी स्थित कन्वेंशन सेंटर में प्रार्थना सभा के दौरान महज 5 मिनट में लगातार तीन धमाके हुए। ये धमाके सुबह 9:45 बजे के आसपास हुए। एर्नाकुलम में घटनास्थल के आसपास बड़ी संख्या में यहूदी समुदाय के लोग रहते हैं। एर्नाकुलम में 2 दिन पहले आतंकी संगठन हमास के समर्थन में रैली भी हुई थी। राज्य के मलप्पुरम में आतंकी संगठन हमास के कमांडर खालिद मेशाल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए नागरिकों को संबोधित किया। कांग्रेस नेता शशि थरूर को भी हमास का विरोध करने की कीमती चुकानी पड़ी। थरूर ने -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली सहित पूरे देश में अलर्ट

नई दिल्ली। केरल में एक प्रार्थना सभा के दौरान हुए विस्फोट के बाद दिल्ली और मुंबई को हाई अलर्ट पर रखा गया। यूपी सहित देश के अन्य राज्यों में भी पुलिस ने अपनी सतर्कता बढ़ा दी है। मुंबई और पुणे में रहने वाले येहूदी धर्मस्थलों की सुरक्षा सख्त कर दी गई है। इसके साथ ही इजराइल और हमास से जुड़े कार्यक्रमों पर विशेष नजर रखी जा रही है और सुरक्षा एजेंसियों को विशेष एतिहात बरतने के निर्देश दिए गए हैं। गृह मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाली राष्ट्रीय राजधानी की पुलिस ने कहा कि वह खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है और किसी भी इनपुट को हल्के में नहीं लेगी। पुलिस ने कहा कि दिल्ली भर के चर्चों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जा -शेष पृष्ठ दो पर

फिलिस्तीन समर्थक रैली के 12 घंटे बाद बम धमाके

नई दिल्ली (हि.स.)। केरल के मलप्पुरम में फिलिस्तीन समर्थक रैली में हमास के पूर्व प्रमुख खालिद मेशाल के आभासी संबोधन के बमुश्किल 12 घंटे बाद कलामासेरी में प्रार्थना सभा के दौरान रविवार को हुए जोरदार बम धमाकों के बाद केंद्र सरकार हाई अलर्ट पर है। पूरे हालात पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह नजर बनाए हुए हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की आठ सदस्यीय टीम केरल भेज दी गई है। विस्फोट में इस्तेमाल की गई सामग्रियों को इकट्ठा करने और जांच करने के लिए एक बम निरोधक इकाई को दिल्ली से केरल भेजा गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

दो पैसेंजर ट्रेनों में भिड़ंत, 10 लोग घायल

अमरावती। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में दो पैसेंजर ट्रेन के बीच भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कम से कम 10 लोगों के घायल होने की जानकारी है। हादसे के तत्काल बाद ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक विशाखापट्टनम-पलासा पैसेंजर ट्रेन और विशाखापट्टनम-रगडा के बीच भिड़ंत हो गई। जिसकी वजह से ट्रेन के कई कोच बेपटरी हो गए। इस हादसे में 10 लोग घायल हो -शेष पृष्ठ दो पर

नाबालिग से दुष्कर्म युवक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। नीलाचल पहाड़ी पर स्थित शक्तिपीठ कामाख्या मंदिर के वीआईपी पार्किंग एरिया में बीते शुक्रवार की रात नौ साल की एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना घटी। पार्किंग एरिया में लगे सीसीटीवी कैमरे में समूची घटना कैद हो गई। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि कामाख्या पुलिस ने नाबालिग की मां की शिकायत के आधार पर कामाख्या मंदिर इलाके -शेष पृष्ठ दो पर

2028 तक चार हजार अत्याधुनिक स्कूलों का निर्माण : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज शिक्षा मंत्री डॉ रनोज पेगू तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक के बाद सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से असम स्कूलों के निर्माण के लिए अब तक का सबसे बड़ा प्रयास कर रहा है। असम में 2028 तक 4 हजार अत्याधुनिक स्कूलों का निर्माण किया जाएगा। यानी अगले 5 वर्षों तक हर दिन 2 नए -शेष पृष्ठ दो पर

श्रीनगर में गोलीबारी, पुलिस अधिकारी की मौत

श्रीनगर (हि.स.)। श्रीनगर के ईदगाह इलाके में रविवार शाम को आतंकियों ने एक पुलिस अधिकारी पर गोलीबारी कर हमला कर दिया। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि आतंकियों ने ईदगाह के पास इंस्पेक्टर मसरूर अहमद पर फायरिंग की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आतंकी हमला करने के बाद मौके से भाग निकले। सुरक्षाबलों ने -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा को मारना नहीं, घर जाने देना चाहिए था : डीजीपी

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम -स्वाधीन (अल्फा- स्वा.) द्वारा अपने दो कैडरों की फिर से हत्या किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने ट्वीट कर कल रात कहा था कि अल्फा को उन्हें मारना नहीं चाहिए था। उन्हें घर जाने दिया जाना चाहिए था। इस पर अल्फा द्वारा आज तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई है। यहां मीडिया को भेजी गई अपनी प्रतिक्रिया में अल्फा ने कहा है कि डीजीपी को अल्फा द्वारा किए गए अपराधों और कार्यों की गिनती करने की बजाय अपने पुलिस विभाग द्वारा किए जा रहे कुकृत्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। असम पुलिस के महानिदेशक ने बीती रात राज्य के युवाओं को संबोधित करते हुए उनसे एक स्वयंभू संगठन के लिए अपने जीवन का बलिदान न देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक बार फिर वही कहानी। वे नहीं बदलेंगे। असम के -शेष पृष्ठ दो पर

योगेश्वर श्रीकृष्ण मंदिर में बनाई गई दो महिला पुजारी

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के चंडाक स्थित सिकड़ानी गांव के योगेश्वर श्रीकृष्ण मंदिर में पहली बार दो महिला पुजारियों की नियुक्ति की गई है। मुख्य और सहायक महिला पुजारियों का पुष्प वर्षा के साथ जोरदार स्वागत किया गया। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष आचार्य डॉ. पीतांबर अवस्थी ने विधि-विधान से मंजुला अवस्थी को मुख्य पुजारी व सुमन बिष्ट को सहायक पुजारी का दायित्व सौंपा। मंदिर कमेटी का मानना है कि पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं अपने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

फांसी के फंदे पर लटका मिला शव, सुसाइड नोट में एक कांग्रेसी विधायक का जिक्र

अहमदाबाद। गुजरात के जूनागढ़ जिले के चोरवाड़ गांव में एक व्यक्ति का शव उसके घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस निरीक्षक केएम गढ़वी ने बताया कि मृतक के पास से एक कथित सुसाइड नोट मिला है, जिसमें कहा गया है कि वह अपने ससुराल वालों और एक कांग्रेस विधायक के कारण यह कदम उठा रहा है। गढ़वी ने कहा कि नितिन परमार (28 वर्षीय) का शव शनिवार की दरम्यानी रात को उसके घर की छत से लटका मिला। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला है। मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। सुसाइड नोट की फोरेंसिक जांच की जा रही है। गढ़वी ने कहा कि पुलिस ने परमार के पास से एक सुसाइड नोट बरामद किया है, जिसमें उनके सास-ससुर और -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम विस चुनाव अमित शाह आज एजल में

एजल (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करने के लिए 30 अक्तूबर यहां आ रहे हैं। एक दिवसीय दौरे पर शाह यहां सुबह ममित जिला मुख्यालय पर एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। मिजोरम भाजपा के प्रदेश मीडिया संयोजक जॉनी लालथनपुइया ने कहा कि शुरुआत में यह तय था कि अमित शाह के अलावा प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रहे हैं पूर्वोत्तर के उग्रवादी समूह

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में नशे के कारोबार को पूर्वोत्तर के उग्रवादी संगठन बढ़ावा दे रहे हैं। एक महीने से भी कम समय में 20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की खेप की बरामदगी के बाद विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के अधिकारियों को ऐसे रैकेटों के पीछे विभिन्न पूर्वोत्तर क्षेत्र आधारित विद्रोही समूहों के हाथ होने का संदेह है। राज्य पुलिस सूत्रों ने कहा कि कई कारण हैं जो संदेह को बढ़ाते हैं। राज्य पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पिछले एक महीने के दौरान इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों ने कबूल किया है कि इन प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की खेप की आपूर्ति मुख्य रूप से विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों से होती थी। हालांकि, अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों ने दावा किया है कि ये खेप बिचौलियों-संचालकों द्वारा उन्हें सौंपी गई थी और उन्हें उन स्रोत संगठनों के बारे में बिल्कुल भी पता नहीं है, जहां से ये खेप वास्तव में आ रही थी। पूर्वोत्तर स्थित विद्रोही समूहों की भागीदारी के बारे में संदेह को मजबूत बनाता है। राज्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह सबको पता है कि पूर्वोत्तर स्थित विद्रोही समूह इस क्षेत्र में सक्रिय विभिन्न नशीले पदार्थ विनिर्माण रैकेटों को वित्त पोषित करते हैं। इसके बाद निर्माता क्षेत्र में उत्पादित इन उच्च गुणवत्ता वाले प्रतिबंधित नशीले पदार्थों को मध्यवर्ती संचालकों के माध्यम से पूरे देश में विभिन्न तस्करों तक प्रसारित करते हैं। इस बहु-श्रृंखला व्यापार में विशिष्ट घटना यह है कि विनिर्माण स्तर पर बहुत कम शीर्ष को छोड़कर कोई -शेष पृष्ठ दो पर

गाजा में ब्लैक आउट, बाहरी दुनिया से संपर्क कटा

यरुशलम (हि.स.)। इजराइली जेट विमानों की लगातार बमबारी के बाद गाजा का बाहरी दुनिया से संपर्क लगभग कट गया है। गाजा का शनिवार को शायद ही बाहरी दुनिया से संचार संपर्क स्थापित हुआ हो। इन हमलों के साथ यह माना जा रहा है कि इजराइल फिलिस्तीनी क्षेत्र में हमास आतंकवादियों के खिलाफ जमीनी हमले की शुरुआत करने जा रहा है। इजराइल ने कहा कि शुक्रवार की रात भेजे सैनिक अभी भी मोर्चा संभाले हुए हैं, जबकि इससे इजराइली सैनिकों ने हमास को नष्ट करने के लिए तीन सप्ताह की बमबारी के दौरान केवल संक्षिप्त उड़ानें भरी थीं। इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा, हमने जमीन के ऊपर और जमीन के नीचे हमला किया, हमने हर जगह, सभी रैंक के आतंकवादी -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
जब तक भारत दुनिया का सामना नहीं करता, उसकी कोई इज्जत नहीं करेगा। इस संसार में डर के लिए कोई जगह नहीं है। ताकत सिर्फ ताकत का ही सम्मान करती है।
- अब्दुल कलाम

न्यूज गैलरी

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

तीन साल से मुर्दाघर में पड़े महिला कंकाल का इलाहाबाद एचसी ने लिया संज्ञान

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पिछले 3 वर्षों से इटावा के मुर्दाघर में पड़े एक महिला के कंकाल के मामले का स्वत: संज्ञान लिया है और राज्य सरकार को मामले पर विस्तृत जानकारी प्रदान करने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर और न्यायमूर्ति अजय भनोट की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि अखबार की रिपोर्ट से पता चलता है कि एक महिला के कंकाल के अवशेष पिछले तीन वर्षों से इटावा के मुर्दाघर में बंद हैं। शव की पहचान विवादित है। एक परिवार ने दावा किया है कि उक्त मृत महिला का शव उनकी लापता बेटी रीता का है। अखबार के मुताबिक डीएनए रिपोर्ट कोई निर्णायक राय नहीं देती है, इसे गंभीरता से लेते हुए, अदालत ने प्रतिवादियों-राज्य प्राधिकारियों के साथ-साथ पुलिस प्राधिकारियों को निम्नलिखित मुद्दों पर राज्य के रुख का खुलासा करते हुए विस्तृत निर्देश प्राप्त करने का निर्देश दिया। पहला, समय अवधि जिसमें अंतिम संस्कार किया जाए। इस मामले में देरी का कारण यह है कि क्या मुर्दाघर में किसी शव का अंतिम संस्कार प्रथा के अनुसार किया जाता है और दूसरा, क्या कोई कानून था जिसके तहत राज्य अधिकारियों को मुर्दाघर में किसी शव का निर्धारित समय के भीतर अंतिम संस्कार करना होता है। तीसरा, अदालत ने जांच का विवरण मांगा और मुर्दाघर में शव के संरक्षण से लेकर आज तक की घटनाओं की समय-सीमा निर्देशों में बताई जाएगी। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि रिपोर्ट में केस डायरी और जांच की स्थिति का भी खुलासा किया जाएगा। आपको बता दें कि अदालत ने कहा कि इसमें वह तारीख शामिल होगी जिस दिन नमूने निकाले गए थे और डीएनए प्रोफाइलिंग के लिए हैदराबाद स्थित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में भेजे गए थे और डीएनए रिपोर्ट की तारीख भी शामिल होगी। मामले के महत्व को ध्यान में रखते हुए, अदालत ने 26 अक्टूबर के अपने आदेश में उच्च न्यायालय के वकील नितिन शर्मा को अदालत की सहायता के लिए न्याय मित्र नियुक्त किया। हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई 31 अक्टूबर को करने का निर्देश दिया।

केरल की रैली में हमास नेता खालिद की मौजूदगी पर बवाल

तिरुवनंतपुरम। इजरायल-हमास युद्ध को तीन सप्ताह से अधिक का समय हो गया है, लेकिन इस युद्ध के थमने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इस बीच केरल में फिलिस्तीन के समर्थन में एक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में हमास नेता भी वर्चुअली रूप से शामिल हुए। हालांकि, भाजपा की केरल उपाध्यक्ष ने इस पर सवाल खड़े किए हैं। हमास नेता खालिद मशाल के रैली में वर्चुल शामिल होने पर केरल की भाजपा उपाध्यक्ष वीटी रेमा ने हैरानी जताई है। उन्होंने कहा कि हमास नेता खालिद मशल का रैली में वर्चुअल तौर पर शामिल होना इस्लामिक आतंकवादियों के एक समूह ने भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में अपनी असली मानसिकता दिखाई है। वीटी रेमा ने कहा कि यह चौंकाने वाली खबर है और देश के लिए चिंताजनक बात है। भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश और दक्षिणी राज्य केरल में इस्लामिक आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि हमास ने इजरायल पर हमला किया था। वहीं, केरल भाजपा अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने भी हमास नेता के कार्यक्रम में शिरकत पर सवाल उठाए थे। उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा था कि इस तरह के आयोजन अस्वीकार्य हैं।

बंधक चाहिए तो पहले फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करे : हमास

गाजा सिटी। इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन (हमास) की सशस्त्र शाखा अल-कसम ब्रिगेड ने शनिवार को कहा कि वह बंधक मुद्दे को सुलझाने के लिए इजरायल के साथ बातचीत करने के लिए तैयार है। ब्रिगेड के प्रवक्ता अबू ओबैदा ने टेलीविजन संबोधन में कहा कि अगर इजरायल इस मुद्दे को एक बार में हल करना चाहता है, तो हम इसके लिए तैयार हैं। अगर वह प्रक्रिया को कई दौरों में विभाजित करना चाहता है, तो हम भी तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि बंधकों के मुद्दे को हल करने की कोशिश के लिए संपर्क किए गए थे, लेकिन इजरायल ने *वास्तविक गंभीरता* नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि समूह द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करने की एकमात्र शर्त यह है कि इजरायल सभी फिलिस्तीनी कैदियों को मुक्त कर दे। संभावित बंधक रिहाई सौदे पर रिपोर्टर के जवाब में इजरायल रक्षा बलों के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने शुक्रवार को रिपोर्टों को हमास द्वारा नियोजित मनोवैज्ञानिक आतंक करार दिया। आईडीएफ के अनुसार, गाजा में कुल 229 बंधकों को रखा गया है, जिनमें से अधिकांश नागरिक हैं। उल्लेखनीय है कि सात अक्तूबर को अल-कसम ब्रिगेड ने इजरायली साइटों पर हजारों रॉकेट दागकर और गाजा की सीमा के पास घुसपैठ करने वाले शहरों पर एक आश्चर्यजनक हमला किया, जिसमें इजरायल के कम से कम 1,400 लोग मारे गए और कई बंधकों को गाजा में ले जाया गया। वहीं, इजरायल ने जवाबी कार्रवाई में गाजा पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए, जिसमें तटीय इलाके में 7,700 से अधिक लोग मारे गए।

कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने एक घुसपैठिए को किया ढेर

कुपवाड़ा (हि.स.)। कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षाबलों ने रविवार को घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। इस दौरान सुरक्षाबलों ने एक घुसपैठिए को भी ढेर किया है। एक अधिकारी ने कहा कि कुपवाड़ा पुलिस और सेना की 2 बिहार यूनिट की संयुक्त टीम ने जिले जुमागुंड सेक्टर में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा को पार कर घुसपैठ करने वाले एक घुसपैठिए को मार गिराया है। पुलिस और सेना के जवान अब भी मोर्चे पर डटे हुए हैं। सुरक्षाबलों का अभियान अब भी जारी है। गौरतलब है कि गुरुवार को कुपवाड़ा में पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने पांच आतंकियों को ढेर किया था। मारे गए आतंकी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए थे, जो सीमा पर से भारतीय क्षेत्र में दाखिल होने की कोशिश में थे। इससे पहले ही सतर्क जवानों ने उन्हें मार गिराया। उनके पास से भारी मात्रा हथियार और गोला बारूद भी बरामद किया गया था।

मराठा आरक्षण के समर्थन में शिवसेना शिंदे गुट के सांसद हेमंत पाटिल का इस्तीफा

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के हिंगोली संसदीय सीट से शिवसेना शिंदे गुट के सांसद हेमंत पाटिल ने मराठा आरक्षण के समर्थन में इस्तीफा दे दिया है। हेमंत पाटिल ने अपना इस्तीफा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पास भेजा है। हेमंत पाटिल ने लोकसभा अध्यक्ष को भेजे पत्र में लिखा है कि महाराष्ट्र में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण का मुद्दा कई सालों से लंबित है। इस मुद्दे पर समुदाय की भावनाएं बहुत आहत हैं और मैं कई वर्षों से मराठा समुदाय और किसानों के लिए लड़ने वाला एक कार्यकर्ता रहा हूं। मैं आरक्षण आंदोलन का समर्थन करता हूं, इसलिए अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं। मराठा आरक्षण के लिए मराठा नेता मनोज जारांगे जालना जिले में भूख हड़ताल कर रहे हैं। जारांगे ने सभी दलों के नेताओं के गांव में प्रवेश न देने का एलान किया है। इसी वजह से मराठा समाज के कार्यकर्ता नेताओं को गांव में नहीं जाने दे रहे हैं। जबरन गांव में जाने वालों के वाहनों को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है।

विदेश मंत्री चार दिवसीय यात्रा पर पुर्तगाल और इटली जाएंगे

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर चार दिवसीय यात्रा पर पुर्तगाल और इटली का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार वे 31 अक्तूबर - 01 नवंबर को पुर्तगाल और 02-03 नवंबर को इटली की आधिकारिक यात्रा करेंगे। भारत और पुर्तगाल के बीच सभी क्षेत्रों में बढ़ते और पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंध हैं, जो समय के साथ मजबूत हुए हैं। पुर्तगाल यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री अपने समकक्ष विदेश मंत्री जोआओ गोम्स क्राविन्हो के साथ द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं और आपसी हित के क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उनके पुर्तगाली नेतृत्व, पुर्तगाल-भारत संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों और पुर्तगाल में भारत-पुर्तगाली और भारतीय समुदाय से मिलने की उम्मीद है।

कांग्रेस को *राम* शब्द से आपत्ति है या मंदिर से : सुधांशु त्रिवेदी

भोपाल (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस का एक पुराना रोग, जो अक्सर टीस मारता रहता है, वह फिर इन दिनों फिर उभर आया है। कांग्रेस राम मंदिर के विषय को लेकर चुनाव आयोग चली गई है। मैं कांग्रेस के लोगों से यह पूछना चाहता हूं कि उन्हें *राम* शब्द से आपत्ति है या *मंदिर* से। त्रिवेदी रविवार को भोपाल में भाजपा मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राममंदिर का निर्माण कभी नहीं चाहती थी। 22-23 दिसंबर 1949 की रात जब अयोध्या में श्री रामलला का प्राकट्य हुआ, तो उत्तरप्रदेश के तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री इस मामले को रफादफा करने के लिए फैजाबाद गए, लेकिन जिला मजिस्ट्रेट ने उन्हें रोक दिया। बाद में जब यह विवाद कोर्ट पहुंचा तो 1961 तक मुस्लिम वर्ग इसमें पक्षकार ही नहीं बना। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अगर राम नाम शब्द से आपत्ति है, तो यह शब्द महात्मा गांधी की समाधि पर लिखा है। रघुपति राघव राजाराम उनका प्रिय भजन था और रामराज्य उनका आदर्श था। क्या यह सब सांप्रदायिक है? अगर मंदिर शब्द से आपत्ति है, तो चुनाव के मौसम में कांग्रेस के नेता ही सबसे ज्यादा मंदिर जा रहे हैं, फोटो खिंचवा रहे हैं। अगर कांग्रेस को राम और मंदिर शब्दों पर आपत्ति नहीं है, तो राममंदिर शब्द पर आपत्ति क्यों है? वास्तव में राममंदिर का निर्माण पूरा होते देख कांग्रेस के सीने की आग भड़क उठी है, क्योंकि वह कभी नहीं चाहती थी कि राममंदिर का निर्माण हो। त्रिवेदी ने कहा कि 21वीं सदी में रडार मैपिंग की टेक्नोलॉजी आ गई। कोर्ट ने खुदाई के लिए मना किया था, रडार मैपिंग जैसी तकनीक के प्रयोग पर रोक नहीं थी। इसलिए जब स्व. अटलजी की सरकार ने रडार मैपिंग कराकर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की, तो कोर्ट ने खुदाई की परमिशन दे दी। जब सबकुछ निकल आया तो कांग्रेस के ही नेता वकील का चोला ओढ़कर तथाकथित बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी की ओर से कोर्ट में खड़े होते थे। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने 7 दिसंबर, 1992 को कहा था कि हम बाबरी मस्जिद दोबारा तामीर करेंगे। उत्तरप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने विधानसभा में यही बात कही थी। यह लोग सिर्फ जन भावना का ही अपमान नहीं कर रहे थे, सांप्रदायिक वातावरण बिगाड़ रहे थे। भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी ने कहा कि वर्ष 1990 में जब मध्यप्रदेश में पटवा सरकार थी और यहां से कारसेवक अयोध्या जा रहे थे, तब कांग्रेस के सहयोग से चल रही उत्तरप्रदेश की मुलायमसिंह सरकार ने झांसी से पहले अस्थाई दीवार बनवा दी थी, ताकि कारसेवक वहां से आगे न बढ़ पाएं। पार्टी के नेता ने एक बार कहा था कि हम बाबरी मस्जिद के लिए इससे ज्यादा और क्या कर सकते थे कि हमने 16 हिंदू मरवा दिए थे। त्रिवेदी ने कहा कि अमेरिका को पीछे छोड़कर इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश करने वाला पहला देश बन गया है। अनुसूचित जनजाति की द्रौपदी मुर्मू भारत की राष्ट्रपति बन गई है। साढ़े चार करोड़ गरीब लोगों को प्रधानमंत्री आवास मिल चुका है, 11 करोड़ लोगों को शौचालय मिल चुके हैं।

पृष्ठ एक का शेष

केरल में बम...

विवरण एकत्र कर रहे हैं। सभी शीर्ष अधिकारी एर्नाकुलम में हैं। डीजीपी घटनास्थल पर जा रहे हैं। हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। मैंने डीजीपी से बात की है। हमें जांच के बाद और अधिक विवरण प्राप्त करने की आवश्यकता है। केरल सरकार के मंत्री वीएन वासवन के मुताबिक विस्फोट में एक महिला की मौत हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि लगातार दो विस्फोट हुए थे। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है और 36 लोग हताहत हैं। मामले की जांच जारी है।

मार्टिन नामक व्यक्ति...

की बात कही और त्रिशूर जिले में पुलिस के सामने सरेंडर किया। एडीजीपी कानून एवं व्यवस्था एम आर अजित कुमार ने बताया कि विस्फोटों में एक महिला की मौत हो गई और 45 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इनमें कुछ लोगों की हालत गंभीर है। सूत्र ने अधिकारी के हवाले से बताया कि उस व्यक्ति ने सुबह कोडकारा पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण कर दिया और दावा किया कि उसने ही विस्फोट किया था। एडीजीपी ने कहा, उस व्यक्ति ने अपना नाम डोमिनिक मार्टिन बताया है। उसने अपने दावे के समर्थन में सबूत भी दिए। फिलहाल हम इसकी जांच कर रहे हैं। हम उसके दावों और हमले को अंजाम देने के लिए बताए गए कारणों की जांच कर रहे हैं। इससे पहले, राज्य पुलिस प्रमुख शेख दरवेश साहेब ने तिरुवनंतपुरम में बताया कि शुरुआती जांच के अनुसार विस्फोट में आईईडी का प्रयोग किया गया था। उन्होंने कहा कि हम इसकी जांच कर रहे हैं।

दिल्ली सहित पूरे ...

रही है और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर *विशेष निगरानी* रखी जा रही है। एक बयान में कहा गया कि केरल के कलामासेरी में कन्वेंशन सेंटर में विस्फोट के बाद दिल्ली पुलिस हाई अलर्ट पर है और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई पुलिस ने केरल में विस्फोटों के साथ-साथ आगामी त्योहारी सीजन और क्रिकेट मैचों को देखते हुए हाई अलर्ट जारी किया है। पुलिस ने कथित तौर पर कहा कि शहर में यहूदी केंद्र चबाड हाउस के आसपास भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। केरल में हुए बम धमाके के बाद उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। यूपी एटीएस को भी अलर्ट किया गया। एटीएस की टीमें बीते दिनों में मिले नए इनपुट को फिर खंगालने में लगाई गई है। इसराइल-फिलिस्तीन युद्ध से जुड़े हर कार्यक्रम पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों के साथ-साथ वर्चुअल जुड़ने वालों की भी पूरी जानकारी जुटाने के लिए कहा गया है। केरल ब्लास्ट के बाद नोएडा में हाई अलर्ट जारी किया गया है। सेक्टर 58 पुलिस ने पैदल मार्च किया। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर नोएडा पुलिस की नजर है। बता दें कि कोच्चि से 10 किमी दूर स्थित कलामासेरी में विस्फोट कन्वेंशन सेंटर में एक ईसाई समूह द्वारा आयोजित यहोवा में प्रार्थना सभा के दौरान हुए। पहला विस्फोट सुबह करीब 9 बजे प्रार्थना के बीच में हुआ, उसके बाद कई विस्फोट हुए। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। सभी शीर्ष अधिकारी एर्नाकुलम में हैं। मैंने डीजीपी (पुलिस महानिदेशक) से बात की है। सूत्रों के हवाले से बताया गया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विस्फोटों के बाद विजयन से बात की और स्थिति का जायजा लिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि गृह मंत्रालय ने आतंकवाद विरोधी जांच एजेंसियों-राष्ट्रीय जांच एजेंसी और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड को जांच में राज्य सरकार की सहायता करने का निर्देश दिया है।

फिलिस्तीन समर्थक रैली ...

केरल में एर्नाकुलम जिले के कलामासेरी स्थित एक कन्वेंशन सेंटर में रविवार सुबह एक के बाद हुए तीन बम धमाकों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 52 लोग घायल हुए हैं। यह विस्फोट उस समय हुआ, जब कन्वेंशन सेंटर में ईसाइयों के एक सम्प्रदाय *यहोवा के साक्षी* की प्रार्थना सभा चल रही थी। एनआईए और केरल पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। शाम को त्रिशूर जिले के कोडकारा पुलिस स्टेशन में एक व्यक्ति ने यह दावा करते हुए सरेंडर किया है कि उसने ही कन्वेंशन सेंटर में बम लगाया था। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि उसका ब्लास्ट से कोई कनेक्शन है या नहीं, लेकिन उससे पूछताछ की जा रही है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज का कहना है कि 52 लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। मेडिकल कालेज में 30 लोग भर्ती हैं, जिनमें से 18 आईसीयू में हैं। 6 गंभीर रूप से घायल हैं, उनमें से एक 12 साल का बच्चा भी है। बाकी सभी घायल दूसरे प्राइवेट अस्पतालों में हैं। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। जमरा इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्जीबिशन सेंटर, कलामासेरी में हुए विस्फोट पर केरल के डीजीपी डॉ शेख दरवेश साहब का कहना है कि मेरे मौके पर पहुंचने के बाद हम आज ही इसके लिए एक विशेष टीम का गठन करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या विस्फोट के संबंध में कोई जानकारी थी, उन्होंने कहा कि कोई विशेष जानकारी नहीं थी। दूसरी तरफ, खुफिया एजेंसियों ने पिछले एक हफ्ते में गैर-मुसलमानों पर संभावित हमलों के लिए केरल सरकार को 3 अलर्ट दिए थे, लेकिन केरल सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। इस बीच शनिवार रात को केरल के मलप्पुरम में फिलिस्तीन समर्थक एक रैली हुई, जिसे हमास के पूर्व प्रमुख खालिद मेशाल ने आभासी रूप से संबोधित किया था। इस रैली के बमुश्किल 12 घंटे बाद आज सुबह एक के बाद हुए तीन बम धमाकों ने पूरे केरल को हिलाकर रख दिया। इसी के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एनएसजी को घटना की जांच के निर्देश दिए। इसी के साथ एक अधिकारी सहित आठ सदस्यीय टीम बम विस्फोट के बारे में पूछताछ करने के लिए केरल रवाना कर दी गई है। इसी के साथ एनएसजी ने विस्फोट में इस्तेमाल की गई सामग्रियों को इकट्ठा करने और जांच करने के लिए अपनी एक बम निरोधक इकाई को भी दिल्ली से केरल भेजा है। घटना की शुरुआती जांच में पता चला है कि धमाकों के लिए आईईडी का इस्तेमाल हुआ है, जिसे टिफिन बॉक्स में छिपाकर भीड़ में अलग-अलग जगह पर रखा गया था, ताकि अफरा-तफरी मचने पर ज्यादा से ज्यादा लोग प्रभावित हो सकें। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें अफरा-तफरी के माहौल में लोग इधर से उधर भागते दिख रहे हैं। कुर्सियां आग की लपटों में घिरी हुई हैं और कुछ लोग आग को फैलने से रोकने के लिए वहां से कुर्सियों को हटा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने ईसाई समुदाय को निशाना बनाकर किए गए इस विस्फोट के लिए केरल सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कल ही आतंकी संगठन हमास के पूर्व प्रमुख को फिलिस्तीन समर्थक रैली को वर्चुअली संबोधित करने की अनुमति दी और केरल सरकार ने उस कार्यक्रम को होने दिया और इसके बाद हम विस्फोटों के रूप में यह परिणाम देख रहे हैं। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान कहते हैं कि कालामासेरी में एक धार्मिक सभा में विस्फोट के बारे में सुनकर स्तब्ध हूं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हो गए। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की है। केरल में हुए धमाकों पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अल्फोंस केजे का कहना है कि जाहिर तौर पर कई धमाके होने से स्थिति बेहद गंभीर है। मैं लंबे समय से चेतावनी दे रहा हूं कि केरल में यह बहुत लंबे समय से हो रहा है, आज केरल आतंकवाद की चपेट में है, जिसे रोकना होगा। भाजपा नेता अनिल एंटनी कहते हैं कि केरल में पिछले कुछ वर्षों में बहुत सारे कट्टरपंथी संगठनों का उदय देखा गया है। अब केरल में कम्युनिस्ट पार्टी का शासन है। कांग्रेस और मुस्लिम लीग दो प्रमुख विपक्षी दल हैं। ये तीनों इंडी गठबंधन का हिस्सा हैं। कल केरल में एक आतंकी नेता विशाल भीड़ को वर्चुअली संबोधित कर रहा था। भाजपा इन सभी गतिविधियों की कड़ी निंदा करती है। पिछले कुछ महीनों में एनआईए ने केरल में कई जांच की हैं। एक बार फिर एनआईए को इसमें कदम उठाना होगा।

2028 तक चार हजार ...

स्कूलों को जोड़ा जाएगा। प्रगति की समीक्षा के लिए आज आयोजित इस बैठक की मुख्यमंत्री ने अध्यक्षता की। एक अन्य खबर के अनुसार आज होजाई में कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को मुख्यमंत्री ने सुना। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा के नेता एवं कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के साथ मौजूद रहे।

श्रीनगर में गोलीबारी...

पूरे इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की धर-पकड़ के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। श्रीनगर के ईदगाह इलाके में रविवार को अन्य दिनों के मुकाबले यहां अधिक भीड़ होती है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में बड़ी संख्या में युवा यहां क्रिकेट खेलने के लिए पहुंचते हैं। इंस्पेक्टर मसरूर अहमद भी रविवार को क्रिकेट खेलने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान आतंकी खेल मैदान में आ घुसे और गोलीबारी कर इंस्पेक्टर मसरूर को घायल कर दिया।

अल्फा को मारना ...

युवा मित्रों, एक निरंकुश संगठन के लिए अपना जीवन बर्बाद न करें। वहां आपकी जान की कोई कीमत नहीं है। दो युवा अल्फा-स्व कैडरों अविनाश कलिता (विभाकर कलिता) उर्फ प्रणब असोम और तन्मय बोरा उर्फ द्विप असोम की फांसी के संबंध में ट्वीट में डीजीपी जीपी सिंह ने यह सब लिखा। उग्रवादी संगठन ने आज जीपी सिंह के बयान की निंदा करते हुए दो कैडरों की हत्या के सिलसिले में स्थिति स्पष्ट करने के साथ ही असम पुलिस की निंदा की।

योगेश्वर श्रीकृष्ण मंदिर ...

व्रत-उपवास रखती हैं। फिर भी उन्हें पुजारी की जिम्मेदारी नहीं दी जाती। हमारी सनातन परंपराओं को महिलाएं जीवंत बनाए हुए हैं। डॉ. अवस्थी ने कहा कि रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़ते हुए महिला सशक्तिकरण के प्रयास आगे भी करते रहेंगे। मंदिर में सभी धर्मावलंबियों के प्रवेश की अनुमति है। युवा साहित्यकार और शिक्षक नीरज चंद्र जोशी ने बताया कि पहली बार किसी मंदिर के पुजारी के रूप में महिलाओं को नियुक्त करके मंदिर कमेटी ने नारी सशक्तिकरण की मिसाल कायम की है। भजन-कीर्तन के बाद पुजारी मंजुला अवस्थी व सुमन बिष्ट को मंदिर कमेटी की ओर से सम्मानित भी किया गया।

फांसी के फंदे पर ...

विधायक विमल चूडासमा सहित तीन नामों का जिक्र है। यह स्वीकार करते हुए कि मृतक परमार उनका रिश्तेदार था, चूडासमा ने आरोप लगाया कि यह हत्या का मामला लगता है, लेकिन उन्हें बदनाम करने की साजिश के तहत आत्महत्या के रूप में दिखाया गया है। कांग्रेस विधायक ने पत्रकारों से कहा, सुसाइड नोट में जिस व्यक्ति ने मेरा नाम का जिक्र किया है, उसने पिछले दो वर्षों से मुझसे बातचीत नहीं की है। वह मेरी चाची का बेटा है। उसके शरीर पर चोट के निशान को देखकर उसके परिजनों का मानना है कि उसकी हत्या की गई है। मुझे लगता है कि सुसाइड नोट मेरे खिलाफ साजिश है। पत्र उसकी लिखावट में नहीं है। यह मुझे बदनाम करने की साजिश है।

मिजोरम विस चुनाव ...

नरेंद्र मोदी भी चुनाव प्रचार में आएंगे, लेकिन अपरिहार्य कारणों से प्रधानमंत्री का दौरा फिलहाल रद्द कर दिया गया है, लेकिन प्रधानमंत्री का कार्यक्रम बाद में तय हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की जगह अमित शाह चुनाव प्रचार करेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री शाह चुनाव में पार्टी के उम्मीदवारों का उत्साह बढ़ाने के लिए ममित और राज्य के दक्षिणी हिस्से में प्रचार करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य के दक्षिणी हिस्से में चकमा, ब्रू, मारा और लाई समुदायों के भाषाई अल्पसंख्यक लोग रहते हैं। भाजपा उनके वोट पाने के लिए ज्यादा जोर दे रही है। प्रदेश मीडिया संयोजक लालथनपुइया ने कहा कि भाजपा के एक अन्य वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी चुनाव प्रचार के लिए राज्य में आएंगे। लालथनपुइया ने कहा कि भाजपा के अखिल भारतीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पिछले शुक्रवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया था। घोषणापत्र में राज्य में सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण और असम के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद के समाधान का वादा किया गया है। उल्लेखनीय है कि मिजोरम विधानसभा की 40 सीटों पर 7 नवंबर को मतदान होना है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 39 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इस बार पार्टी ने चुनाव के लिए 23 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है।

बंगाल में नशे के ...

भी वित्तपोषकों के साथ बातचीत नहीं कर सकता है, जो पूर्वोत्तर स्थित विद्रोही समूहों के प्रतिनिधि हैं। यह हाल ही में बंगाल में भंडाफोड़ किए गए रैकेट से स्पष्ट है कि गिरफ्तार लोगों को फाइनेंसरों के बारे में कोई सुराग नहीं है। इस संबंध में संदेह का दूसरा बिंदु पश्चिम बंगाल में गिरफ्तार किए गए तस्करों से जब्त किए गए नशीले पदार्थों की खेप की उच्च और शुद्ध गुणवत्ता है। राज्य पुलिस के सूत्रों ने कहा कि हालांकि बंगाल से सटे ओडिशा, बिहार और यहां तक कि उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में भी इसी तरह के नशीले पदार्थ विनिर्माण अड्डे हैं, लेकिन वहां उत्पादित खेप की गुणवत्ता और शुद्धता विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों में उत्पादित की तरह उच्च नहीं है।

गाजा में ब्लैक ...

गुर्गों पर हमला किया। हांलाकि अभी तक जमीनी आक्रमण का कोई संकेत नहीं है। इस बीच इजराइल ने एक बार फिर गाजा के लोगों को उत्तर से दूर जाने के लिए कहा है। इजराइल का मानना है कि हमास के आतंकी नागरिक इमारतों के नीचे छिपे हुए हैं। वहीं फ़िलिस्तीनियों का कहना है कि वे कहीं भी सुरक्षित नहीं है, बमों ने घनी आबादी वाले क्षेत्र के दक्षिण में घरों को भी नष्ट कर दिया है। गाजा की फोन और इंटरनेट सेवाएं शुक्रवार शाम से लगभग पूरी तरह से काट दी गई हैं, जिसके लिए फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट ने इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है। इजरायली सेना ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। सहायता एजेंसियों का कहना है कि इजरायली नाकाबंदी के कारण गाजावासियों के लिए एक मानवीय आपदा का समाना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि इजराइल की बमबारी शुरू होने के बाद से 7,650 फ़िलिस्तीनी मारे गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस ने कहा कि ब्लैकआउट के कारण एंबुलेंस और मरीजों को बाहर निकालने में रुकावट आ रही है और लोगों को सुरक्षित आश्रय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने और अन्य सहायता एजेंसियों ने कहा कि वे अपने कर्मचारियों से संपर्क नहीं कर सके, लेकिन गाजा में रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट की अंतर्राष्ट्रीय समितियों के एक प्रतिनिधि को एक ऑडियो संदेश मिला। विलियम स्कोम्बर्ग ने कहा कि चिकित्सक व्यक्तिगत त्रासदियों से निपटने के साथ-साथ चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। आईसीआरसी द्वारा एक्स पर पोस्ट की गई एक क्लिप में उन्होंने बताया, मैंने एक डॉक्टर से बात की, जिसने एक रात पहले अपने भाई और चचेरे भाई को खो दिया था। बाहरी दुनिया से संपर्क बनाने वाले कुछ पत्रकारों ने नारकीय स्थिति का चित्रण किया।

दो पैसेंजर ट्रेनों ...

गए। राहत एवं बचाव अभियान जारी है। देर शाम को हादसा होने की वजह से राहत एवं बचाव कार्य में मुश्किल हो रही है, लेकिन आस पास के गांवों के लोगों ने पुलिस और दमकलकर्मियों के साथ मोर्चा संभाल लिया है। मंडल रेल प्रबंधक के मुताबिक, सहायता और एम्बुलेंस के लिए स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएस को सूचित किया गया है। दुर्घटना राहत ट्रेनें दुर्घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। ट्रेन के बेपहरी होने के तत्काल बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक, मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने तत्काल प्रभाव से राहत उपाय करने और विजयनगरम के निकटतम जिलों विशाखापत्तनम और अनाकापल्ली से अधिक से अधिक संख्या में एम्बुलेंस भेजने के साथ ही अस्पतालों को उचित चिकित्सा सुविधा प्रदान करने का आदेश दिया है।

नाबालिग से दुष्कर्म ...

से नयन हालोई नाम के (27) एक युवक को गिरफ्तार किया कर लिया है। नयन हालोई कई दिनों से कामाख्या मंदिर इलाके में किराए के मकान में रह रहा था और मंदिर इलाके में पर्सनल फोटोग्राफर के तौर पर काम कर रहा था। उल्लेखनीय हैं कि पीड़ित लड़की और उसकी मां कामाख्या इलाके में भीख मांगकर अपना गुजारा करती हैं। नाबालिग की मां के बयान के आधार पर कामाख्या पुलिस ने आरोपित नयन हालोई को रविवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल, पुलिस ने पूरी घटना की जांच शुरू कर दी है।

हेट स्पीच की ...

कोझिकोड में इंडियन मुस्लिम लीग के एक कार्यक्रम में हमास की आलोचना की थी। नतीजतन महल एम्पावरमेंट मिशन (एमईएम) ने फिलिस्तीन के समर्थन में आयोजित कार्यक्रम से शशि थरूर का नाम काट दिया। एमईएम ने 30 अक्तूबर को तिरुअनंतपुरम में फिलिस्तीन के समर्थन में रैली आयोजित की है। राज्य में इजराइल और यहूदी समाज के खिलाफ नफरत फैलाई जा रही है। ऐसे आयोजन और हेटस्पीच के चलते धमाके हुए हैं, ऐसी आशंका स्थानीय लोग व्यक्त कर रहे हैं।

फकीराग्राम छठ पूजा समिति 2023 का गठन

कोकराझार (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना अंतर्गत फकीराग्राम शिव मंदिर परिसर में आज फकीराग्राम छठ पूजा समिति की एक सभा का आयोजन किया गया। फकीराग्राम शिव मंदिर के मुख्य पुजारी की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में गत वर्ष 2022 की फकीराग्राम छठ पूजा समिति के महासचिव ने बैठक की उद्देश्य व्याख्या की। इसके बाद फकीराग्राम छठ पूजा समिति ने वर्ष 2022 के हिसाब का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उक्त सभा में 2022 की छठ पूजा समिति के अध्यक्ष ने पुरानी समिति को भंग कर दिया। इसी के साथ आज की सभा में सुदर्शन कानू को अध्यक्ष, सुजय किशोर को उपाध्यक्ष, किशोर मिश्रा को कार्यकारी अध्यक्ष, दिलीप कुमार प्रसाद को महासचिव, प्रवीण शाह, प्रकाश सोनी और राजू रविदास को सह सचिव, राकेश पांडे कोषाध्यक्ष तथा दीपक चौहान को सहायक कोषाध्यक्ष के रूप में लेकर 41 सदस्यों की कमेटी का गठन किया गया।

एलएचबी कोच के साथ त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस शुरू, सांसद क्वीन ओझा ने दिखाई हरी झंडी

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों की सुरक्षा और आरामदायक यात्रा में बढ़ोतरी के लिए त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस के कोचों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस आधुनिक एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोच में बदल दिया गया है। गुवाहाटी की लोकसभा सांसद क्वीन ओझा ने आज गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से एलएचबी रेक के साथ इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने बताया कि नव परिवर्तित एलएचबी ट्रेन संख्या 12510 गुवाहाटी-एसएमवीटी बेंगलुरु त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस गुवाहाटी से प्रत्येक रविवार, सोमवार और मंगलवार को 06:15 बजे रवाना होगी। मार्ग में, यह ट्रेन वाया कामाख्या, न्यू बंगाईगांव जंक्शन, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन, मालदा टाउन, खड़गपुर, भुवनेश्वर, पलासा, विजयवाड़ा, पेरम्बूर, काटपाडी होकर चलेगी। ट्रेन में 23 एलएचबी डिजाइन कोचे

होंगे, जिसमें एसी 2 टीयर, एसी 3 टीयर, एसी 3 टीयर इकोनॉमी, स्लीपर क्लास और सेकेंड क्लास शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से एलएचबी कोचों में परेशानी मुक्त यात्रा के लिए बढ़ी हुई यात्री सुविधाओं के साथ अधिक फैलाव और आरामदायक होने के फायदे हैं। एलएचबी कोचों की इस हाइड्रोलिक शॉक एबजर्बर और उन्नत सस्पेंशन सिस्टम पारंपरिक रेक की तुलना में यात्रियों के लिए अधिक राइडिंग कंफर्ट सुनिश्चित करती है। प्रत्येक कोच में मॉड्यूलर इंटीरिय होता है, जो छत एवं लगेज रैक और व्यापक खिड़कियों में प्रकाश व्यवस्था को एकीकृत करता है। सभी एलएचबी कोचों में कंट्रोल्ड डिस्चार्ज बाथरूम सिस्टम और बायो-टॉयलेट्स लगे हैं, जो आईसीएफ कोचों की तुलना में पर्यावरण के अनुकूल हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों को एक सुरक्षित, तेज और अधिक आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए भारतीय रेल निरंतर प्रयास कर रही है और गुवाहाटी-एसएमवीटी बेंगलुरु-गुवाहाटी त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस को आधुनिक एलएचबी रेक में परिवर्तित करना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

एसएसबी ने अवैध भूटानी शराब की जब्त

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के सीमा चौकी दादगिरी की एक टीम के द्वारा आज भारत-भूटान के अंतरराष्ट्रीय सीमा इलाके में भारी मात्रा में भूटानी शराब को जब्त किया। सूत्रों ने बताया है कि स्तभ संख्या-169/5 के नजदीक भारत-भूटान गेट के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक रेनाल्ट क्वीड कार में अवैध भूटानी शराब बियर 168 बोतल (750 एमएल), ब्लैक माउन्टेन व्हिस्की 12 बोतल (750 एमएल), ब्लैक माउन्टेन व्हिस्की-48 बोतल (180 एमएल) को लाते समय एक तश्कर को गिरफ्तार किया गया। तस्कर की पहचान कंजीत बसुमतारी (36) के रूप में की गई है। जब्त किए गए अवैध भूटानी शराब व रेनाल्ट क्वीड कार के साथ तस्कर को भूमि कस्टम स्टेशन हातीचर, दादगिरी को सौंप दिया गया।

समाजसेवी गिरजा शंकर अग्रवाल आदर्श भक्त मंडल की नई कार्यकारिणी गठित

सिलचर। धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था आदर्श भक्त मंडल का गठन 1991 में किया गया। धीरे धीरे यह संस्था सिलचर में विशाल पैमाने पर हनुमान जयंती मनाने के साथ साथ अन्य धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अग्रणी भूमिका अदा की। नृसिंह अखाड़ा एवं गोपाल अखाड़ा के दोनों हनुमान मंदिरों में एक साथ हनुमान जन्मोत्सव मनाने के साथ साथ अनेक प्रकल्प शुरू किए। हॉस्पिटल रोड में एक भवन भी बनाया। अध्यक्ष बंशीलाल भाटी की अध्यक्षता में हेस्टी टेस्टी रेस्टोरेंट में साधारण वार्षिक सभा आयोजित की गई। अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल का ब्यौरा देते हुए नई कार्यकारिणी

बनाने की घोषणा की। वरिष्ठ सदस्य बुधमल बैद ने सर्व सहमति से अध्यक्ष गिरजा शंकर अग्रवाल उपाध्यक्ष किसन राठी एवं प्रदीप पटवा सचिव पुन: हरीश काबरा संयुक्त सचिव जीएल भाटी एवं सुरेन्द्र कोठारी कोषाध्यक्ष सांवरमल काबरा परियोजना संयोजक प्रमोद शर्मा तथा जन संपर्क अधिकारी शुशील तापड़िया बनाए गए। उनके नामों की घोषणा की गई तथा उन्हें मंचासीन करवाके सम्मानित किया गया। नई कार्यकारिणी बनने के साथ साथ आदर्श भक्त मंडल में सभी सदस्यों ने आपस में विचार विमर्श किया।

जतिन बोरा के कारण राघव फिल्म असफल : भूपेन बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। शनिवार को रिलीज हुई बहुचर्चित असमिया फिल्म राघव को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए असम प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने कहा कि इसके निर्माता-निर्देशक तथा अभिनेता जतिन बोरा के सत्संग के कारण इस फिल्म को अपेक्षित सफलता नहीं मिल रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जतिन बोरा एक अच्छे अभिनेता हैं। उनका अभिनय अच्छा है। लेकिन, जिन लोगों के साथ उनका सत्संग है, वह लोगों को पसंद नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा और इसके नेता जनाकांक्षा पर खड़े नहीं उतर पाए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने अभिनेत्री कंगना रानावत का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी फिल्में कितनी चलती थी। लेकिन, आज स्थिति ऐसी हो गई है कि लोगों को फिल्म देखने के लिए गुहार लगाना पड़ रहा है। आज मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष बोरा ने भाजपा और इसके नेताओं पर कई आरोप लगाए।

समता भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। आचार्य श्री नाना लाल जी महाराज साहब का 24वा पुण्य स्मृति दिवस एवं वर्तमान आचार्य श्री रामलाल जी महाराज साहब का आचार्य पदारोहण दिवस के उपलक्ष में समता भवन गुवाहाटी में रक्तदान शिविर का आयोजन जीएमसी ब्लड बैंक के सहयोग से रखा गया। शिविर का शुभारंभ उपस्थित सदस्यों द्वारा सामूहिक नवकार मंत्र जाप के साथ संघ अध्यक्ष जीवराज जी पींचा द्वारा फीता काट कर किया गया। इस अवसर पर श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संघ के सुंदरलाल जी पींचा ताराचंद जी बोथरा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्मल जी बोथरा संघ मंत्री धनराजजी बोथरा संघ कोषाध्यक्ष श्री मदन लाल जी भूरा दिलीप जी छाजेड़ महेंद्र जे. पींचा पदम जी बोथरा ओम प्रकाश जी भूरा दुलीचंद जी फलोदिया प्रदीप जी दूगड़ धीरज जी पुगलिया एवं समता युवा संघ अध्यक्ष मुकेश जी गोलछा मंत्री प्रवीण जी सेठिया संयोजक विकास जे.पींचा नवीन सुराणा अनिल सेठिया प्रवीण दूगड़ महावीर गोलछा अरिहंत लुणावत संजय पारख अमित पींचा तथा महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी बरडिया मंत्री सरोज भूरा सरला बोथरा मुन्नी देवी फलोदिया

सुशीला बोथरा आदि सदस्य उपस्थित थे। इस शिवर के आयोजन में समता युवा संघ के सदस्यों ने कड़ी मेहनत एवं प्रचार प्रसार से आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री संघ महिला समिति सदस्यों का भी सहयोग रहा। आज के इस शिवर में (107) यूनिट रक्तदान संग्रह हुआ। श्री संघ अध्यक्ष जीवराज जी पींचा ने इस शिविर के सफल आयोजन के लिए कहा की मानव सेवा के लिए इस पुनीत कार्य में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों को बहुत-बहुत धन्यवाद।

नार्थ-ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में दूसरे दिन एयर कनेक्टिविटी और बिजनस टॉक्स में आई तेजी

गुवाहाटी। वियतनाम के हो ची मिन्ह में आयोजित तीसरा नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल भारत और वियतनाम के सांस्कृतिक, कूटनीति और द्विपक्षीय सहयोग में एक मील का पत्थर है। 27 अक्तूबर से शुरू हुए इस तीन दिवसीय फेस्टीवल का आज दूसरा दिन है जोकि बेहद उत्साह से भरा साबित हुआ। जिसमें जहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उत्साह दिखा तो वहीं दोनों देशों के बीच व्यापारिक चर्चाएं भी सकारात्मक उत्साह के साथ आगे बढ़ीं। यह कार्यक्रम शिक्षा, व्यापार और सांस्कृतिक जागरूकता पर रचनात्मक संवाद जैसे विषयों पर मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों और व्यापार जगत के लोगों के साथ-साथ भारत और वियतनाम के प्रतिष्ठित लोगों को एक साथ लाया। फेस्टीवल में प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने व बढ़ावा देने में कला की ताकत को रेखांकित किया। एक उदाहरण प्रस्तुत किया कि किस प्रकार कला के माध्यम से दो देश एक दूसरे के करीब आ सकते हैं और संबंधों को प्रगाढ़ किया जा सकता है। फेस्टिवल के दूसरे दिन की शुरुआत टूरिज्म मीट से हुई। जिसमें नार्थ ईस्ट इंडिया से 20 टूर ऑपरेटरों और वियतनाम से 52 टूर ऑपरेटरों का स्वागत किया गया। इस

इवेंट में नार्थ ईस्ट इंडिया में टूरिज्म क्षमता व संभावनाओं पर प्रकाश डालने वाली झलकियां प्रस्तुत की गईं। जिसमें प्रतिष्ठित वक्ताओं का दृष्टिकोण भी शामिल रहा। साथ ही डीलक्स होटलों पर हुई चर्चा ने हॉस्पिटेलिटी इंडस्ट्री की ग्रोथ पर भी प्रकाश डाला। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के रीजनल डायरेक्टर श्री अनिल ओराव ने द्विपक्षीय पर्यटन और व्यापार की संभावनाओं पर जोर देते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य वियतनाम के टूर ऑपरेटरों को भारत के चकित कर देने वाले स्थानों से परिचित कराना है। हमारा यह आदान प्रदान न केवल दोनों देशों की सांस्कृतिक समझ को समृद्ध करेगा बल्कि पर्यटन और ट्रेड बिजनस को भी बढ़ावा देगा। अपने बात रखते हुए वियतनाम के इंटरनेशनल एंटरप्रेन्योर्स नेटवर्किंग क्लब के निदेशक श्री दिन्ह विन्ह कुओंग ने कहा कि हम वियतनाम और नार्थ ईस्ट इंडिया के बीच डायरेक्ट फ्लाइट रूट शुरू कर रहे हैं। इस पर मेरी श्यामकनु महंत के साथ सकारात्मक सार्थक चर्चा हुई है। और मुझे यह बात शेयर करते हुए खुशी हो रही है। मैं आने वाले महीनों में नॉर्थ ईस्ट इंडिया में 22 निवेशकों के साथ एक प्रतिनिधिमंडल लेकर आऊंगा और नॉर्थ ईस्ट इंडिया को एक्सप्लोर करूंगा। इसके बाद निवेश और व्यापार सत्र में नॉर्थ ईस्ट इंडिया का प्रतिनिधित्व करने वाली 30 कंपनियों और वियतनाम की 80 कंपनियों के बीच एक्टिव पार्टिसिपेशन देखा गया। साथ ही भारत और वियतनाम के बीच व्यापार और निवेश संबंधों से लेकर एग्रीकल्चर, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में संभावनाओं तक व्यापार और निवेश के अवसरों के व्यापक स्पेक्ट्रम को शामिल किया गया। जिसमें नॉर्थ-ईस्ट के क्षेत्रों के फायदों को हाइलाइट किया गया। यह सभी चर्चाएं दोनों देशों के व्यावसायिक सहयोग और निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने में सहायक रहीं। नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकनु महंत ने कहा कि इस फेस्टिवल की अब तक की जो प्रतिक्रियाएं हमें मिली हैं वह अदभुत रही हैं। फेस्टिवल के पहले दिन उदघाटन के अवसर पर वियतनाम के विभिन्न प्रांतों के नेताओं की उपस्थिति देखी गई। जो

लघु उद्योग भारती ने लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

गुवाहाटी (विभास)। लघु उद्योग भारती (लुब) पूर्वोत्तर प्रान्त द्वारा अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हुए आज एक स्वस्थ जांच शिविर का आयोजन गुवाहाटी में किया गया, जिसमें काफी संख्या में महिलाओ सहित उधामियो ने भाग लिया तथा अपने स्वास्थ्य की जांच कारवाई। स्वास्थ्य शिविर डॉक्टर आदित्य गौतम की देख रेख में उनके जीएस रोड क्लिनिक में रखा गया। जिसमें क्लिनिक की पूरी टीम का बहुत सहयोग रहा। लूप के प्रांतीय अध्यक्ष रवि सुरेका ने बताया कि लघु उद्योग भारती एक अखिल भारतीय अग्रणी औद्योगिक संस्थान है। जिसका पूरे देश भर के सभी राज्यों में उद्यमी सदस्य उद्योग द्वारा देश सेवा कार्यों में लगे हुए हैं। छोटा बड़ा कोई भी उद्योग चलाने वाले इसके सदस्य बन सकते हैं। लुब के इस शिविर में लिपिड प्रोफाइल, रेंडम ब्लड शुगर, थायरोड, आदि की जांच नि:शुल्क की गई। लघु उद्योग भारती की सोसियल कमेटी संयोजक अंकित जोधनी ने बताया की लुब अपने सामाजिक जिम्मेवारी के कार्य समय समय पर करती रहती है। लुब का टाटा के साथ पानी की मशीन लगाने का कार्य निरंतन किया जा रहा है। ये जानकारी लुब के जन सम्पर्क अधिकारी सम्पत मिश्र ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा जारी की।

लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी रिवरव्यू ने बांटे भोजन के पैकेट

गुवाहाटी (विभास)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी रिवरव्यू ने सचिव लायन रूबी दास के नेतृत्व में कल कामाख्या रेलवे स्टेशन मालीगांव में वंचित लोगों को पैक भोजन वितरित किया। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322जी के वन डिस्ट्रिक्ट वन गतिविधि के बैनर तले हमने 200 सौ से अधिक लोगों को भोजन परोसा। सचिव लायन रूबी दास ने विशेष रूप से लायन लोबिता और लायन असमा को उनके अथक समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। जनसंपर्क अधिकारी लायन सोनिया अग्रवाल ने हमें बताया कि इस नेक काम में सहयोग के लिए अधिकतम संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

रंगिया : आगामी वर्ष 9 फरवरी से तीन दिवसीय श्रीमंत शंकरदेव संघ का 93वां अधिवेशन

रंगिया (विभास)। जगतगुरु महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आदर्शों पर स्थापित उत्तर पूर्व भारत का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक जातीय कार्यक्रम श्रीमंत शंकरदेव संघ का 93वां रंगिया अधिवेशन आगामी वर्ष 2024 के 9, 10 और 11 फरवरी को मोरानजना भोयरा हातीखला पथार के *श्रीमंत शंकरदेव समन्वय* क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी अधिवेशन की स्वागत समिति द्वारा रविवार को एक पत्रकार सम्मेलन में दी गई है। इस मौके पर श्रीमंत शंकरदेव संघ के पदाधिकारी भवेंद्र नाथ डेका सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बताया गया है कि आगामी 19 नवंबर को अधिवेशन के लाईखुटा की स्थापना और खुली सभा का आयोजन किया जाएगा जिसके अंतर्गत उक्त दिवस पर सुबह परिवेश निकाकरण और जिला नामघर में प्रात: प्रसंग सम्पन्न होने के पश्चात सुबह 10 बजे लाईखूंटा की स्थापना श्रीमंत शंकरदेव संघ के पदाधिकारी भवेंद्र नाथ डेका द्वारा की जाएगी। इसके पश्चात आयोजित होने वाली खुली सभा का उद्घाटन संघ के महासचिव कुशल

ठाकुरिया द्वारा किया जाएगा। इस सभा में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ संघ के पूर्व पदाधिकारी रजनीकांत दत्त, कमला कांत गोगोई, असम सरकार के मंत्री जयंत मल्ल बरुवा, बीटीआर प्रमुख प्रमोद बोरो, उप-पदाधिकारी चक्रधर सोनोवाल, सांसद भुवनेश्वर कलिता, दिलीप सैकिया, असम सरकार के मंत्री पल्लवलोचन दास, कमलपुर के विधायक दिगंतो कलिता, हाजो क्षेत्र की विधायिका सुमन हरिप्रिया, तामुलपुर के विधायक जलेन दैमारी सहित श्रीमंत शंकरदेव संघ के कई शीर्ष नेता उपस्थित रहेंगे। बताया गया है कि सम्मेलन के लाईखुटा स्थापना समारोह में भाग के लिए रेल से आने वाले लोग रंगिया रेलवे स्टेशन पर उतरकर राष्ट्रीय राजमार्ग से गुवाहाटी की दिशा में 4 किमी तक अथवा केंदुकोना रेलवे स्टेशन में उतरने वाले लोग राष्ट्रीय राजमार्ग से रंगिया की दिशा में 2 किमी तक जाने पर अधिवेशन स्थली मिलेगी। वहीं दूसरी ओर बस से आने वाले लोग रंगिया बस स्टैंड से गुवाहाटी की दिशा में 3 किलोमीटर और बाईहाटा चारोली से रंगिया की दिशा में 15 किलोमीटर तक जाने से अधिवेशन स्थल मिलेगा। अधिवेशन की स्वागत समिति द्वारा पवित्र लाईखुटा की स्थापना और खुली सभा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी भक्तों को आह्वान करने के साथ सहायता एवं सहयोग की कामना की गई है। अधिवेशन के लिए स्वागत समिति ने करीब 10 हजार भकत-वैष्णव के एकसाथ बैठने के लिए बड़े आकार का मंडप बनाने की योजना बनाई गई है। साथ ही बताया गया है कि अधिवेशन के दौरान करीब 10 हजार लोगों के एकसाथ भोजन करने की भी व्यवस्था की जाएगी। स्वागत समिति द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए निविदा आमंत्रित की गई है। जिसकों जमा करने की अंतिम तिथि 22 नवंबर, 2023 बताई गई है। यह निविदाएं आगामी 24 नवंबर को जारी की जाएंगी। बताया गया है कि इस संदर्भ में विशेष जानकारी के लिए स्वागत समिति के सचिव ड0 हितेंद्र नाथ डेका से (7635895870) पर संपर्क किया जा सकता है।

वोकल फॉर लोकल से होगा 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना साकार: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में लोगों से त्योहारों के सीजन में स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील की और कहा कि इससे देश का आत्मनिर्भर बनने का सपना साकार होगा। मन की बात के 106वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने खादी उत्पादों की रिकॉर्ड बिक्री का उल्लेख करते हुए कहा कि स्थानीय उत्पादों की खरीद से अन्य देशवासियों की भी दीपावली खुशी से मनेगी। देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी आगामी जयंती पर याद करते हुए प्रधानमंत्री ने मेरी माटी मेरा देश अभियान और मेरा युवा भारत (माय भारत) कार्यक्रम का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि देश की एकता के सूत्रधार सरदार पटेल की जयंती पर देश के कोने-कोने से एकत्रित की गई माटी लेकर अमृत कलश यात्राएं दिल्ली पहुंच रही हैं। इन्हें एक विशाल कलश में डाला जाएगा और इस पवित्र मिट्टी से दिल्ली में अमृत वाटिका का निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि माय भारत देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण के विभिन्न आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करेगा। वे युवाओं से आग्रह करते हैं कि स्वयं को mybharat.gov.in में रजिस्टर कर विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभागी बनें। इस दौरान प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 31 अक्टूबर की पुण्यतिथि पर भी उन्हें याद किया। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में साहित्य के माध्यम से देश को जोड़ने के लिए चलाए जा रहे एक प्रयास की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु की प्रसिद्ध लेखिका शिवशंकरी ने एक प्रोजेक्ट के माध्यम से 18 भारतीय भाषाओं में लिखे साहित्य का तमिल में अनुवाद किया है।

इसके लिए उन्होंने देश के अलग-अलग कोनों तक की भी यात्रा की है। उनके इस प्रोजेक्ट से जुड़े हुए चार वॉल्यूम प्रकाशित हुए हैं। उन्हें उनकी इस संकल्प शक्ति पर गर्व है। प्रधानमंत्री ने कन्याकुमारी के एके पेरूमल की तमिलनाडु के कहानी कहने की परंपरा को संरक्षित करने के कार्य की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि वे तमिलनाडु के अलग-अलग हिस्सों में यात्रा कर वहां की फोक आर्ट फॉर्म को खोज कर अपनी पुस्तक का हिस्सा बनाते हैं। उन्होंने अब तक करीब 100 किताबें लिख डाली हैं। वे तमिलनाडु

के मंदिर संस्कृति के बारे में भी शोध करना पसंद करते हैं। प्रधानमंत्री ने जनजाति गौरव दिवस अर्थात भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और जनजातीय समुदाय के नायकों से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। भगवान बिरसा मुंडा ने ऐसे समाज की कल्पना की थी जहां अन्याय का कोई स्थान ना हो। वे चाहते थे कि हर व्यक्ति को सम्मान और समानता मिले। आज हमारे आदिवासी भाई-बहन प्रकृति की देखभाल और उसके संरक्षण के लिए हर तरह से समर्पित हैं। हम सबके लिए यह बात बहुत ही प्रेरणादायक है। प्रधानमंत्री ने राजस्थान और गुजरात में जनजातीय समुदाय में विशेष महत्व रखने वाले गोविंद गुरु जी को भी याद किया। 30 अक्टूबर को उनकी पुण्यतिथि है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वंचित समुदाय के लिए गोविंद गुरु जी ने बहुत काम किया है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने मानगढ़ नरसंहार में बलिदान मां भारती के सपूतों को भी नमन किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री ने एशियाई गेम और पैरा ओलंपिक में भारत को मिले पदकों को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि वह इन खेलों में भाग लेने वालों को बहुत-बहुत बधाई देते हैं। साथ ही उन्होंने एक स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड समर गेम्स की ओर भी ध्यान आकर्षित कराया। इसमें मानसिक रूप से दिव्यांग प्रतिभागी भाग लेते हैं। इस प्रतियोगिता में भारतीय दल ने 75 स्वर्ण पदक सहित कुल 200 पदक जीते। प्रधानमंत्री ने शक्तिपीठ अंबाजी के मार्ग में गब्बर पर्वत पर कूड़े कबाड़ से बनी प्रतिमाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह प्रयास गब्बर पर्वत का आकर्षण बढ़ाने के साथ ही पूरे देश में वेस्ट टू वेल्थ अभियान के लिए लोगों को प्रेरित करेगा। इसी तरह से वेस्ट टू वेल्थ के एक अन्य प्रयास का भी उन्होंने उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि असम के कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले में अक्षर फार्म स्कूल में हर हफ्ते बच्चों द्वारा प्लास्टिक से इको फ्रेंडली ईंटें और चाबी बनाने का काम होता है। यहां छात्र को रीसाइक्लिंग करना और प्लास्टिक वेस्ट से प्रोडक्ट बनाना सिखाया जाता है। प्रधानमंत्री ने महान संत मीराबाई को उनकी 525वीं जयंती पर याद किया। उन्होंने कहा कि उस कालखंड में उन्होंने अपने भीतर की आवाज को सुना और रूढ़िवादी धारणाओं के खिलाफ खड़ी हुईं। एक संत के रूप में भी वह सबको प्रेरित करती हैं।

डीसीडब्ल्यू ने हिंदू देवियों की अश्लील तस्वीरों पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) को इंटरनेट पर बेची जा रही हिंदू देवी-देवताओं की आपत्तिजनक तस्वीरों के संबंध में एक व्यक्ति से शिकायत मिली है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं की अश्लील तस्वीरें ऑनलाइन बेच रहे हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उसे इस संबंध में कुछ ईमेल प्राप्त हो रहे हैं। कथित ईमेल में देवी-देवताओं की कुछ तस्वीरें भी हैं जिन्हें अश्लील तरीके से दर्शाया गया है। डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। डीसीडब्ल्यू ने मामले में गिरफ्तार आरोपितों के विवरण के साथ एफआईआर की कॉपी मांगी है। डीसीडब्ल्यू ने उक्त सामग्री को इंटरनेट से हटाने और इसे प्रचलन से रोकने के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण भी मांगा है। स्वाति मालीवाल ने कहा, यह कृत्य बेहद अपमानजनक है और इससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचती है और समूहों के बीच दुश्मनी पैदा होती है। यह बहुत ही गंभीर मामला है। मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए और आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। आपत्तिजनक सामग्री को तुरंत इंटरनेट से हटाया जाना चाहिए।

पोर्टलधारी गठबंधन सरकार हर वर्ग के लिए बन रही है परेशानी का सबब : सैलजा

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि पोर्टलधारी भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार प्रदेश के हर वर्ग के हर व्यक्ति कर्मचारी के लिए परेशानी का बनती जा रही है, किसान तो इस सरकार की नीतियों के चलते मानसिक और आर्थिक तौर से टूट चुका है। डबवाली क्षेत्र के किसानों ने मेरा फसल मेरा ब्यौरा के तहत फसलों का पंजीकरण करवाया था, वह पंजीकरण कैथल, पलवल और अन्य जिलों में दिखा रहा है जिसके चलते न तो किसान अपनी फसल बेच पा रहा है और न ही गुलाबी सुंडी से बर्बाद हुई कपास की फसल का उसे मुआवजा मिल पाएगा। सरकार के जनविरोधी रवैये के चलते जनता में सरकार के प्रति आक्रोश है और जनता आगामी चुनाव में इस सरकार को सबक सिखाने के लिए तैयार हो चुकी है। मीडिया को जारी एक बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा-जजपा गठबंधन की पोर्टलधारी सरकार की पोल दिन प्रति दिन परत दर परत खुलती जा रही है। एक के बाद एक फजीर्वाड़ा और घोटाला सामने आ रहा है। सरकार के शोषित और पीड़ित व्यक्ति अपनी शिकायत को लेकर अधिकारियों और कर्मचारियों पास जाता हैं पर उसकी कोई सुनवाई नहीं होती और उच्चाधिकारी या सरकार के विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री केवल आश्वासन देकर उसे टरका देते हैं। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने किसानों को परेशान करने के लिए उसके साथ पोर्टल-पोर्टल खेलना शुरू हुआ। पहले तो किसानों को मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर फसल के पंजीकरण के लिए भटकना पड़ता है और जब पंजीकरण पूरा हुआ तो पता चला कि पंजीकरण किसी दूसरे जिले में दिखाया जा रहा है। डबवाली क्षेत्र की फसल का ब्यौरा कैथल, पलवल और गुरुग्राम में पाया जा रहा है। किसान इसकी लगातार शिकायत कर रहे हैं लेकिन सरकार इस समस्या का कोई समाधान निकालने में असमर्थ रही। किसान वर्ग इस दफ्तर से उस दफ्तर चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन, सरकार से उन्हें निराशा के आलावा कुछ नहीं मिला। इसी गांव के एक किसान है जिन्होंने 14 एकड़ में धान की रोपाई की थी फसल बेचने मंडी में गए तो पता चला कि उनकी फसल का पंजीकरण कैथल में दिखाया जा रहा है। गांव गंगा के एक किसान की फसल का पंजीकरण भी कैथल में दिखाया जा रहा है तो गांव मोडी के किसान की फसल का पंजीकरण गुरुग्राम में बताया जा रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह सरकार किसानों के साथ पोर्टल पोर्टल खेलकर उनके साथ भद्दा मजाक कर रही है। ऐसे हालात सिरसा में ही नहीं दूसरे जिलों में भी है। ऐसे किसानों की न तो अधिकारी सुनवाई कर रहे है और न ही सरकार। उन्होंने कहा कि सरकार से परेशान प्रदेश का हर व्यक्ति आने वाले चुनाव की प्रतीक्षा कर रहा है ताकि इस सरकार से बदला ले सके।

सुप्रीम कोर्ट में होगी चुनावी बांड योजना के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट में चुनावी बांड योजना के खिलाफ सुनवाई की तैयारी हो रही है। इसके लिए पांच न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ के गठन को अधिसूचित किया है, जो चुनावी बांड योजना के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ 31 अक्टूबर को मामले की सुनवाई करेगी। इस पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बी.आर. गवई, जे.बी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट ने 16 अक्टूबर को संविधान के अनुच्छेद 145(4) के संबंध में उठाए गए मुद्दे के महत्व को देखते हुए याचिकाओं को पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ को भेजने का फैसला किया था।

याचिकाओं के समूह ने 2017 के वित्त अधिनियम में किए गए संशोधनों के माध्यम से केंद्र द्वारा शुरू की गई चुनावी बांड योजना को चुनौती दी है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि इस योजना ने राजनीतिक दलों के लिए अनियंत्रित फंडिंग के दरवाजे खोल दिए हैं। चुनावी बांड किसी भी व्यक्ति, कंपनी, फर्म या व्यक्तियों के संघ द्वारा खरीदा जा सकता है, बशर्ते वह व्यक्ति या निकाय भारतीय नागरिक हो या भारत में निगमित या स्थापित हो।

राहुल गांधी ने किसानों से की मुलाकात

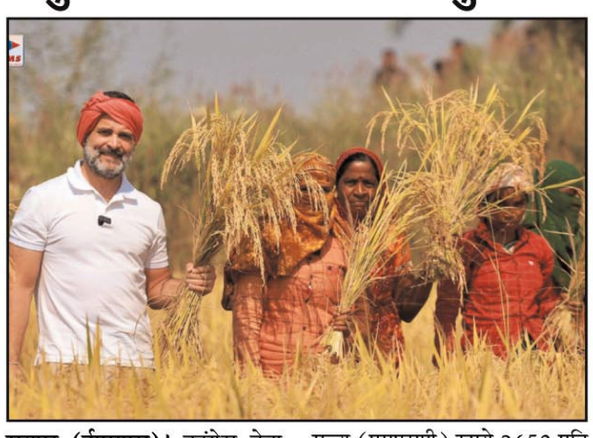

रायपुर (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। रविवार उन्होंने रायपुर के पास कठिया गांव में धान की कटाई कर रहे किसानों और मजदूरों की मदद करते हुए उनसे आत्मीय बातचीत की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ में किसानों के लिए पार्टी की सरकार द्वारा किए गए कार्यों को भी बताया। इसके लिए उन्होंने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर भी पोस्ट किया। राहुल गांधी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण पांच निर्णयों को रेखांकित किया। इनसे किसान समृद्ध हुए हैं। इनमें धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) रुपये 2650 प्रति क्विंटल, 26 लाख किसानों को 23 हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी देना, 19 लाख किसानों का 10 हजार करोड़ रुपये की कर्ज माफी, बिजली बिल आधा किया जाना और 5 लाख किसानों को 7 हजार रुपये प्रति वर्ष की मदद हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव दो चरणों में होने जा रहे हैं। इसके लिए पहला मतदान 7 नवंबर को और दूसरे चरण का मतदान 17 नवंबर को होना है। मतगणना 3 दिसंबर को की जाएगी। पिछले विधानसभा चुनाव 2018 में, कांग्रेस ने 90 विधानसभा सीटों में से 68 सीटें जीती थी।

मुंबई की सड़कों से गायब हो जाएंगी काली-पीली टैक्सियां

मुंबई (ईएमएस)। पिछले कई दशकों से देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में प्रीमियर पद्मिनी टैक्सी अपनी सेवाएं दे रही थी। इस टैक्सी सेवा को काली-पीली के तौर पर जाना जाता था, अब लगभग छह दशक के बाद इसकी यात्रा समाप्त हो रही है। नए मॉडल और ऐप-आधारित कैब सेवाओं के बाद ये काली-पीली टैक्सी अब मुंबई की सड़कों से 30 अक्टूबर तक हट जाएंगी। हाल में सार्वजनिक ट्रांसपोर्टर बेस्ट की प्रसिद्ध लाल डबल-डेकर डीजल बसों के सड़कों से हटने के बाद अब काली-पीली टैक्सी भी नजर नहीं आएंगी। परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि आखिरी प्रीमियर पद्मिनी को 29 अक्टूबर, 2003 को तारदेव आरटीओ में एक काली-पीली टैक्सी के रूप में पंजीकृत किया गया था। चूंकि, शहर में कैब संचालन की समयसीमा 20 साल है, ऐसे में अब सोमवार से मुंबई में आधिकारिक तौर पर प्रीमियर पद्मिनी टैक्सी नहीं चलेगी। मुंबई की आखिरी पंजीकृत प्रीमियर पद्मिनी टैक्सी (एमएच-01-जेए-2556) की मालिक प्रभादेवी ने कहा, ये मुंबई की शान है और हमारी जान है। वहीं, कुछ लोगों ने मांग की है कि कम से कम एक प्रीमियर पद्मिनी को सड़क पर या संग्रहालय में संरक्षित किया जाए।

डॉक्टरों ने राजघाट तक किया पैदल मार्च

अजय कुमार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में डॉक्टरों ने रविवार को स्वास्थ्य सेवा ठप कर दी है। इसी के साथ सभी डॉक्टर सड़कों पर उतर आए हैं। ये डॉक्टर सरकार से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा पहले से चली अन्य मांगों को भी इसके साथ जोड़ा गया है। इन मांगों को लेकर रविवार सुबह डॉक्टरों ने मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज से लेकर राजघाट तक पैदल मार्च किया। मार्च कर रहे डॉक्टरों का कहना है कि दिल्ली में डॉक्टर और हेल्थ प्रोफेशनल्स के खिलाफ लगातार हिंसक घटनाएं हो रही हैं। इस संबंध में पुलिस में लगातार शिकायतें भी दी जा रही हैं, बावजूद इसके अभी तक इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए गए हैं। इस

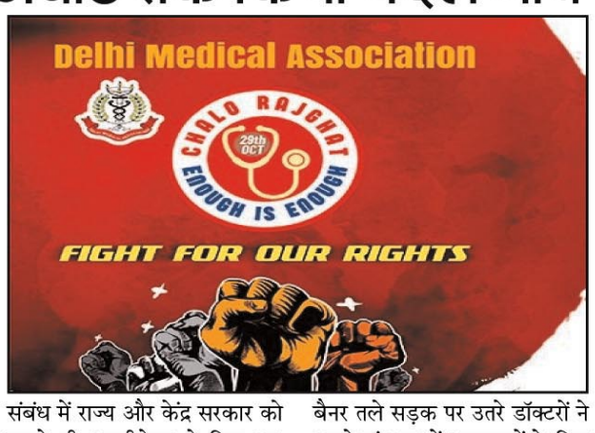

संबंध में राज्य और केंद्र सरकार को पहले ही अल्टीमेटम दे दिया था, बावजूद इसके जब सरकार की ओर से भी कोई पहल नहीं हुई। ऐसे अब दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने सड़क पर उतर कर हक की लड़ाई लड़ने का ऐलान किया है। डीएमए के बैनर तले सड़क पर उतरे डॉक्टरों ने अपने मांग पत्र में अस्पतालों के लिए हाउस टैक्स समायोजन और डॉक्टरों के लिए बेहतर कामकाजी परिस्थिति बनाने की मांग की। इसके अलावा मांग पत्र में कुछ और मांगों को भी रखा गया है।

लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने भगवान बदरी-केदार के दर्शन किये

बदरीनाथ/केदारनाथ, (हि.स.)। मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को सपरिवार भगवान बदरीविशाल तथा भगवान केदारनाथ के दर्शन किये। उनके साथ सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी दर्शन को पहुंचे। उन्होंने यात्रियों के बीच ही दर्शन किये। लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि रविवार सुबह साढ़े आठ बजे भगवान केदारनाथ के दर्शन को पहुंचे, जहां बीकेटीसी कार्याधिकारी आरसी तिवारी ने उनकी अगवानी की। उन्होंने परिवार संग मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद सुबह साढ़े दस बजे लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि केदारनाथ से हैलीकॉप्टर द्वारा बदरीनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने बदरीनाथ मंदिर में दर्शन किये तथा

सपरिवार विशेष पूजा में शामिल हुए। इसके पश्चात बदरीनाथ धाम के रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी से मिले तथा भगवान बदरीविशाल का प्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने उनका स्वागत किया। बदरीनाथ धाम में दर्शन करने के बाद वह गढ़वाल स्काट कैंप माणा की ओर रवाना हुए।

संघ के वरिष्ठ प्रचारक रंगाहरि का निधन

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक रंगाहरि का रविवार सुबह कोच्चि के एक अस्पताल निधन हो गया। वे 93 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से बीमार थे। रंगाहरि 1991 से 2005 तक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख रहे। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रंगाहरि के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। संघ के दोनों शीर्ष पदाधिकारियों ने अपने शोक संदेश में कहा है कि रंगाहरि जी के निधन से संघ ने एक गहन विचारक, श्रेष्ठ कार्यकर्ता और व्यावहारिक आदर्श के साथ एक स्नेही और उत्साहवर्धक वरिष्ठजन खो दिया है। रंगाहरिजी ने अपना जीवन पूर्ण एवं सार्थक ढंग से जीया। अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख रहने के दौरान उनके परिचय में आए कई कार्यकर्ता आज

पूरे भारत में उनके निधन पर शोक मना रहे होंगे। अपने अंतिम दिनों में भी उन्होंने पढ़ने, लिखने और अपने पास आने वाले स्वयंसेवकों को सुखद परामर्श देना नहीं छोड़ा। 11 अक्टूबर को पृथ्वी सूक्त पर उनकी एकमात्र टीका दिल्ली में प्रकाशित हुई। कुछ बोल नहीं पाने पर भी वह आगंतुकों को सुनते थे और अपने चेहरे के भावों से प्रतिक्रिया देते थे। हाल ही में संरसंघचालक डॉ. भागवत और केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने दिल्ली के डॉ अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में रंगाहरि जी की पुस्तक पृथ्वी सूक्त : धरती माता को एक श्रद्धांजलि का विमोचन किया था। रंगाहरि अंग्रेजी, संस्कृत, मराठी, हिंदी, कोंकणी और मलयालम सहित 11 भाषाओं के जानकार थे। उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर विभिन्न भाषाओं में 60 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं। रंगा हरि 1944 में नागपुर के प्रचारक पुरूषोत्तम चिंचोलकर से प्रेरित होकर संघ से जुड़े और जीवन के अंतिम समय तक संघ के समर्पित कार्यकर्ता के नाते कार्य करते रहे। वह केरल में सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलनों में सक्रिय रूप से शामिल थे। उनकी एक उल्लेखनीय उपलब्धि 12-खंडों में हिंदी में प्रकाशित गुरुजी समग्र रही, जिसके वे प्रधान संपादक थे।

मराठा समाज को आरक्षण देने के लिए सरकार कटिबद्ध : एकनाथ शिंदे

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि सरकार मराठा समाज को आरक्षण देने के लिए कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किसी भी कीमत पर मराठा समाज को आरक्षण देकर रहेंगे। मराठा समाज के लोग सरकार पर पूरा भरोसा रखें। मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलनकारियों के विरोध से बचने के लिए मुख्यमंत्री शिंदे शनिवार देर रात को कोल्हापुर जिले के कनेरी मठ में सिरवाचल पशुपालन केंद्र का उद्घाटन करने पहुंचे थे। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री शिंदे ने पत्रकारों से कहा कि सरकार मराठा समुदाय को न्याय देगी। मराठा समाज सरकार के प्रयास को समझने का प्रयास करे और युवकों को आक्रामक न होने दे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह मनोज जरांगे पाटिल के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं, जो मराठा आरक्षण की मांग को लेकर जालना जिले में फिर से भूख हड़ताल पर हैं। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि मराठा समाज को पहले दिया गया आरक्षण सुप्रीम कोर्ट में टिक नहीं पाया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा बताई गई त्रुटियों को दूर करने का

काम अभी चल रहा है। मराठा समाज पिछड़ा हुआ है। कुनबी दस्तावेज जारी करने के लिए नियुक्त न्यायमूर्ति शिंदे समिति बहुत अच्छा काम कर रही है। अब तक आठ से दस हजार पुराने रिकार्ड खोजे जा चुके हैं। हैदराबाद जाकर भी रिकार्ड की जांच की जा रही है। इस सारे काम में थोड़ा समय लगेगा। इसके चलते मराठा समाज को धैर्य रखना चाहिए। युवाओं को आत्महत्या जैसा कदम नहीं उठाना चाहिए और जारांगे पाटिल ने भी अपील की है कि मामले को तूल नहीं देना चाहिए। मुख्यमंत्री के कोल्हापुर दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने काफी सतर्कता बरती। एयरपोर्ट से कनेरी मठ तक सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। यहां तक कि सुरक्षा में तैनात कई पुलिस अधिकारियों को भी पता नहीं था कि कौन आ रहा है, लेकिन देर रात मठ में एकनाथ शिंदे के पहुंचने की खबर मिलते ही मराठा समाज आक्रामक हो गया और कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने सभी आंदोलनकारियों को पकड़कर राजाराम पुलिस स्टेशन में बिठा दिया। रविवार को तड़के तीन बजे के करीब जब मुख्यमंत्री कोल्हापुर से मुंबई के लिए रवाना हुए उसके बाद सभी मराठा आंदोलनकारियों को छोड़ा गया।

सैन्य अभ्यास 'काजिंद' के लिए भारतीय सेनाएं कजाकिस्तान रवाना

- भारतीय सेना की डोगरा रेजिमेंट के नेतृत्व में 90 जवान करेंगे एक्सरसाइज
- इस सैन्य अभ्यास में दोनों पक्षों से वायु सेना के 30 सैन्य कर्मी भी भाग लेंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय सेना और वायु सेना की एक टुकड़ी कजाकिस्तान में 30 अक्टूबर से होने वाले सैन्य अभ्यास काज़िंद में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली से रविवार को रवाना हुई। इस दल में भारतीय सेना की डोगरा रेजिमेंट के 90 जवान शामिल हैं। इस सैन्य अभ्यास में दोनों पक्षों से वायु सेना के 30 सैन्य कर्मी भी भाग लेंगे। अभ्यास के दौरान दोनों पक्षों को युद्ध कौशल के व्यापक स्पेक्ट्रम पर अभ्यास करने और एक-दूसरे से सीखने का मौका मिलेगा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार 120 कर्मियों वाली टुकड़ी संयुक्त सैन्य अभ्यास ह्याकाजिंदह्व के 7वें संस्करण में भाग लेने के लिए आज कजाकिस्तान के लिए रवाना हुई। यह अभ्यास 11 नवंबर तक होगा, जिसमें भारतीय सेना की डोगरा रेजिमेंट की एक बटालियन के नेतृत्व में 90 जवान शामिल होंगे। कजाकिस्तान दल का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से कजाख ग्राउंड फोर्सेज के दक्षिण क्षेत्रीय कमान के जवान करेंगे।

अभ्यास के इस संस्करण में सेना की टुकड़ियों के साथ दोनों पक्षों से वायु सेना के 30 कर्मी भी भाग लेंगे। भारत और कजाकिस्तान के बीच इस संयुक्त अभ्यास को वर्ष 2016 में 'प्रबल दोस्ती के रूप में शुरू किया गया था। दूसरे संस्करण के बाद इस अभ्यास को कंपनी-स्तरीय अभ्यास में अपग्रेड करके इसका नाम बदलकर एक्सरसाइज काजिंद कर दिया गया। इसी वर्ष से अभ्यास में वायु सेना को भी शामिल किया गया। अभ्यास के मौजूदा संस्करण में दोनों सैन्य पक्ष आतंकवाद विरोधी अभियानों के संचालन का अभ्यास करेंगे। अभ्यास में काउंटर मानव रहित हवाई प्रणाली संचालन भी शामिल है। यह अभ्यास दोनों सैन्य पक्षों को एक-दूसरे की रणनीति, युद्ध अभ्यास और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी हासिल करने का अवसर प्रदान करेगा, जो संयुक्त राष्ट्र कार्यक्षेत्र के अंतर्गत कार्य संचालन के लिए जरूरी है। इस संयुक्त प्रशिक्षण से अर्ध-शहरी और शहरी परिस्थितियों में संयुक्त सैन्य अभियान के संचालन के लिए अपेक्षित कौशल और समन्वय को विकसित करेगा। दोनों सैन्य पक्षों को युद्ध कौशल के व्यापक स्पेक्ट्रम पर अभ्यास करने, एक-दूसरे से सीखने, विचारों का आदान-प्रदान करने और सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों को साझा करने का मौका देगा। इस अभ्यास से दोनों सेनाओं के बीच संबंध और अधिक मजबूत होंगे।

मांडर के ऐतिहासिक मुड़मा जतरा मेले में शिरकत करेंगे बाबूलाल मरांडी

रांची (हिंस)। राजधानी से 35 किलोमीटर दूर मांडर में ऐतिहासिक मुड़मा जतरा मेले की तैयारी अंतिम चरण में है। आयोजन समिति से जुड़े लोगों का कहना है कि रविवार शाम तक सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। धर्मगुरु बंधन तिग्गा ने कहा कि मेला का उद्घाटन 30 अक्तूबर को होगा। इसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी शिरकत करेंगे। इस बार विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन भी चौकस है। कहीं कोई अप्रिय घटना न हो, इससे निपटने के लिए मेले में ड्रोन कैमरा से निगहबानी होगी। साथ ही सीसीटीवी से भी निगरानी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि दुनियाभर में फैले आदिवासी समुदाय इन 40 पड़हा के अंतर्गत ही आते हैं। हर पड़हा में कई गांव समाहित होते हैं। मान्यता है कि दुनिया के किसी भी कोने में रहने वाला आदिवासी समुदाय का व्यक्ति इस दिन मां शक्ति की आराधना के लिए मुड़मा में एकत्रित होते हैं। इस महाजुटान के दिन ही ऐतिहासिक मेला का आयोजन होता है। केंद्रीय राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा की अगुवाई में जतरा शक्ति खूंटा की 40 पड़हा के पाहन पूजा करते हैं। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर जतरा की शुरुआत की जाती है। श्रद्धालु माथे पर जौ और गेंदा फूल से सुसज्जित कलश लेकर मां शक्ति की परिक्रमा करते हैं। इसके बाद हाथ में जल लेकर शक्ति खूंटा की पूजा-अर्चना करते हैं।

सबका साथ, सबका विकास पर खरी उतर रही है योगी सरकार की सेफ सिटी परियोजना

लखनऊ (हिंस)। योगी सरकार सेफ सिटी परियोजना में महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों का विशेष ध्यान रख रही है ताकि उनकी सुरक्षा और सुविधा देने में कोई कोर कसर न रह जाए। इसी के तहत 17 नगर निगम और गौतमबुद्धनगर में सीनियर सिटीजन के लिए अत्याधुनिक डे केयर सेंटर बनाए जा रहे हैं जबकि महिलाओं की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए परिवहन विभाग की बसों, ओला और उबर में सीसीटीवी के साथ पैनिक बटन लगाए जाने की तैयारी चल रही है। इतना ही नहीं दिव्यांगजनों के लिए सरकारी और प्राइवेट विभागों में रैंप तो दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल लिपि में जनसूचना अंकित की जा रही है। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक सेफ सिटी परियोजना के तहत नगर विकास विभाग की ओर से सीनियर सिटीजन के लिए डे केयर सेंटर की स्थापना की जा रही है। पहले चरण में सभी 17 नगर निगम में

अत्याधुनिक डे केयर सेंटर बनाने की कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। वर्तमान में एक डे केयर सेंटर संचालित है जबकि चार का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। वहीं जल्द ही 12 अन्य डे केयर सेंटर का निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा। इसके अलावा सेफ सिटी परियोजना के तहत 17 नगर निगम और गौतमबुद्धनगर में महिलाओं के साथ बुजुर्गों की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए कुल 21, 155 बसों, ओला, ऊबर में सीसीटीवी कैमरे संग पैनिक बटन लगाने के लिए चिह्नित किया गया है। इनमें परिवहन विभाग की 1235 सिटी बसें, 9840 ओला, 1122 उबर और 8958 अन्य प्राइवेट वाहन शामिल हैं। इनमें से परिवहन विभाग की 700 बसों में सीसीटीवी कैमरे और पैनिक बटन लगा दिये गये हैं। साथ ही इन्हे यूपी-112 से इंटीग्रेट भी कर दिया गया है जबकि ओला, उबर और अन्य प्राइवेट वाहनों में सीसीटीवी और पैनिक बटन लगाने की कार्रवाई तेजी से चल रही है। लोक निर्माण विभाग की ओर से दृष्टिबाधितों के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकारी और प्राइवेट भवनों, चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर ब्रेल लिपी में आवश्यक सूचना अंकित की जाएगी। इसके साथ ही दिव्यांगजनों के लिए चौराहों पर बने जेब्रा क्रासिंग पर साइनेज और भवनों में रैंप की स्थापना की जा रही है। लोक निर्माण विभाग की ओर से 17 नगर निगम में 135 जेब्रा क्रासिंग पर साइनेज लगाने के लिए चिन्हित किया गया था, जो पूरा हो चुका है। साथ ही विभाग के नियंत्रित 119 भवनों को दिव्यांगजनों के लिए बाधारहित बनाया गया है। गौतमबुद्धनगर में 7 स्थानों पर जेब्रा कासिंग पर साइनेज लगाए गए हैं जबकि 2 भवनों को दिव्यांगजनों के लिए बाधारहित बनाया गया है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से 17 नगर निगम 54 स्थानों को रैंप बनाने के लिए चिह्नित किया गया है जबकि 49 स्थानों पर रैंप का काम पूरा कर लिया गया है। इसी तरह गौतमबुद्धनगर में एक स्थान को रैंप बनाने के लिए चिह्नित किया गया है, जिसे बनाने की कार्रवाई चल रही है।

जाने करवा चौथ का चांद देखने का वैज्ञानिक समय

कानपुर (हिंस)। करवा चौथ इस वर्ष एक नवंबर दिन बुधवार को व्रत रखा जाएगा। हिंदू पंचांग के मुताबिक शाम 5 बजकर 36 मिनट से शाम 6 बजकर 45 मिनट तक है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि करवा चौथ का चांद रात 8 बजकर 15 मिनट पर निकलेगा। हालांकि शहर के हिसाब से कुछ मिनट का बदलाव हो सकता है। यह रविवार को जानकारी चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के मौसम वैज्ञानिक डॉ.एस.एन.सुनील पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष एक नवंबर दिन बुधवार को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। हालांकि भारतीय पंचांग के मुताबिक करवा चौथ की तिथि 31 अक्तूबर दिन मंगलवार रात्रि 9.30 से शुरू हो जाएगी और एक नवंबर को चंद्र दर्शन के बाद रात 9 बजकर 10 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। पूजा का शुभ समय एक नवंबर की शाम 5.45 मिनट से लेकर 7 बजकर 2 मिनट तक रहेगा। करवा चौथ का व्रत कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को पड़ता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत करती हैं और पूरे दिन निर्जला रखा जाता है। रात के समय चांद देखकर व्रत का पारण किया जाता है। करवा चौथ के दिन शादीशुदा महिलाएं 16 शृंगार कर सजती संवरती हैं और रात में चांद निकलने के बाद चंद्रमा की पूजा कर चांद को जल देकर और अपने पति का मुख छलनी से देखकर अपना व्रत खोलती हैं । करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाओं के जीवन में बहुत महत्व रखता है। यह व्रत शादीशुदा महिलाओं के दांपत्य जीवन में खुशियां भरता है। इस दिन सास अपनी बहू को सरगी देती है, जिससे सुबह सूर्योदय से पहले खाया जाता है, करवा चौथ के व्रत में सरगी का बहुत महत्व है। इसके बिना करवा चौथ का व्रत पूरा नहीं माना जाता है।

प्रधानमंत्री के मन की बात से मिलती है प्रेरणा : नंदी

प्रयागराज (हिंस)। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने आज प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में उनके प्रेरणादायी उद्बोधन को सुना। तत्पशचत नंदी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात के जरिये हर बार कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है। नए विचार, नई दिशा व नई ऊर्जा मिलती है। प्रधानमंत्री की बातों को सुनकर प्रेरणा मिलती है और कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ता है। शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र मुट्ठीगंज मंडल में बूथ नंबर 30 गऊघाट पुलिस बूथ के पीछे स्थित दलित बस्ती में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ नंदी ने कहा कि मन की बात का यह लोकप्रिय कार्यक्रम समाज में नई चेतना के साथ विभिन्न क्षेत्रों में उचित मार्गदर्शन का भी सारथी बनता है। मन की बात एक ऐसा माध्यम है, जहां सकारात्मकता है, संवेदनशीलता है। नंदी ने कहा कि मन की बात के 106वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपील करते हुए लोकल फॉर वोकल का नारा दुहराया। उन्होंने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी हमारे त्यौहारों में हमारी प्राथमिकता हो *लोकल फॉर वोकल* । ताकि हमारा भारत आत्मनिर्भर भारत बन सके। यही नहीं प्रधानमंत्री ने देश में विकसित भुगतान प्रणाली यूपीआई से ज्यादा भुगतान करने की भी अपील की। ताकि देश की अर्थव्यवस्था और बेहतर हो। नंदी ने कहा कि युवा ही इस देश की ताकत हैं, जिनमें अदम्य साहस है। युवाओं की इसी ताकत को एकाग्र करने और युवाओं द्वारा देश के विकास में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपना योगदान देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अक्तूबर को *मेरा युवा भारत योजना* की वेबसाइट लांच करेंगें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात में गांधी जयंती के अवसर पर देश में खादी के रिकॉर्ड बिक्री का भी जिक्र किया।

हेमंत सोरेन की सरकार में कोई भी सुरक्षित नहीं : अमर बाउरी

रांची (हिंस)। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने रविवार को कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार में कोई भी सुरक्षित नहीं है। राज्य में आए दिन हत्या, लूट, बलात्कार जैसी घटनाएं हो रही हैं और सरकार कुंभकर्णी नींद में सोई है। धनबाद में शनिवार को हुआ गोलीकांड इसका सबूत है कि सरकार के संरक्षण में अपराधी फल-फूल रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने शनिवार को धनबाद में हुए गोली कांड की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि बैंक मोड़ क्षेत्र के मटकुरिया रोड स्थित कार सेंटर के मालिक धोबाटांड़ निवासी दीपक अग्रवाल को अपाधियों ने उनके दुकान में ही गोली मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये। उन्होंने कहा कि धनबाद के व्यवसायी हाल के दिनों में डर के साये में अपना धंधा चला रहे हैं। आए दिन व्यवसायियों

से रंगदारी की मांग की जाती है, जो व्यवसायी रंगदारी देने से मना कर रहे हैं, उनपर अपराधी हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि धनबाद सहित पूरे राज्य के अपराधियों को सरकार का संरक्षण किसी न किसी रूप में मिल रहा है, जिसका असर यह हो रहा है कि अब राज्य के बड़े व्यापारी दूसरे राज्य में पलायन कर रहे हैं। कोई भी नया व्यवसाय या उद्योग राज्य में स्थापित नहीं हो रहा, जिससे राज्य में बेरोजगारी बढ़ रही है। नेता प्रतिपक्ष ने झारखंड पुलिस के आधिकारिक वेबसाइट पर दी गयी जानकारी को साझा करते हुए कहा कि सिर्फ धनबाद में इस वर्ष अगस्त माह तक ही 76 हत्याएं, 19 लूट, 9 डकैती, 57 अपहरण, 52 बलात्कार जैसी संगीन घटना को अंजाम दिया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया कि राज्य में अपराधियों पर जल्द से जल्द लगाम लगाएं।

नीतीश राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और डॉ. आंबेडकर के सपनों को कर रहे साकार : अशोक चौधरी

पूर्णिया (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 17 वर्षों में न्याय के साथ विकास की शुरुआत किया जिसका सपना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और डॉ. आंबेडकर ने देखा था। हम उस समाज से आते हैं जिन्हें अछूत समझा जाता था। देश आजाद हुआ तो संविधान में सबों को समानता का अधिकार दिया गया। लेकिन, 75 साल बाद भी संविधान द्वारा दिया गया समानता का अधिकार पूरी तरह हासिल नही हो सका। नीतीश जी जब आए तो बाबा साहेब के रास्ते पर चलते हुए सबसे पहले शिक्षा व्यवस्था में सुधार शुरू किया। 25 हजार स्कूल खुले, 2.50 लाख वर्ग कक्ष का निर्माण कराया। टोला सेवक और तालीमी मरकज के माध्यम से स्कूल से वंचितों को स्कूल से जोड़ा गया। मिड डे मील योजना, साईकल योजना और पोशाक योजना से बड़ा बदलाव आया। वर्ष 2007 में पंचायती राज व्यवस्था में आरक्षण दिया और परिणाम यह निकला कि जो अतिपिछड़ा, दलित, महादलित मुखिया के दरवाजे पर जाने से डरता था वे खुद मुखिया और जिला पार्षद बनने लगे। गरीबों के बच्चों के सपनो को उड़ान देने के लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड शुरू किया गया। 17 सालों में नीतीश कुमार जी ने जितना दलितों-महादलितों के विकास के लिए काम किया, आजादी के बाद आज तक नही हुआ। जो नेता आपको राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त करना चाहते हैं उनके हाथों को मजबूत कीजिये। आज संविधान और आरक्षण को समाप्त करने की साजिश चल रही है, ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। शिक्षित बनिए, संगठित रहिए। उक्त बातें बिहार सरकार के भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने रविवार को जिला मुख्यालय स्थित रामबाग और जलालगढ़ प्रखंड के हांसी बेगमपुर महादलित टोला में आयोजित भीम संवाद को संबोधित करते हुए कही। मंत्री श्री चौधरी ने दलितों-महादलितों से 26 नवंबर को पटना में आयोजित भीम संसद में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि नीतीश कुमार दलितों-महादलितों के कितने बड़े हिमायती हैं वह इस बात से पता चलता है कि वर्ष 2005-06 में समाज कल्याण विभाग का कुल बजट 40.48 करोड़ का था जो वर्ष 2022-23 में 2215.30 करोड़ रुपए हो गए। कहा कि बाबा साहेब ने कहा था कि शिक्षित बनो, संगठित बनो, आत्मविश्वासी बनो। नीतीश जी बाबा साहेब के विचारों को मूर्त रूप देने के लिए अनेकों योजनाओं को संचालित करवा रहे हैं। कहा कि देश बचाने, आरक्षण बचाने और संविधान बचाने के लिए एकजुट होकर 26 नवंबर को पटना आएं। आप अपनी ताकत को पहचानिए, ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुचने का काम कीजिए। कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में एक बार फिर संतोष कुशवाहा को ताकत देने का काम कीजिये, जिले में विकास का सिलसिला जारी रहेगा। सांसद संतोष कुशवाहा ने कहा कि जो समाज कल तक हाशिए पर था सबके लिए नीतीश ने काम किया, जिस बदलाव को देखा जा सकता है। कहा कि आपने हमे जब 2014 में आशीर्वाद दिया तो जो विकास कार्य हुआ वह देखने की बात है। पूर्णिया में यूनिवर्सिटी, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, कृषि कॉलेज, पासपोर्ट कार्यालय, पटना के बाद पूर्णिया में सिक्स लेन सड़क, सड़क और पुल -पुलिया का जाल बिछा । इसी जलालगढ़ प्रखंड में कितनी पक्की सड़कें थी, आज कितनी है। केवल जलालगढ़ प्रखंड में 100 किमी सड़कों का निर्माण चल रहा है। पहले बिजली आती नही थी और आज बिजली जाती नही है। दबे -कुचले लोगों को सत्ता में हिस्सेदारी दिलाने का काम नीतीश ने ही किया। आज पूरे राज्य में अगड़े-पिछड़े सभी समुदाय को साथ लेकर समावेशी विकास का कार्य चल रहा है। आप हमें फिर से आशीर्वाद दें, विकास का यह सिलसिला जारी रहेगा। पूर्व विधायक सबा जबर ने नीतीश कुमार को विकास पुरुष बताते हुए कहा कि हमे एकजुट होकर नीतीश कुमार के हाथों को मजबूत बनाना है। जेडीयू नेता मनोज ऋषि ने कहा कि अपने हक-हकूक और संविधान को बचाने के लिए 26 नवंबर को पटना पहुंचकर कर अपनी चट्टानी एकता का परिचय दें। जेडीयू नेता रंजीत पासवान ने नीतीश कुमार की तुलना कांशीराम से करते हुए उन्हें दलितों-महादलितों का सच्चा हितैषी बताया। मंच संचालन मनोज ऋषि और अध्यक्षता जेडीयू जिलाध्यक्ष राकेश कुमार ने किया। इस मौके पर प्रदेश महासचिव शाहीन परवेज, प्रदेश महासचिव अविनाश सिंह, प्रखंड जेडीयू अध्यक्ष संतोष विश्वास, मो मंजूर अहमद, नवल किशोर विश्वास, उमेश पासवान, संजय राय, शंकर कुशवाहा, रंजीत पासवान, राजेश राय, मिथिलेश कुशवाहा, राजेश गोस्वामी, उपेंद्र सिंह, चंदन पटेल, प्रदीप मेहता, सुशांत कुशवाहा, आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री योगी प्रयागराज में अनुसूचित जाति महासम्मेलन को करेंगे संबोधित

प्रयागराज (हिंस)। प्रयागराज पहुंचे प्रदेश के समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण ने सर्किट हाउस में रविवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए अनुसूचित जाति महासम्मेलन की तैयारियों के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि सोमवार को होने वाले सोरांव के मेवालाल इण्टर कॉलेज में अनुसूचित जाति महासम्मेलन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संबोधित करेंगे। इसके साथ ही कई योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी करेंगे। 30 अक्तूबर को सोरांव में आयोजित अनुसूचित जाति महासम्मेलन की तैयारियों के सिलसिले में पहुंचे असीम अरुण ने कहा कि इसमें काशी प्रांत के 16 जिलों से लगभग दो लाख लोगों के आने की सम्भावना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के ऐसे वर्ग का सम्मान कर रही है जिन्हें सपा सरकार में मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपमानित किया था। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अंबेडकर आवास योजना का काम रोक दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदेश पर अंबेडकर आवास योजना का काम तेजी से हो रहा है। समाज कल्याण विभाग के विद्यालयों में रोक के बावजूद अध्यापकों की भर्ती के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह नियमित भर्ती नहीं है। अक्सर अध्यापक छुट्टी पर होते हैं। ऐसे में बच्चों की प ?ई जारी रखने के लिए निर्धारित अवधि के लिए उनकी सेवा ली जाएगी और उसी के अनुसार भुगतान किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी ने अपने कार्यकाल में बाबा साहब के सम्मान में एक भी कार्य किया हो तो वह बता दें। आज दिखाने के लिए वह कांशीराम और भीमराव अंबेडकर का चित्र लगा रहे हैं। यह प्रेम तब क्यों नहीं उमड़ा जब वह सत्ता में थे और उस समय दलितों के ऊपर अन्याय हो रहा था। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अपने कार्यकाल के दौरान दलितों के उत्थान के लिए एक भी कार्य नहीं किया। उन्होंने अंबेडकर का अपमान किया। कई जिलों के नाम बदल डाले। उन्होंने सिर्फ जनपदों, पार्कों और मेडिकल कॉलेजों का नाम बदलने का कार्य किया।

गिरिराज सिंह ने अधिकारियों के साथ किया खातोपुर का निरीक्षण, दिए निर्देश

बेगूसराय (हिंस)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को अधिकारियों की टीम के साथ बेगूसराय शहर के पूर्वी प्रवेश द्वार खातोपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने पिछले दिन क्षतिग्रस्त किए गए शिव मंदिर का जिर्णोद्धार एवं मंदिर के समीप पार्क विकसित करने के निर्देश दिए। पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि खातोपुर में शिवलिंग क्षतिग्रस्त हुए लंबा समय हो गया है। लेकिन प्रशासन ने आश्वासन देने के बाद भी इसे नहीं बनाया, जमीन का मापी भी नहीं हुआ। आज हमने देखा है, अधिकारियों को दिखाया है। डीएम के साथ मीटिंग कर, जैसे भी होगा मंदिर बनाया जाएगा। इस मंदिर के आसपास पार्क बनाकर जगह को सुंदर बनाया जाएगा। गिरिराज सिंह ने कहा कि बलिया की घटना को लोग गंगा-जमुना तहजीब कह रहे हैं। लेकिन मेरे समझ में नहीं आ रहा है कि ऐसा क्यों कहा जा रहा है। हिंदुओं ने कभी मोहर्रम और ईद में भेदभाव नहीं किया। सांप्रदायिक सद्भाव नहीं बिगड़ा, हमने कभी एक पत्थर नहीं बरसाया। लेकिन उन्होंने दुर्गा प्रतिमा पर पत्थर बरसा करके क्षतिग्रस्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन उल्टे हिंदुओं के साथ मारपीट कर रही है, केस-मुकदमा में फंसा रही है। इस तुगलकी सरकार ने हिंदुओं को प्रताड़ित करने का बीड़ा उठा लिया है। समय आएगा तो उसका भी जवाब दिया जाएगा। जब-जब हिंदुओं पर प्रहार होगा, हम उसका प्रतिकार करते रहेंगे। इसके लिए चाहे मेरा नाम ही केस में क्यों नहीं दे दिया जाए। बिहार सरकार गंभीर होती तो बदले की भावना से हिंदुओं को जेल नहीं भेजा जाता। मंदिर टूटा उस ओर शासन-प्रशासन का ध्यान नहीं है।

नारी शक्तिवंदन अधिनियम के लिए महिलाओं ने 27 वर्षों तक संघर्ष किया : केशरी देवी

प्रयागराज (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी महानगर शहर पश्चिमी विधानसभा द्वारा नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का भव्य आयोजन सुलेमसराय में किया गया। मुख्य अतिथि सांसद केसरी देवी पटेल ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए देश की महिलाओं ने 27 वर्षों तक संघर्ष किया। लेकिन पूर्व की कांग्रेस सरकार ने इसे लटकाए रखा। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आधी आबादी को 33 प्रतिशत का राजनैतिक अधिकार देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की महिलाओं का सम्मान बढ़ाया। भाजपा में पहले से ही प्रयागराज की दोनों संसदीय सीटों पर महिलाओं को ही सम्मान दिया गया। फूलपुर से मुझे और इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र से रीता बहुगुणा जोशी को सांसद बनाने का काम किया है। भाजपा प्रदेश मंत्री अनामिका चौधरी

ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में महिलाएं अपनी भूमिका निभा रही है और भारतीय जनता पार्टी उन्हें आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान कर रही है। इसके अलावा पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडेय और शशि वार्ष्णेय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासन में शहर पश्चिमी विधानसभा में आतंक का राज था और महिलाएं असुरक्षित थी। लेकिन आज मोदी और योगी के युग में आतंक और आतंकी कब्रिस्तान में दफन हो चुका है। देश की महिलाएं आज भय मुक्त होकर जीवन व्यतीत कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मोदी और योगी सरकार की ज्यादातर योजनाएं महिलाओं को लाभ पहुंचा रही है। महिला मोर्चा की अध्यक्ष शिखा रस्तोगी एवं कार्यक्रम की संयोजिका पार्षद दीपिका सिंह ने आए हुए अतिथियों का स्वागत एवं संचालन आभा मधुर श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर बालिकाओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई और उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर अंजलि गोस्वामी, शोभिता श्रीवास्तव, प्रेमलता श्रीवास्तव, पार्षद किरन जायसवाल, दीपमाला श्रीवास्तव सोनी लखमनी, सीमा श्रीवास्तव, सोनी गुप्ता, काजल, सरोज गुप्ता किरन सिंह, पार्षद प्रिया केसरवानी, प्रीति गुप्ता, कामिनी सिंह अपूर्व चंद्रा एवं हजारों की संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

पत्नी ने सरेआम पति को चप्पल से पीटा, घंटों चला हाई वोल्टेज ड्रामा

भागलपुर (हिंस)। जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र स्थित चुन्नी साह लेन में रविवार को पत्नी के द्वारा अपने पति को जमकर धुनाई कर दी। यह देख धीरे-धीरे लोग वहां इकट्ठा होने लगे। इसी भीड़ से किसी ने यह वीडियो बना लिया जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उधर इसकी सूचना मिलते ही मौके पर 112 की पुलिस टीम पहुंच गई। फिर पुलिस दोनों को अपने साथ लेकर नाथनगर थाना पहुंची। पुलिस ने बताया कि दोनों पति-पत्नी है। बरारी में रहते हैं। वहीं महिला ने बताया कि 2018 में उसने बरारी के रहने वाले कुणाल पासवान से प्रेम विवाह किया था। कुछ दिन तो सब कुछ ठीक रहा। लेकिन धीरे-धीरे हमारे वैवाहिक जीवन में कई उतार चढ़ाव होने लगे। महिला अपनी सहेली के घर नाथनगर मनसकामना नाथ मंदिर चौक के समीप गई हुई थी। वहां उसके पति ने विवाद करना शुरू कर दिया। फिर महिला ने जमकर अपने पति की चप्पल से धुनाई कर दी। नाथनगर थाना में पुलिस ने बॉण्ड भरवा कर उसके पति को छोड़ दिया है।

अयोध्या में भगवान श्रीराम की मूर्ति स्थापना में शामिल हो पूरा हिंदू समाज : आलोक

रामगढ़ (हिंस)। विश्व का हिंदू समाज अयोध्या में भगवान श्रीराम की मूर्ति स्थापना की बाट जोह रहा है। 22 जनवरी, 2024 वह दिन तय हो चुका है, जब मंदिर में श्रीराम की मूर्ति स्थापित होगी। इस कार्यक्रम में हिंदू समाज के लोग शामिल हों, इसके लिए विश्व हिंदू परिषद पूरे समाज का आह्वान कर रहा है। यह बातें रविवार को रामगढ़ पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कही। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को हिंदू समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास के मंदिरों में इकट्ठा हो और उस प्रतिमा स्थापना का दृश्य देखे। साथ ही वहां होने वाली सामूहिक आरती में भी शामिल हो। रामगढ़ दौरे पर पहुंचे विहिप नेता ने शहर के रेलवे स्टेशन के समीप विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यालय का उद्घाटन भी किया। इस दौरान स्वामी विवेक नाथ एवं स्वामी विराट नाथ भी वहां मौजूद थे। इस दौरान आलोक कुमार ने कहा कि झारखंड में सरकार हिंदुओं के प्रति सजग नहीं है। जब भी कोई वारदात होती है तो वोट को ध्यान में रखकर यह सरकार मुसलमानों के प्रति ममता दिखने लगती है। अब हिंदू समाज को वैसी सरकारों को चुनना चाहिए जो उनके समाज के

हित के बारे में सोचे। राजनीतिक दल कोई भी हो लेकिन जो हिंदुओं के बारे में सोचेगा, उसे ही हिंदू समाज को अपनाना चाहिए। आलोक कुमार ने 22 जनवरी को अयोध्या श्रीराम मंदिर का हो रहे प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में सभी हिंदू जनमानस को आमंत्रित करते हुए कहा कि उस दिन झारखंड सहित देश में दीपोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन झारखंड में कोई भी घर ऐसा न हो जिसमे दीपक न जले। समस्त हिंदू जनमानस को अपने-अपने क्षेत्र के मंदिरों में एकत्रित होकर कार्यक्रम के 24 घंटा पूर्व से धार्मिक अनुष्ठान करे एवं अयोध्या में हो रहे कार्यक्रमों का अपने-अपने मंदिरों में स्क्रीन या टीवी के माध्यम से अवलोकन करें। साथ ही अयोध्या में भगवान रामलीला का आरती जिस समय हो उस समय सभी जनमानस अपने-अपने मंदिर में ही खड़ा होकर आरती करें। आलोक कुमार ने कहा कि भगवान श्रीराम को अपने मकान के लिए 496 वर्षों का इंतजार करना पड़ा लेकिन जल्द ही मथुरा और काशी में भी भगवान अपने मूल मंदिर में विराजमान होंगे। हालांकि, अभी यह मामला कोर्ट में है लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही हिंदू संगठनों के पक्ष में फैसला आएगा। भगवान वाल्मीकि आश्रम के स्वामी विवेकनाथ ने कहा कि भगवान वाल्मीकि ने रामायण की रचना कर श्रीराम की नीति, मर्यादा एवं आदर्श को हमारे समाज में रखा। श्रीराम को घर-घर तक ले जाने में भगवान वाल्मीकि का विशेष योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज सदैव से समरस समाज रहा है। काल खंडों में जात-पात, ऊंच-नीच का भेदभाव देकर समाज को तोड़ने का प्रयास किया है। आज पुन: विश्व हिंदू परिषद समाज को समरस करने की दिशा में कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में प्रांत कार्याध्यक्ष तिलक राज मंगलम, प्रांत मंत्री बिरेंद्र साहू, प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार, प्रांत विधि प्रकोष्ठ प्रमुख राजेंद्र कृष्ण, प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख मिथलेश्वर मिश्रा, प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, जिलाध्यक्ष डॉ. आलोक रतन चौधरी, कार्याध्यक्ष अतुलेश सिंह, जिला मंत्री छोटू वर्मा, बजरंग दल जिला संयोजक भागीरथ पोद्दार, जिला कोषाध्यक्ष अभय वर्मा, जिला मिलन केंद्र प्रमुख महेंद्र ठाकुर सहित कई लोग मौजूद थे।

संपादकीय

निपटने निपटाने का खेल

अमेरिकी युद्धक विमान एफ-16 ने पूर्वी सीरिया में ईरान की रिवाल्यूशनरी गार्ड कोर यानि आईआरजीसी से जुड़े दो ठिकानों पर हमले करने के बाद पेंटागन ने स्पष्ट कर दिया कि ये हमले गत सप्ताह अमेरिकी सैन्य अड्डों और कर्मियों पर किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों के जवाब में किए गए हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड आस्टिन ने एक बयान में कहा कि इराक तथा सीरिया में ईरान समर्थित मिलीशिया समूहों द्वारा 17 अक्टूबर को अमेरिकी सैन्य कर्मियों के खिलाफ किए जा रहे हमलों के जवाब में आत्मरक्षा में ये सटीक हमले किए गए हैं। रक्षामंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति जो बिडेन ने यह स्पष्ट करने के लिए लक्षित हमले करने का निर्देश दिया था कि अमेरिका ऐसे हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा और अपनी, अपने कर्मियों तथा अपने हितों की रक्षा करेगा। लेकिन रक्षा मंत्री का यह कहना है कि यह हमला इजरायल और हमास के बीच हो रहे युद्ध से अलग है। यह सच है कि अमेरिका ने ईरान के रिवाल्यूशनरी गार्ड पर निशाना बहुत पहले लगाता आ रहा है, इसलिए उसका यह तर्क सही है किंतु वास्तविकता यह है कि अब इजरायल और हमास के बीच जंग ने जो खतरनाक रूप ले लिया है, उसमें ईरान और अमेरिका दोनों तटस्थ नहीं रह सकेंगे। सीरिया में ईरानी ठिकानों पर हमले के कुछ घंटों के बाद ही ईरान ने इराक स्थित अमेरिकी हवाई ठिकानों पर हमला कर दिया। ईरान द्वारा शुक्रवार को किए गए हमले का भी अमेरिका जवाब दिए बिना नहीं मानेगा। इजरायल पर इस बात को लेकर दबाव बढ़ रहा है कि वह हमास द्वारा बंधक बनाए गए अपने नागरिकों को छुड़ाए, इसके लिए उसे जो भी कार्रवाई करनी पड़े, करे। हमास चाहता है कि गाजा पर इजरायल हमले बंद करे तभी बंधकों को छोड़ा जा सकता है। किंतु सीरिया स्थित ईरानी मलेशिया पर अमेरिकी हमले और फिर इराक स्थित अमेरिकी हवाई डिफेंस बेस पर ईरानी हमले से इजरायल और हमास युद्ध प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेगा। इसका कारण है कि ईरान की आंतरिक राजनीति बहुत ही असामान्य स्थिति से गुजर रही है। वह इस बात को महसूस करता है कि अमेरिका इस वक्त दबाव में है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध में वह बहुत ज्यादा ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने की गलती नहीं कर रहा है। किंतु ईरान की समझ में यह नहीं आ रहा है कि इजरायल के पक्ष में अमेरिका यूं ही नहीं खड़ा है। इसका प्रमुख कारण है कि अमेरिका की राजनीति और व्यवसाय में यहूदी समुदाय का अत्यधिक प्रभाव है, इसीलिए वह इजरायल के साथ खड़ा भी दिखेगा और युद्ध में जो भी संभव होगा वह मदद भी करेगा। आपसी मन मुटाव के कारण ईरान हमास को और अमेरिका इजरायल को रणनीतिक मदद भी करेंगे और परिणामस्वरूप युद्ध लंबा खिंचता जाएगा। यह युद्ध रूस के लिए भी अच्छा है क्योंकि जब अमेरिका और पश्चिमी देश इजराइल के पक्ष में खड़े दिखेंगे तो यूक्रेन को ज्यादा मदद संभव नहीं हो सकेगी। यही रूस भी चाहता है। यही कारण है कि रूस भी चाहता है कि युद्ध चलता रहे। लगता है कि ईरान की सहायता में भले ही कोई देश प्रत्यक्ष रूप से आगे न आए किंतु पीछे से चीन जैसे देश उसे उकसाने में पीछे नहीं रहेंगे। बहरहाल अमेरिका ने भले ही अपने सैनिकों के लिए ही ईरानी ठिकानों पर हमला किया हो किंतु यह भी सच है कि यदि ईरान के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने का अवसर मिला तो वह आगे पीछे का सारा हिसाब बराबर करने के लिए अमेरिका उसका पूरा लाभ उठाना चाहेगा।

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड आस्टिन ने एक बयान में कहा कि इराक तथा सीरिया में ईरान समर्थित मिलीशिया समूहों द्वारा 17 अक्टूबर को अमेरिकी सैन्य कर्मियों के खिलाफ किए जा रहे हमलों के जवाब में आत्मरक्षा में ये सटीक हमले किए गए हैं। रक्षामंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति जो बिडेन ने यह स्पष्ट करने के लिए लक्षित हमले करने का निर्देश दिया था कि अमेरिका ऐसे हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा और अपनी, अपने कर्मियों तथा अपने हितों की रक्षा करेगा। लेकिन रक्षा मंत्री का यह कहना है कि यह हमला इजरायल और हमास के बीच हो रहे युद्ध से अलग है। यह सच है कि अमेरिका ने ईरान के रिवाल्यूशनरी गार्ड पर निशाना बहुत पहले लगाता आ रहा है, इसलिए उसका यह तर्क सही है किंतु वास्तविकता यह है कि अब इजरायल और हमास के बीच जंग ने जो खतरनाक रूप ले लिया है, उसमें ईरान और अमेरिका दोनों तटस्थ नहीं रह सकेंगे। सीरिया में ईरानी ठिकानों पर हमले के कुछ घंटों के बाद ही ईरान ने इराक स्थित अमेरिकी हवाई ठिकानों पर हमला कर दिया। ईरान द्वारा शुक्रवार को किए गए हमले का भी अमेरिका जवाब दिए बिना नहीं मानेगा। इजरायल पर इस बात को लेकर दबाव बढ़ रहा है कि हमास द्वारा बंधक बनाए गए अपने नागरिकों को छुड़ाए, इसके लिए उसे जो भी कार्रवाई करनी पड़े, करे। हमास चाहता है कि गाजा पर इजरायल हमले बंद करे तभी बंधकों को छोड़ा जा सकता है।

कुछ अलग

गाजा में इजरायली सेना की चुनौतियां

सेना की चुनौतियां इजरायली सेना ने बीते बुधवार गाजा पट्टी के उत्तरी हिस्सों में घुसकर कुछ जगहों पर निशाना लगाया। इजरायली सेना ने कहा है कि कई घंटों तक चले इस मिशन में उनका एक भी सैनिक घायल नहीं हुआ है। इजरायली सेना इस तरह के जमीनी हमले के लिए पिछले कई दिनों से तैयारियां कर रही थी। इस दिशा में पिछले कई दिनों से गाजा पट्टी से लगती इजरायली सीमा पर इजरायली सैनिक और सैन्य साजो-सामान इकट्ठा होता दिखा है। इजरायल के जमीनी हमले को लेकर लगातार आशंकाएं जताई जा रही थीं। हालांकि इसे एक बेहद जोखिमपूर्ण और अनिश्चितताओं से भरा अभियान बताया जा रहा था। बीबीसी अरबी सेवा के फेरास गिलानी ने मध्य पूर्व कई मुद्दों को कवर किया है। उन्होंने पिछले कई मौकों पर गाजा से रिपोर्ट की है। हमास ने सुरंगों का एक विशाल नेटवर्क बनाने के लिए गाजा पट्टी की जमीन को खोखला कर दिया है। हमास की ओर से खोदी गई सुरंगें सैकड़ों किलोमीटर तक फैली हुई हैं। इन सुरंगों के जरिए हमास गाजा की संकरी और घनी आबादी वाली सड़कों के नीचे से सामान ले जाते हैं। यह काम पकड़ में भी नहीं आता है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने 7 अक्टूबर के हमले के बाद हमास को कुचलने और खत्म करने की कसम खाई है। इस हमले में 1400 से अधिक इजरायली मारे गए हैं। हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक गाजा पर इजरायली सेना के हवाई हमलों में अब तक करीब सात हजार लोग मारे जा चुके हैं। बुधवार को ही इन हमलों में 500 लोगों की मौत हुई है। हमास के हथियार गाजा पर इजरायल के जमीनी हमले के बाद से ये सुरंगें हमास की युद्ध रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाएंगी। जमीनी हमले की आशंका के बाद से हमास भोजन, पानी और हथियार जमा कर रहा होगा। माना जाता है कि हमास की कईं सुरंगे इजरायल तक पैली हुईं हैं। हमास के लड़ाके इनके जरिए इजरायली सैनिकों पर घात लगाकर हमले कर सकते हैं। इजरायल का मानना है कि हमास को 30000 सैनिक स्वचालित राइफल, हैंड ग्रोनेड और एंटीटैंक मिसाइल चलाने में माहिर हैं। हमास को फिलस्तीनी इस्लामिक जिहाद और छोटे इस्लामिक गुटों जैसे अन्य समूहों का भी समर्थन हासिल है। मौसूल में इराकी सुरक्षा बलों और आईंएस के लड़ाकों के बीच लड़ाईं करीब 9 महीने चली थी। हाल के इतिहास ने हमें यह दिखाया है कि शहरी क्षेत्र में लड़ाईं कितनी खतरनाक हो सकती है। एक बड़ा खतरा है वो है निशाने बाजों का जो पूरे शहर की इमारतों और मलबे के बीच में घिरे रहते हैं और दुश्मन के सैनिकों को चुन-चुन कर निशाना बनाते हैं। इजरायली सेना के हमास के प्राशिक्षित निशानेबाजों से लड़ने का भारी जोखिम उठाने या उन्हें रोकने के लिए इमारतों को ऊपर से पूरी तरह समतल करने के विकल्प का सामना करना पड़ सकता है, अतीत में लोगों को ओर भी दूर भेजने के लिए सौदे किए गए हैं। साल 1982 में फिलस्तीन मुक्ति संगठन लेबनान की राजधानी बेरूत छोड़ने पर सहमत हुआ था। जहां उसे इजरायली सेना ने 3 महीने से घेरा हुआ था। वे अलग-अलग देशों में जाने पर सहमत हुए थे। इस तरह का समझौता गाजा के लड़ाको और नागरिकों की मौतों को कम करने का एक रास्ता हो सकता है लेकिन यह बेहद मुश्किल है कि यह राजनीतिक रूप से वैसे अमल में लाया जा सकता है।

केन्द्र सरकार की यह नीति जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा की जाने वाली आतंकी कार्रवाईयों से प्रभावित है

इजराइल-हमास लड़ाई पर भी तुष्टिकरण की राजनीति से बाज नहीं आ रहे कुछ राजनीतिक दल

योगेंद्र योगी

केंद्र की भाजपा सरकार ने पहले दिन से ही रुख साफ कर दिया कि किसी भी तरह की आतंकी कार्रवाई का भारत समर्थन नहीं करेगा। केन्द्र सरकार की यह नीति जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा की जाने वाली आतंकी कार्रवाईयों से प्रभावित है। आश्चर्य की बात यह है कि इस मामले में नये बने विपक्षी गठबंधन इंडिया में कांग्रेस को छोड़ कर ज्यादातर दलों ने कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की। ऐसे मुद्दों पर विपक्षी दल ज्यादातर बचाव या विरोध की नीति ही अपनाते रहे हैं। दरअसल कांग्रेस सहित गैर भाजपा दलों का निशाना भी अल्पसंख्यक वोट बैंक होता है। ऐसे में कोई भी दल सार्वजनिक तौर पर प्रतिक्रिया जाहिर करने से बचता है।

इजऱायल फिलिस्तीन युद्ध में हमास के क्रूर आतंकी घटना की आलोचना करने की बजाए इजरायल की निंदा करने से साबित हो गया है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल अल्पसंख्यकों के वोट के लिए किस तरह तुष्टिकरण की नीति पर चलते हैं। यही वजह है कि भाजपा विपक्षी दलों पर आक्रामक रुख अख्तियार करती रही है। दरअसल विपक्षी दल आतंकी हमास की निंदा करके देश के अल्पसंख्यक वोट बैंक को नाराज नहीं करना चाहते। इस नए युद्ध की शुरुआत आतंकी संगठन हमास ने की। इसमें सैंकड़ों निर्दोष लोग मारे गए और बड़ी संख्या में लोगों का अपहरण कर लिया। इसके विपरीत इस मुद्दे पर कांग्रेस ने तुष्टिकरण की नीति अपना कर भाजपा को फिर से एक नया मुद्दा थमा दिया। केंद्र की भाजपा सरकार ने पहले दिन से ही रुख साफ कर दिया कि किसी भी तरह की आतंकी कार्रवाई का भारत समर्थन नहीं करेगा। केन्द्र सरकार की यह नीति जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा की जाने वाली आतंकी कार्रवाईयों से प्रभावित है। आश्चर्य की बात यह है कि इस मामले में नये बने विपक्षी गठबंधन इंडिया में कांग्रेस को छोड़ कर ज्यादातर दलों ने कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की। ऐसे मुद्दों पर विपक्षी दल ज्यादातर बचाव या विरोध की नीति ही अपनाते रहे हैं। दरअसल कांग्रेस सहित गैर भाजपा दलों का निशाना भी अल्पसंख्यक वोट बैंक होता है। ऐसे में कोई भी दल सार्वजनिक तौर पर प्रतिक्रिया जाहिर करने से बचता है। इसमें हमास ने पहले हमला कर युद्ध को आमंत्रित किया, इसलिए विपक्षी दल स्पष्ट प्रतिक्रिया देने से कतरा रहे हैं। इसके विपरीत जम्मू-कश्मीर में धारा 370, तीन तलाक और अयोध्या में राम मंदिर जैसे मुद्दों पर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने भाजपा के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया जाहिर करने में देर नहीं लगाई। धारा 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर की शांति और तरक्की की हालत सर्वविदित हैं। पत्थरबाजी की घटनाएं लगभग शून्य हो गई हैं। इस साल पर्यटकों की रिकार्ड आमद दर्ज की गई है। जम्मू-कश्मीर से एक अग्निवीर का दस्ता तक सेना में शामिल हुआ है। जम्मू-कश्मीर में जी20 की बैठक हो चुकी है। इसी से स्पष्ट होता है कि गैरभाजपा दलों को किस तरह से अल्पसंख्यक वोट बैंक के तौर पर नजर आते हैं। इजऱायल-फिलिस्तीन युद्ध पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध को लेकर फिलिस्तीन के समर्थन में

एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें निराशा और पीड़ा व्यक्त की और फिलिस्तीनी लोगों के भूमि (और) स्वशासन, गरिमा और सम्मान के साथ जीने के अधिकार के प्रति अपने समर्थन को तवज्जों दी। हमास ने जिस तरह बच्चों और महिलाओं के कत्ल करके इंसानियत को शर्मसार किया, उस पर कांग्रेस ने एक शब्द भी नहीं कहा और ना ही अपहृत लोगों को रिहा किए जाने की अपील की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि उनकी पार्टी का हमेशा मानना रहा है कि इजरायलियों की राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को सुनिश्चित करते हुए फिलिस्तीन के लोगों की वैध आकांक्षाओं को बातचीत के माध्यम से पूरा किया जाना चाहिए। कांग्रेस के इस बयान पर भाजपा ने जोरदार हमला बोला। भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने एक पोस्ट में कांग्रेस के बयान को अत्यंत निंदनीय बताया। विजयवर्गीय ने कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर राष्ट्रनीति और राष्ट्रहित के खिलाफ फैसला लेते हुए प्रस्ताव पारित किया है। एक धर्म विशेष के लोगों को खुश करने के लिए कांग्रेस किस हद तक गिर सकती है? उन्होंने कहा, अब कांग्रेस आतंकवाद से भी समझौता करने को तैयार है। हम और हमारी पार्टी भी विपक्ष में रही हैं लेकिन कभी भी राष्ट्रहित के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया। कांग्रेस का हाथ आतंकवाद के साथ है। अपने प्रस्ताव में कांग्रेस ने कहा कि सीडब्ल्यूसी मध्य पूर्व में छिड़े युद्ध पर अपनी निराशा और पीड़ा व्यक्त करती है, जहां पिछले दो दिनों में एक हजार से अधिक लोग मारे गए हैं। भाजपा ने हमलावर रुख अख्तियार करते हुए कांग्रेस के शासन के दौरान हुई आतंकी वारदातों को गिना दिया। इसका एक वीडियो जारी करते हुए भाजपा ने कहा कि यूपीए के समय जून 2004 से मई 2014 तक भारत में 10, 262 आतंकी हमले हुए। जिसमें 7012 नागरिकों की जान गई। 2014 में देश में नरेंद्र मोदी सरकार सत्ता में आई। जिसके बाद 2016 में पीओके में सर्जिकल स्ट्राइक हुई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इजराइल और हमास से जुड़े युद्ध के बीच कांग्रेस के प्रस्ताव की तुलना पाकिस्तान और तालिबान से की और आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति के लिए देश के हित का बलिदान करना उसके डीएनए में है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के प्रस्ताव में पाकिस्तान और तालिबान के बयानों से काफी समानताएं हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस, पाकिस्तान और तालिबान हमास की निंदा नहीं करते। इजराइल पर आतंकवादी हमले की निंदा नहीं करते और बंधक महिलाओं और बच्चों के संबंध में चुप हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति के लिए देशहित की बलि चढ़ाना कांग्रेस के डीएनए में है। कांग्रेस बेशक फिलीस्तीन की दुहाई की आड़ में हमास की आतंकी कार्रवाई की निंदा से बेशक बच रही हो किन्तु खाड़ी के कुछ देशों ने इसकी भर्त्सना की है। संयुक्त अरब अमीरात ने हमास के हमले को गंभीर और तनाव बढ़ाने वाला बताया था। यूएई के विदेश मंत्रालय के बयान में कहा था कि वो इसराइली नागरिकों को उनके घरों से अगवा कर के बंदी बनाए जाने की ख़बरों से स्तब्ध है। बहरीन ने भी हमास के हमलों की आलोचना की है। बहरीन ने कहा था कि हमले ने तनाव को ख़तरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है, जिससे आम लोगों की जान जोखिम में पड़ गई है। इन दोनों देशों के ये बयान उनके पहले के रुख़ से अलग है, जब पूरा अरब वर्ल्ड इसराइल के खिलाफ एक सुर में बोलता था। ईरान खुलकर हमास का समर्थन कर रहा है और इसराइल पर सीधे उंगली उठा रहा है। ईरान के हितों का अपना समीकरण है और उसी के हिसाब से वह प्रतिक्रिया दे रहा है। क़तर ने इसराइल को इस तनाव का अकेला जिम्मेदार बताया है। मलेशिया, पाकिस्तान और अफग़ानिस्तान ने भी फ़िलस्तीनियों के प्रति समर्थन दिखाया है। खाड़ी देशों के इस तरह अलग-अलग बयानों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि विश्व में देशों के रिश्ते किस तरह बदल रहे हैं। इसके विपरीत कांग्रेस सहित भारत के विपक्षी दल अभी तक ऐसे मसलों को सिर्फ वोट बैंक से नजरिए से देखते रहे हैं। भारत के संबंध खाड़ी देशों से लगातार बेहतर हो रहे हैं। गौरतलब है कि हमास के हमले से पहले सऊदी अरब और दूसरे देश इसराइल से संबंध सुधारने के लिए समझौता करने वाले थे। इस हमले के बाद हालात बदल गए हैं।

इजरायल-हमास जंग : जिनके लिए इंसानियत से बड़ा है मजहब

हमास के दहशतगर्दो ने न सिर्प जीवित युवतियों, बल्कि उनके शवों से भी बलात्कार किया। इसके बाद उनके शवों की बेकदरी भी की। ये दहशश्तगर्द अपने साथ इस्लामिक दहशतगर्द संगठन 'आइ.एस.' के झण्डे भी लाए थे। यही नहीं, हमास के ये दहशतगर्द दो सौ के करीर्ब हर उम्र के लोगों का अपहरण करके भी ले गए, ताकि इन बन्धकों को लेकर सौदेबाजी कर इजरायल से अपनी हर तरह की माँगें मनवायी जा सवें। हमास के दहशतगर्दो के इस हमले और उनकी दरिन्दगी से इजरायल हतप्रभ होने के साथ-साथ बडी संख्या में अपने लोगों की हत्याओं से बेहद गुस्से में हैं, वही, उनकी दरिन्दगी और दानवी वृत्य की जहाँ दुनिया भर के लोग निन्दा और आलोचना कर रहे हैं, वहीं 'हमास के इन दहशतगर्दो के वुछ हम मजहबी मुल्क और लोग उनकी इस बेहद शर्मनाक, हैवानियत और वहिशयानी हरकत पर खुश्शी जाहिर करते हुए उसे जायज ठहरा रहे हैं। इसे वे फलीस्तीन की आजादी की जंग और इन लड़ाके बता रहे हैं।

गत 7 अक्टूबर को इजरायल पर गाजा पट्टी के फलस्तीनी इस्लामिक आतंकवादी संगठन हमास के दहशतगर्दो द्वारा सुबहसुबह यकायक सात हजार राकेटों की दागते हुए थल से सरहद पर लगी अभेद्या दीवार को राकेटों से भेद कर मोटर साइकिलों पर घातक हथियार लेकर जल से नौकाओं वायु मार्ग से पैराग्लाडर्स से 'सिमचत तोरा' त्योहार मना रहे थे और नृत्य समारोह में शामिल दुनियाभर से आए निहत्थे स्त्रियों, पुरुषों, छोटेछोटे बच्चों वृद्धों पर मजहबी नारे लगाते हुए अन्धाधुन्ध गोलियों बरसा कर बड़ी संख्या में उन्हें बर्बरता, निर्ममता, नृशंसता और वीभत्स ढंग से मार डाला। इनमें वुछ को चावुओं से गोद डाला या फिर उनके गले काटे, या फिर उन्हें जिन्दा जला दिया। हमास के दहशतगर्दो ने न सिर्प जीवित युवतियों, बल्कि उनके शवों से भी बलात्कार किया। इसके बाद उनके शवों की बेकदरी भी की। ये दहशश्तगर्द अपने साथ इस्लामिक दहशतगर्द संगठन 'आइ.एस.' के झण्डे भी लाए थे। यही नहीं, हमास के ये दहशतगर्द दो सौ के करीर्ब हर उम्र के लोगों का अपहरण करके भी ले गए, ताकि इन बन्धकों को लेकर सौदेबाजी कर इजरायल से अपनी हर तरह की माँगें मनवायी जा सवें। हमास के दहशतगर्दो के इस हमले और उनकी दरिन्दगी से इजरायल हतप्रभ होने के साथ-साथ बडी संख्या में अपने लोगों की हत्याओं से बेहद गुस्से में हैं, वही, उनकी दरिन्दगी और दानवी वृत्य की जहाँ दुनिया भर के लोग निन्दा और आलोचना कर रहे हैं, वहीं 'हमास के इन दहशतगर्दो के वुछ हम मजहबी मुल्क और लोग उनकी इस बेहद शर्मनाक, हैवानियत और वहिशयानी हरकत पर खुश्शी जाहिर करते हुए उसे जायज ठहरा रहे हैं। इसे वे फलीस्तीन की आजादी की जंग और इन लड़ाके बता रहे हैं। ये इस बात पर फा महसूस करते हैं कि हमास ने इजरायल जैसे ताकतवार मुल्क पर हमला करने का हौसला दिखाया है। इनमें से किसी ने भी बेकसूर लोगों की निन्दा तक नहीं की है अब भारत समेत दुनिया के 57 इस्लामिक मुल्कों में ही नहीं, वरन्-जहाँ कहीं कम या अधिक संख्या मुसलमान बसते हैं, वहाँ-वहाँ मुसलमान मजहबी नारे लगाते हुए फलस्तीनियों के समर्थन में उग्र प्रदश्र्शन करते हुए जुलूस निकाल रहे हैं, जबकि वुछ साल पहले जब अफगानिस्तान में इस्लामिक कट्टरपंथी दहशतगर्द संगठनं तालिबान द्वारा मुसलमानों पर हर तरह के जुल्म करते हुए उन्हें मौत के घाट उतारा जा रहा था। तब भारत और दुनियाभर के मुसलमान तमाशबीन बने हुए थे। इसकी असल वजह इस समुदाय का इस उसूल को मानना है कि अपने हम मजहबी ने मारा, तो कोईं बात नहीं, अगर गैर मजहबी ने मारा, तो उसकी खैर नहीं। इसीलिए ये लोग अपने मजहबियों फलस्तीनियों पर इजरायलियों के पलट वार को बर्दाशत नहीं कर पा रहे हैं और उससे हर हाल में जुल्मी/जालिम/ शैतान साबित करने में जुट हुए हैं और हमास के दरिन्दों को मुजाहिद और जंगजू। लेकिन ताजुब्ब की बात यह है कि ये इस्लामिक मुल्क हम मजहबियों को अपने मुल्क में पनाह देने को आगे नहीं आते। जो यूरोपीय इन्हें अपने यहाँ आसरा देते आए हैं। वहाँ मजहब के नाम पर ये उनके गले काटने में देर नहीं लगाते हैं। इस वजह से ये मुल्क अपनी गलती पर पछता रहे हैं। इधर ऐसे में भारत सरकार ने इजरायल पर हमास के आतंक वादियों के हमले की निन्दा की और इस मुश्किल घड़ी में उसके साथ खडे होने की बात कही है, लेकिन इसके माने यह कतईं नहीं कि वह फलीस्तीन की स्वतंत्रता के विरुद्ध है। भारत के केवल आतंकवाद के खिलाफ है। फिर भी देश के मुसलमानों के तमाम मजहबी और सियासी संगठनों के नेता और इस्लामिक लोग हमास की उत्त घृणित कारनामों को सही ठहरा रहे हैं। यहाँ तक कि वे अपनी सरकार की नीति की मुखालफत करते हुए आतंकवादी संगठन 'हमास' और फलस्तीन की खुलकर तरफदारी भी कर रहे हें, क्योंकि वे हमास के दहशतगर्दो को मुजाहिद मानते हैं, जो अपने मजहब और मुल्क के लिए लड़ रहे हैं। ये लोग फलस्तीनियों की मौत का मातम मना रहे हैं और जुम्मे की नमाज में उनकी कामयाबी के लिए दुआ माँगी। यह तब जब ये सभी जानते हैं कि हमास सुन्नी मुसलमानों का एक आतंकवादी संगठन है, जिसका एकमात्र मकसद दहशतगदा के जरिए यहूदियों और इजरायल का समूल नाश कर स्वतंत्र मुल्क फलस्तीन बनाना है। हमास दरअसल, 'शरकत अल-मुकावामा अल इस्लामिया' का संक्षिप्त रूप है। इसका 'गाजा पट्टी'पर कब्जा है, जबकि फलस्तीन प्राधिकरण का वेस्ट बैंक पर शासन है, जिससे वर्तमान में चैयरमेन महमूद अब्बास है। गाजा पर कब्जे के बाद से हमास समय-समय पर इजरायल पर हमले करता रहा है। अपने देश में जम्मू-कश्मीर से लेकर दक्षिण में केरल तक पामि गुजरात से लेकर पूवरेत्तर राज्यों तक अलीगढ़ में मुस्लिम यूनिर्वसिटी, दिल्ली की जामिया मिलिया इस्लामिया, जेएनयू, कोलकाता यूनिर्वसिटी आदि में मुसलमान छात्रों के मजहबी नारों और फलीस्तीनी, हमास, आईंएस झण्डों के साथ वामपंथी दलों से जुडे छात्र संगठन-आइसा, स्टूडेण्ट पेडरेशन आदि फलीस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर जुलूस निकाल रहे हैं, जो खुद को इन्सानियत, इन्साफ, जम्हूरियत का सबसे बड़ा पैरोकार बताते और साबित करते आए है।

देश दुनीया से

तेल के डग्गामार समुद्री जहाजों की दास्तान...और इमैनुअल नोबेल की उपलब्धियां

ईरान की मानवाधिकार योद्धा नरगिस मोहम्मदी इसी अक्तूबर दुनिया की आदर्श बन गईं। ईरान के अधिनायकवादी शासन के खिलाफ संघर्ष में 31 साल से जेल में बंद नरगिस को सम्मानित कर नोबेल शांति पुरस्कार ने खुद को गौरवान्वित किया। अलबत्ता चिकित्सा, साहित्य, अर्थशास्त्र आदि में शोध और रचना के नए क्षितिज गढ़ने वालों को नोबेल पुरस्कारों की सुर्खियों के बीच कारोबारियों की दुनिया अंधेरे समुद्रों से उठने वाली कुछ खबरों के ओर-छोर तलाश रही थी। यह खबरें ईरान से भी जुड़ी थीं और रूस व वेनेजुएला से भी। बीते बरस जी7 देशों ने रूस के तेल पर एक अनोखी पाबंदी लगाई कि उसका तेल 60 डॉलर प्रति बैरल से महंगा नहीं बेचा जा सकता। पाबंदी इसलिए लगी क्योंकि रूस महंगा तेल बेच कर कमाई कर रहा है और जंग थोपकर यूक्रेन को तबाह कर रहा है। यह शर्त लागू हुई शिपिंग और जहाजों का बीमा करने वाली कंपनियों के जरिये। जहाज वाले अब 60 डॉलर से महंगा रूसी तेल नहीं उठायेंगी। उस माल और यात्रा का बीमा भी नहीं होगा। जी7 देशों ने इस सितंबर में जब तेल बाजार की तस्वीर देखी तो बगलें झांकने लगे। रूस पर इस सख्ती का कोई असर नहीं हुआ। उसका तेल बदस्तूर टैंकर शिप के जरिये चीन और भारत पहुंच रहा था। रूस ही क्यों, ईरान और वेनेजुएला भी प्रतिबंधों के धुर्रे बिखेर कर पूरी दुनिया में तेल बेचने घूम रहे थे। इस साल मई मलेशिया के पास पाब्लो नाम का एक टैंकर शिप हादसे का शिकार हुआ था। गैबन में रजिस्टर्ड 27 साल पुराना यह जहाज अवैध रूप से ईरान का कच्चा तेल दुनिया में पहुंचाता था। अब यह रूस के लिए भी काम कर रहा था। यह ऑयल टैंकर्स का डार्क फ्लीट है...तेल के कारोबार की दुनिया को पहली बार इनकी ताकत का अहसास हुआ है। इन डग्गामार आयल टैंकर जहाजों ने प्रतिबंधों को समुद्र में डुबा दिया है। यह पुराने जहाज बगैर बीमा के तेल ले जाते हैं और अब निकोलस मादुररो, ब्लादीमिर पुतिन और अल खमैनी की ऑयल कूटनीति का हिस्सा हैं।

ईरान के अधिनायकवादी शासन के खिलाफ संघर्ष में 31 साल से जेल में बंद नरगिस को सम्मानित कर नोबेल शांति पुरस्कार ने खुद को गौरवान्वित किया। अलबत्ता चिकित्सा, साहित्य, अर्थशास्त्र आदि में शोध और रचना के नए क्षितिज गढ़ने वालों को नोबेल पुरस्कारों की सुर्खियों के बीच कारोबारियों की दुनिया अंधेरे समुद्रों से उठने वाली कुछ खबरों के ओर-छोर तलाश रही थी। यह खबरें ईरान से भी जुड़ी थीं और रूस व वेनेजुएला से भी। बीते बरस जी7 देशों ने रूस के तेल पर एक अनोखी पाबंदी लगाई कि उसका तेल 60 डॉलर प्रति बैरल से महंगा नहीं बेचा जा सकता। पाबंदी इसलिए लगी क्योंकि रूस महंगा तेल बेच कर कमाई कर रहा है और जंग थोपकर यूक्रेन को तबाह कर रहा है। यह शर्त लागू हुई शिपिंग और जहाजों का बीमा करने वाली कंपनियों के जरिये। जहाज वाले अब 60 डॉलर से महंगा रूसी तेल नहीं उठायेंगी।

मगर इस डग्गामारी का नोबेल से क्या रिश्ता है? तो आई बैठिये टाइम मशीन में।

हम आपको ले चलते है स्वीडन के ऐतिहासिक शहर ऊप्साला। स्टॉकहोम से करीब 64 किलोमीटर दूर। उत्तरी यूरोप के इतिहास की चर्चा ऊप्साला के बिना नामुमकिन है। यह शहर प्राचीन नॉर्स धर्म का काशी, काबा या वेटिकन है। थोर, ओडिन फ्रेयर जैसे महान नॉर्स देवताओं के मंदिर का केंद्र ऊप्साला नॉर्स दंतकथाओं का केंद्र है। यही शहर पेगन और क्रिश्चियन धर्म के रक्तरंजित संघर्ष का गवाह भी है। कहते हैं उस युद्ध में ऊप्साला के महान मंदिर को जला दिया गया था। नेटफ्लिक्स पर वाइकिंग इतिहास की गाथाओं के साथ ऊप्साला नई पीढ़ी को रोमांचित कर रहा है। 15 सदी में बनी ऊप्साला यूनिवर्सिटी उत्तरी यूरोप के ज्ञान का केंद्र थी। यूनिवर्सिटी की मशहूर शख्सियत थे ओल्ड रुडबेक। चिकित्सा विज्ञानी, अन्वेषक, इतिहासकार रुडबेक ने स्वीडन को कई पीढ़ियों तक प्रभावित किया। रुडबेक गायक भी थे। 1675 में सम्राट कार्ल्स 11वें के राज्याभिषेक का गीत उन्होंने ही लिखा और गाया भी। नोबेल पुरस्कार वाले अल्फ्रेड नोबेल इन्ही रुडबेक के परिवार से आते थे। अल्फ्रेड नोबेल पिता इमैनुअल नोबेल 19वीं सदी की विशिष्ट प्रतिभाओं में एक थे। वह वैज्ञानिक, प्लानर, और इंजीनियर थे। मार्च 1928 में 27 साल की उम्र में वह पेटेंट हासिल करने लगे थे मगर इमैनुअल कारोबार करना चाहते थे। कंस्ट्रक्शन का धंधा किया जो 1835 में डूब गया।

दृष्टिकोण

खिलंदड़े युवा से महान प्रबंधक तक...द ग्रेटेस्ट कैपिटलिस्ट हू एवर लिव्ड

आईबीएम की चमत्कारिक उपलब्धि ने डिजिटल दुनिया ही बदल कर रख दी थी। रेल्फ वॉटसन मैकइल्वेनी व मार्क वॉटमैन की नई किताब, द ग्रेटेस्ट कैपिटलिस्ट हू एवर लिव्ड इसके केंद्र रहे थॉमस जे वॉटसन जूनियर की दिलचस्प ज़िन्दिगी और आईबीएम के शानदार सफर का पठनीय खाका पेश करती है। वॉटसन जूनियर का योगदान दरअसल आधुनिक विश्व के निर्माण में रॉकफेलर, मॉर्गन आदि से कहीं ज्यादा ही था। तकनीकी रूपांतरण के दौर में जूनियर ने पीसी की शुरुआत कर आईबीएम और उसके कर्मचारियों को तो जोखिम में डाला ही था, अपने भाई से उनका विवाद इस कदर बढ़ा कि भाई की मृत्यु के बाद उनकी खुद की मृत्यु की भी आशंका बन गई थी। युवावस्था में थॉमस जे वॉटसन की नियति निरंतर विफल होने की थी। तीन अलग-अलग स्कूलों में पढ़ते हुए बेहद मुश्किल से उन्होंने हाई स्कूल डिप्लोमा किया। उनके पिता वॉटसन सीनियर का अपने बेटे के प्रति अजीब व्यवहार था। नतीजतन वॉटसन जूनियर विद्रोही और बिगड़ैल बन गए। यह किताब वॉटसन जूनियर के बारे में दोटूक बताती है कि वह अपने पिता की कंपनी में काम करना

कतई नहीं चाहते थे। इसके बावजूद जूनियर ने न सिर्फ अपने पिता की कंपनी संभाली, बल्कि अपने आज्ञाकारी छोटे भाई को पिता का साम्राज्य संभालने के लिए प्रेरित और तैयार भी किया। यह अजीब है कि अपने पिता के प्रति विकर्षण ने ही जूनियर को आईबीएम को बचाने के लिए प्रेरित किया। अमेरिका के द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल होने से ठीक पहले वायुसेना में शामिल होकर बी-24 विमान उड़ाकर उनमें आत्मविश्वास पैदा हुआ। किताब में जूनियर को महानतम पूंजीवादी बताया गया है, लेकिन उन्हें महानतम प्रबंधक कहना ज्यादा उचित होगा, क्योंकि वह अपने कर्मचारियों की प्रतिभा के साथ पूरा न्याय करते थे। पिता के साथ विवाद में अप्रत्याशित रूप से उन्हें जस्टिस डिपार्टमेंट के उस एंटी ट्रस्ट विभाग का साथ मिला, जिसका अमेरिकी की कॉरपोरेट दुनिया में खासकर उत्तराधिकार के मामले में हस्तक्षेप रहता आया है। आईबीएम के मालिकाना विवाद का इतिहास तो अपनी जगह है ही, टेक इंडस्ट्री में आईबीएम के लंबे वर्चस्व को भी नहीं भूलना चाहिए। मसलन, टेक इंडस्ट्री में आज कैजुअल ड्रेस की जो प्रवृत्ति है, वह वस्तुतः 1970 के दशक में एपल जैसी कंपनियों द्वारा आईबीएम के सख्त ड्रेस कोड की प्रतिक्रिया का नतीजा था, आईबीएम में डार्क सूट, सफेद शर्ट और पारंपरिक टाई का बेहद सख्ती से पालन किया जाता था। आईबीएम पर यह पहली किताब नहीं है, न ही वॉटसन पिता-पुत्रों के रिश्तों के बारे में यह पहली पुस्तक है। वर्ष 1990 में खुद जूनियर ने फादर, सन एंड कंपनी लिखी थी, जो बेस्ट सेलर थी। लेकिन आईबीएम पर लिखी गई यह संभवतः सबसे विशद और प्रामाणिक पुस्तक है।

डोनाल्ड ट्रंप को राहत, पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने राष्ट्रपति पद की दावेदारी छोड़ी

वाशिंगटन।
संयुक्त राज्य अमेरिका में इन दिनों आगमी राष्ट्रपति चुनाव के लिए जद्दोजहद जारी है। इस बीच अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए अपनी दावेदारी छोड़ दी है। उन्होंने व्हाइट हाउस के लिए अपना अभियान समाप्त कर दिया है।

पेंस के नाम वापसी के कारण पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत मिली है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, माइक पेंस लास वेगास में आयोजित यहूदी गठबंधन सभा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि बहुत विचार-विमर्श के बाद मैंने राष्ट्रपति पद के लिए अपना अभियान आज से निलंबित करने का फैसला किया है। मैं जानता हूं कि यह एक कठिन लड़ाई है लेकिन इस बात का मुझे कोई पछतावा नहीं है। बता दें, पेंस राष्ट्रपति पद की दौड़ से निकलने वाले पहले उम्मीदवार बन गए हैं।

विवेक रामास्वामी भी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

विवेक रामास्वामी एक करोड़पति बिजनेसमैन हैं और अमेरिका के राज्य आइओवा में वह अपनी उम्मीदवारी के प्रचार को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। रामास्वामी का कहना है कि वह विचार आधारित कैंपेन शुरू करने पर फोकस कर रहे हैं। बता दें कि विवेक रामास्वामी के पिता एक जनरल इलेक्ट्रिक इंजीनियर थे और भारत के केरल से अमेरिका में बस गए थे। रामास्वामी की मां एक मनोचिकित्सक थी। रामास्वामी की जन्म अमेरिका सिनसिनाटी में हुआ। हावर्ड और येले यूनिवर्सिटी से पढ़े विवेक रामास्वामी की संपत्ति 500 मिलियन डॉलर के करीब है। विवेक रामास्वामी एक बायोटेक कंपनी के मालिक हैं।

निक्की हेली भी कर चुकी हैं चुनाव लड़ने का एलान

रामास्वामी के अलावा, साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली भी अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में उतरने का एलान कर चुकी हैं। निक्की हेली भी रामास्वामी की तरह भारतीय मूल की ही अमेरिकी नागरिक हैं। हेली रिपब्लिकन पार्टी से अपनी दावेदारी पेश करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

गोलीबारी के बारे में पुलिस को एक माह पहले ही किया था आगाह', अमेरिकी सेना ने किया बड़ा खुलासा

वाशिंगटन। अमेरिका के अलग-अलग इलाकों में हुई गोलीबारी को लेकर अमेरिकी सेना ने बड़ा खुलासा किया है। अमेरिकी सेना का कहना है कि उन्होंने पिछले महीने ही धमकियों के बारे में मेन पुलिस को आगाह किया था। हमने बताया था कि राज्य के इतिहास का सबसे बड़ा नरसंहार होने वाला है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दो अमेरिकी कानून प्रवर्तन प्रमुखों ने बताया कि रॉबर्ड कार्ड की तलाश के लिए सिंतबर के मध्य में राज्य स्तरीय अलर्ट जारी किया गया था। जब कार्ड के हथियार प्रशिक्षक ने खतरे का अंदेशा जताया था। मेंस में गश्त बढ़ाई गई और उसके घर का भी दौरा किया गया। बावजूद इसके कार्ड का कोई सुराग नहीं मिला। सैको के पुलिस प्रमुख जैक क्लेमेंट्स ने बताया कि करीब दो सप्ताह तक अतिरिक्त गश्त की गई थी लेकिन कार्ड नहीं मिला। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने घटना पर दुख जताया है। बाइडन ने ट्वीट कर कानून प्रवर्तन अधिकारियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने चौबीस घंटे काम कर और संदिग्ध को ढूंढ निकाला इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं। लेविस्टन और आसपास के समुदाय अब सुरक्षित हैं। अमेरिका के मेन राज्य के लेविस्टन शहर में बुधवार देर रात सामूहिक गोलीबारी हुई थी, जिसमें 22 लोगों की मौत हो गई थी। हमले में 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद हमलावर फरार हो गया था। हालांकि, उसका शव जंगलों से बरामद कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कार्ड का शव लेविस्टन से करीब आठ मील दूर जंगल में मिला था। शव एक रीसाइक्लिंग सेंटर के पास पाया गया, जहां से उसे हाल ही में निकाल दिया गया था। पुलिस को शक है कि आरोपी ने इस घटना को अंजाम देने के बाद खुदको गोली मारी है। वहीं, घटना के दो दिन बाद अधिकारियों ने गोलीबारी की घटना में मारे गए लोगों की पहचान की, जिनमें 70 साल के दंपत्ति से लेकर 14 साल का एक बच्चा तक शामिल है।

अमेरिका पर भी होगा आतंकी हमला, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डी सैंटिस ने सीमा सुरक्षा को लेकर कही ये बात

फ्लोरिडा। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डी सैंटिस ने अवैध सीमा पार से जुड़े संभावित सुरक्षा जोखिमों पर बाइडन प्रशासन को सचेत किया है। उन्होंने इस ओर इशारा करते अमेरिका में गाजा शरणार्थियों के पुनर्वास का विरोध किया। फ्लोरिडा में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी। सिन सिटी ब्रेकफास्ट कार्यक्रम में बोलते हुए रॉन डी सैंटिस ने देश में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले व्यक्तियों से जुड़े आतंकवादी हमले की संभावना के बारे में चिंता जताई। उन्होंने कहा, इस देश में एक आतंकवादी हमला होने वाला है। आतंकवाद जैसी चीजें अभी भी बहुत वास्तविक हैं। यह तब और भी अधिक वास्तविक हो जाती हैं, जब आपकी एक खुली सीमा हो। क्या आपको नहीं लगता कि हमारे दुश्मन उस सीमा की खोज कर रहे हैं। डी सैंटिस ने इजराइल के लिए अपने अटूट समर्थन और संयुक्त राज्य अमेरिका में गाजा पट्टी से शरणार्थियों के पुनर्वास के विरोध पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आपके पास एओसी और वामपंथी जैसे लोग हैं, जो चाहते हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका गाजा पट्टी से सैकड़ों हजारों शरणार्थियों को लाए। फ्लोरिडा के गवर्नर डी सैंटिस ने व्यक्त किया कि उन्होंने गाजा में हमास को चुना। जब हमले हुए तो उनमें से बहुत से लोग सड़कों पर खुशी मना रहे थे। वे हमास के सदस्य नहीं थे, वे सिर्फ सामान्य लोग थे। 2001 में 9/11 की घटना याद है , जब ट्विन टावर गिराए गए तो फलस्तीनी अरब खुशी मना रहे थे। यह हमारा अब तक का सबसे भयानक आतंकवादी हमला था ।

पूर्वोत्तर भारत पर्व ने वियतनाम में खोले पर्यटन-निवेश के नए आयाम, विदेश राज्य मंत्री ने कही यह बात

हो ची मिन्ह। वियतनाम में नॉर्थ-ईस्ट इंडिया फेस्टिवल (पूर्वोत्तर भारत पर्व) का आयोजन हो रहा है। इस तीन दिनी उत्सव के दूसरे दिन वियतनाम के करीब 70 टूर ऑपरेटरों के साथ पर्यटन पर बैठकें, वियतनाम के करीब 100 उद्यमियों के साथ व्यापार-निवेश पर चर्चा और वियतनामी कुलपतियों के साथ वैचारिक आदान प्रदान हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह ने कहा, इससे पूर्वोत्तर भारत से वियतनाम व अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के लिए पर्यटन, निवेश व संपर्क के द्वार खुले हैं।

इजराइल के साथ तत्काल बंदियों की अदला-बदली के लिए हमास तैयार, आतंकी संगठन ने रखी यह शर्त

यरूशलम।
इजराइल और फलस्तीनी आतंकी संगठन हमास के बीच गाजा में संघर्ष जारी है। इजराइली सेना की भारी बमबारी और जमीनी कार्रवाई के हमास के कई ठिकाने पर तबाह हो गए हैं। इस बीच गाजा पट्टी में हमास के नेता याह्या सिनवार ने कहा है कि फलस्तीनी आतंकवादी समूह इजराइल के साथ तत्काल बंदियों की अदला-बदली के लिए तैयार है। सिनवार ने एक बयान में कहा कि हम तत्काल बंदियों की अदला-बदली के लिए सौदा करने को तैयार हैं। हमारी शर्त है कि इजराइल की जेलों में बंद सभी फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा, जिन्हें फलस्तीन की आजादी के समर्थन में प्रदर्शन के कारण बंदी बनाया गया है।

याह्या सिनवार सात अक्तूबर को इजराइल पर हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। वह इजराइल बलों की हिट लिस्ट में है। इससे पहले हमास की सशस्त्र शाखा ने कहा कि अगर इजराइल अपनी जेलों में बंद सभी फलस्तीनियों को रिहा करता है तो वह बंधकों को रिहा करने के लिए तैयार है। इजराइली सेना के अनुसार, गाजा पट्टी में हमास के आतंकवादियों ने लगभग 229 लोगों को बंधक बना रखा है। हमास ने दावा किया है कि युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल की बमबारी में लगभग 50 बंधकों की मौत हो गई है।

इस बीच, इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने शनिवार को कहा कि आईडीएफ ने गाजा में अपना अभियान तेज कर दिया है और जब तक उन्हें कोई नया आदेश नहीं मिलता तब तक लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि इजराइली सेना गाजा में आतंकवादियों के खिलाफ हर स्तर पर हमला कर रही है। बलों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

गाजा पर इजराइल की बमबारी अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ: रूस

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गाजा पर इजराइली सेना की बमबारी को अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया है। साथ ही संघर्ष से दशकों तक चलने वाली तबाही का खतरा होने की आशंका जताई। लावरोव ने कहा कि हम आतंकवाद की निंदा करते हैं, लेकिन हम इस बात से पूरी तरह असहमत हैं कि आप अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का उल्लंघन करके आतंकवाद का जवाब दें। जिसमें आम नागरिकों के खिलाफ अंधाधुंध बल का उपयोग करना शामिल है। लावरोव ने चेतावनी दी कि अगर गाजा को नष्ट कर दिया जाता है और 20 लाख निवासियों को निष्कासित कर दिया जाता है, जैसा कि इजराइली के नेताओं का कहना है, तो यह कई दशकों तक तबाही मचाएगा। उन्होंने कहा, गाजा में मानवीय कार्यक्रमों को जारी रखना जरूरी है।

गाजा में 7,700 से अधिक लोगों की गई जान

बता दें, इजराइली सेना सात अक्तूबर को हमास के आतंकी हमले के बाद से गाजा पट्टी पर लगातार बमबारी कर रही है। साथ ही गाजा में जमीनी हमला भी शुरू कर दिया है। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा पट्टी पर इस्त्राइल के हमलों में 7,700 से अधिक लोगों की जान गई है, जिनमें लगभग 3,500 बच्चे और 1,100 से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। वहीं, इजराइली सेना का कहना है कि मारे जाने वालों में आधे से अधिक हमास के आतंकी हैं। हमास के हमले में इजराइल में 1400 लोग मारे गए थे और आतंकियों ने 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था, जिनमें से अभी तक चार को छोड़ा है।

अमेरिकी प्रतिबंधों के डर से पाकिस्तान ने बदला गैस पाइपलाइन का ढांचा, रूस ने जताई नाराजगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अमेरिकी दबाव में पाकिस्तान स्ट्रीम गैस पाइपलाइन परियोजना के ढांचे में फिर बदलाव किया है। इसे लेकर रूस नाराज है। दरअसल पाकिस्तानी अधिकारी दीर्घकालिक तेल समझौते पर चर्चा के लिए 10 अक्तूबर को रूस गए थे, जहां गैस पाइपलाइन परियोजना पर भी चर्चा हुई। लेकिन रूस से लौटने पर कराची से लाहौर के बीच एलपीजी पाइपलाइन का ढांचा उसने बदल दिया। यह काम रूस को दिया गया है। पाक ने इस ढांचे में छठी बार बदलाव किया है इस पर रूस ने नाराजी जताई है।

विवेक रामास्वामी ने किया इजराइल का समर्थन

बोले- हमास के खिलाफ पूरी ताकत से हमला करें

वॉशिंगटन।
अमेरिका में रिपब्लिन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के दावेदार भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने इजराइल का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि इजराइल को हमास के खिलाफ पूरी ताकत का इस्तेमाल करना चाहिए। रिपब्लिकन यहूदी सम्मेलन में अपने संबोधन में रामास्वामी ने कहा कि इजराइल के पास आतंकी हमले का जवाब देने का पूरा अधिकार है। इजराइल के दुश्मन एक ही भाषा समझते हैं और वह है ताकत की भाषा और इजराइल को उसका इस्तेमाल करना ही चाहिए।

दो देशों की थ्योरी को छोड़ना देना चाहिए

इजराइल-फलस्तीन विवाद के लिए अक्सर दो देशों की थ्योरी दी जाती है। जिसके अनुसार, इजराइल के साथ ही फलस्तीन भी होना चाहिए, लेकिन विवेक रामास्वामी ने कहा कि इजराइल को इस थ्योरी को छोड़ देना चाहिए। रामास्वामी ने कहा कि अगर इजराइल चाहता है तो वह दो देशों के समाधान को छोड़ भी सकता है। दुनिया के बाकी अरब देश फलस्तीनियों को अपने यहां जगह दे सकते हैं जैसे यहूदियों ने 1948 के बाद दुनिया के 22 देशों से निकाले गए यहूदियों को अपने यहां जगह दी। इस सच्चाई को अरब दुनिया को कोई नहीं बता रहा है लेकिन मैं कहूंगा।

ट्रंप ने भी किया समर्थन

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस रिपब्लिकन यहूदी सम्मेलन में शामिल हुए। ट्रंप ने भी इजराइल का पूरा समर्थन किया और सैन्य कार्रवाई को सही ठहराया। ट्रंप ने फिर से राष्ट्रपति चुने जाने पर कुछ मुस्लिम देशों के लोगों के अमेरिका आने पर प्रतिबंध लगाने का भी वादा किया। साथ ही जो बाइडन पर कमजोर नेतृत्व करना का आरोप लगाया।

रामास्वामी ने कहा कि अगर इजराइल और मोसाद चाहते हैं तो वह हर हमास नेता को ढूंढकर निकाले और उनके खिलाफ कार्रवाई करें। बता दें कि हमास के आतंकियों ने बीती 7 अक्तूबर को इजराइल में घुसकर 1400 लोगों की हत्या कर दी थी। इसके बाद इजराइल की सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा पट्टी पर बमबारी की, जिसमें अभी तक 7700 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

रैली में हिंसा के बाद बांग्लादेश में बढ़ा तनाव विपक्षी पार्टी बीएनपी के शीर्ष नेता गिरफ्तार

ढाका।
बांग्लादेश पुलिस ने रविवार को मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) के एक वरिष्ठ नेता को गिरफ्तार किया है। दरअसल यह गिरफ्तारी बीएनपी की रैली में भड़की हिंसा के एक दिन बाद हुई है, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। बता दें कि बांग्लादेश में अगले साल जनवरी में आम चुनाव होने हैं। आम चुनाव से पहले रैली में हुई हिंसा से देश में तनाव का माहौल है।

बीएनपी महासचिव गिरफ्तार

खबर के अनुसार, बांग्लादेश पुलिस ने बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी आलमगीर के ढाका स्थित घर से हुई। बीएनपी ने ढाका में सरकार विरोधी रैली का आयोजन किया था। इस दौरान हिंसा भड़क गई, जिसमें एक पुलिसकर्मी और बीएनपी के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई। हिंसा में 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। घायलों में सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।

बांग्लादेश में चढ़ा राजनीतिक पारा

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपी ने राजधानी ढाका में एक रैली आयोजित की। इस रैली में बीएनपी ने मांग की कि देश में निष्पक्ष चुनाव के लिए शेख हसीना पीएम पद से इस्तीफा दें। बीएनपी की रैली के जवाब में पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने भी शांतिपूर्ण रैली का आयोजन किया। बीएनपी की रैली में हिंसा भड़क गई। बीएनपी का आरोप है कि पुलिस ने जबरदस्ती कर उनकी रैली को खत्म करने की कोशिश की।

हिंसा के बाद बांग्लादेश में तनाव का माहौल है और पुलिस बीएनपी नेतृत्व के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। कई नेताओं को गिरफ्तार किया गया है। वहीं अवामी लीग ने हिंसा के जवाब में देशभर में शांतिपूर्ण रैलियां निकालने का एलान किया है। ढाका में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़े पैमाने पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है।

चीन-फिलीपींस विवाद में अमेरिका की एंट्री, बाइडन बोले फिलिपिनो सरकार के साथ मिलकर ड्रैगन के खिलाफ लड़ेंगे

वाशिंगटन।
दक्षिण चीन सागर को लेकर चीन और फिलीपींस के बीच खींचतान लगातार जारी है। इस बीच अमेरिका ने फिलीपींस का समर्थन किया। अमेरिका के राष्ट्रपति का कहना है कि वह फिलीपींस की ओर से चीन के साथ युद्ध लड़ने के लिए तैयार है। बता दें, हाल ही में दोनों देशों के जहाजों की टक्कर हो गई थी, जिससे विवाद एक बार फिर बढ़ गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि फिलीपींस के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका का रक्षा समझौता दृढ़ है। फिलीपींस के जहाज, विमान या सेना पर हुआ कोई भी हमला हमारे रक्षा संधि के तहत आता है। रक्षा समझौते के अनुसार, अमेरिका और फिलीपींस संयुक्त रूप से सशस्त्र हमले के खिलाफ लड़ेंगे।

इस कारण से एक बार फिर बढ़ा विवाद - इसी सप्ताह की शुरुआत में रविवार को दो फिलीपीनी जहाज और चीनी विमान आपस में टकरा गए थे। इसके बाद, फिलीपीन सरकार की टास्क फोर्स ने एक बयान जारी किया था। बयान में कहा गया था कि रविवार सुबह हुई पहली घटना में चीन के तट रक्षक जहाज 5203 के खतरनाक युद्धाभ्यास के कारण फिलीपींस की सैन्य नाव से टक्कर हो गई थी। वहीं, दूसरी घटना में फिलीपीन तट रक्षक जहाज बाई ओर से चीनी मिलिशिया जहाज से टकरा गया था। जिस जगह पर जहाजों की टक्कर हुई वह घटनास्थल दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है।

चीनी विदेश मंत्री ने बाइडन से की थी मुलाकात - एक दिन पहले, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की थी। बाइडन प्रशासन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा था कि बाइडन और वांग ने व्हाइट हाउस के रूजवेल्ट कमरे में मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद, जो बाइडन ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन दोनों को रिश्ते मजबूत करने और खुली लाइनें बनाए रखने की जरूरत है। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन को वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एक साथ काम मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

ट्रंप ने फिर से मुस्लिमों के खिलाफ यात्रा प्रतिबंध लगाने का किया वादा, व्हाइट हाउस ने कही ये बात

वॉशिंगटन।
अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वादा किया है कि अगर वह फिर से राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो वह पिछले कार्यकाल की तरह फिर से कुछ मुस्लिम देशों के खिलाफ यात्रा प्रतिबंध लागू करेंगे। रिपब्लिकन-यहूदी सम्मेलन में बोलते हुए ट्रंप ने ये बात कही। ट्रंप ने हमास को पूरी तरह से कुचलने और इजराइल के समर्थन की भी बात कही।

ट्रंप ने मुस्लिमों के खिलाफ यात्रा प्रतिबंध लगाने की बात कही

सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा कि क्या आपको यात्रा प्रतिबंध याद है दोबारा राष्ट्रपति चुने जाने पर पहले दिन से फिर से वह यात्रा प्रतिबंध लागू कर दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि हम नहीं चाहते कि वो लोग हमारे देश में आएं, जो हमारे देश को तबाह करना चाहते हैं। उनकी सरकार ने लागू किए गए यात्रा प्रतिबंध से अच्छी सफलता मिली है। उन चार सालों के दौरान एक भी घटना नहीं हुई क्योंकि हमने बुरे लोगों को अपने देश से दूर रखा।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से फिर से राष्ट्रपति पद की रेस में हैं और फिलहाल रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से सबसे आगे चल रहे हैं। बता दें कि साल 2017 में ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान ईरान, लीबिया, सोमालिया, सीरिया, यमन, इराक और सूडान से लोगों के अमेरिका आने पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि बाद में इराक और सूडान से यह प्रतिबंध हटा लिए गए थे।

इजराइल का किया खुलकर समर्थन

ट्रंप ने अपने संबोधन में हमास के खिलाफ लड़ाई में इजराइल का खुलकर समर्थन किया और हमास को तबाह करने की बात कही। ट्रंप ने जो बाइडन पर ईरान का तुष्टीकरण करने का भी आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा कि हर इजराइली और अमेरिकी नागरिक की तरफ से हम हमास के बर्बर हमले के खिलाफ 100 प्रतिशत...110 प्रतिशत इजराइल के साथ हैं। ट्रंप ने जो बाइडन पर एक कमजोर राष्ट्रपति होने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी कमजोरी की वजह से उनका देश इस हालात में पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि वह शांति बहाल करेंगे और तीसरा विश्व युद्ध होने से रोकेंगे।

ट्रंप ने कहा कि आज दुनिया में तनाव का माहौल है। अगर मैं राष्ट्रपति होता तो इजराइल पर कभी भी हमला ना हुआ होता। हमने दुनिया के शीर्ष आतंकी और ईरान के कसाई सोलेमानी का सफाया किया। मैं एक बार फिर से ईरान पर प्रतिबंध लगाऊंगा और उनकी फंडिंग पर रोक लगाऊंगा। ट्रंप ने यरूशलम में अमेरिकी दूतावास खोलने के अपने फैसले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब वह सत्ता में आएंगे तो अमेरिका के दुश्मनों को अमेरिकी लोगों का खून बहाने से पहले सोचना पड़ेगा क्योंकि हम एक बूंद खून के बदले उनका एक गैलन खून बहा देंगे।

एपेक समिट में शामिल होने के लिए पीएम मोदी को आमंत्रण, बाइडन-जिनपिंग भी करेंगे शिरकत

वाशिंगटन। राष्ट्रपति जो बाइडन टिकाऊ, समावेशी क्षेत्रीय विकास के अगले चरण की रूपरेखा तैयार करने के लिए एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) समूह की अर्थव्यवस्थाओं के साथ साझेदारी की अमेरिकी प्रतिबद्धता दोहराएंगे। वह एपेक शिखर सम्मेलन (समिट) में सदस्य अर्थव्यवस्थाओं के 21 प्रतिनिधियों की मेजबानी के लिए सान फ्रांसिस्को की यात्रा करेंगे। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि बाइडन 14 नवंबर को सान फ्रांसिस्को के लिए रवाना होंगे। हालांकि, मोदी की यात्रा के बारे में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मुलाकात कर इस बात पर सहमति जताई है कि एपेक सम्मेलन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग भाग लेंगे।

व्हाइट हाउस ने की आलोचना

व्हाइट हाउस ने ट्रंप के यात्रा प्रतिबंध लागू करने के वादे की आलोचना की है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने कहा कि हमें इस नफरत के खिलाफ साथ आने की जरूरत है। व्हाइट हाउस ने ट्रंप पर इस्लामोफोबिया को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

पहला रियल वर्ल्ड गेम...

आज के दौर में वर्चुअल रियलिटी का क्रेज लोगो पर दिनों-दिन बढ़ता चला जा रहा है, नई जनरेशन हर एप्प को वर्चुअल रियलिटी में ही देखना चाहती है।

इसको देखते हुए एक नया गेम बनाया गया है जो रियल वर्ल्ड एक्सपीरियंस देता है। लैंड्स एंड गेम के को-डिजाइनर केन वोंग का कहना है कि जो लोग वर्चुअल रियलिटी को नहीं मानते उनको यकीन दिलवाने के लिए इसे बनाया गया है। इस गेम में कोई फिजिकल कंट्रोल्स नहीं दिए गए और आपको लुक पॉइंट्स पर फोकस कर इसे खेलना होगा। इस गेम को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता क्योंकि गेम के मूविंग ऑब्जेक्ट और कनेक्ट पैटर्न्स आपको हैरत में डाल देगें और आप सोचने पर मजबूर हो जाएगे कि ऐसा हो कैसे रहा है।

क्या है खास

इस गेम की मोन्यूमेंट वैली में कोई टेक्स्ट और वॉइस नहीं दी गई जिससे आपको गेम खलते समय इंटरेक्शन करने से ही स्टोरी का पता चलता है। यह गेम 360-डिग्री लैंडस्केप पर खेली जाती है जिससे रियल वर्ल्ड एक्सपीरियंस देखने को मिलता है। इस गेम में चट्टानों पर चलना, पहेलियां और हवा में उड़ना आदि शामिल है।

सब कुछ रियल

इस गेम की स्टोरी को इस तरीके से बनाया गया है कि सब कुछ रियल लाइफ एक्टिविटीज की तरह यूजर को देखने को मिलती है। इसे डेवेलप करने के बाद इसे पार्टीज और फ्रेंड्स को गेम एक्सपीरियंस करने के लिए भेज दिया गया है।

ज्यादा सेल्फी लेने से हो सकता है त्वचा को नुकसान

लोगों में आजकल सेल्फी लेने का चलन जोरों पर है। सेल्फी के लिए लोगों की दीवानगी देखते ही बनती है। सेल्फी लेने के चक्कर में अपनी जान गंवाने वालों के बारे में तो आपने बहुत सुना ही होगा लेकिन आज हम आपको सेल्फी से होने वाले ऐसे नुकसान के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे सुनकर आप सेल्फी लेने से घबराने लगेंगे। जीं हां दुनिया के कई मशहूर डर्मटोलॉजिस्ट ने इस बात की चेतावनी जारी की है कि ज्यादा सेल्फी लेना आपकी त्वचा को नुक्सान पहुंचा सकता है।

ज्यादा सेल्फी लेने के नुकसान

त्वचा विशेषज्ञों का मानना है कि चेहरे पर लगातार स्मार्टफोन की लाइट और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन का जोखिम त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर झुर्रियां भी बढ़ सकती है। ज्यादा सेल्फी लेने से आपकी त्वचा की उम्र तेजी से बढ़ने लगती है और आप समय से पहले बूढ़े लगने लगते हैं।

शोधकर्ताओं के अनुसार फ्लैश लाइट और स्क्रीन से चेहरे पर पड़ने वाली ब्लू लाइट त्वचा के लिए काफी नुकसानदायक है। इसी के साथ बताया कि ब्लॉगर्स और ज्यादा सेल्फी लेने वालों को अब जल्दी ही संभल जाना चाहिए।

त्वचा पर सेल्फी का असर

एक्सपर्ट्स के अनुसार इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियेशन आपकी त्वचा में मौजूद डीएनए पर बुरा असर डालता है। इस रेडियेशन के चलते शरीर की स्किन रिपेयरिंग की क्षमता पर भी काफी बुरा असर पड़ता है जिससे समय से पहले झुर्रियां दिखनी शुरू हो जाती हैं और माना जाता है कि किसी भी तरह की क्रीम या सनस्क्रीन इससे बचाव नहीं कर सकती। हालांकि एक अच्छा स्क्रब त्वचा के सेहत काफी अच्छी रख पाता है। त्वचा विशेषज्ञों का कहना हैं कि आप त्वचा को बाहर से हाइड्रेट नहीं कर सकते यानि उसकी पानी की जरूरत को बाहर से पूरा नहीं कर सकते। ये जरूरत अंदर से ही पूरी की जा सकती है।

जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो।

हृदय में प्रेम का अंकुर जरूरी...

प्रेम शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं। मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। प्रह्लाद का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है। इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाई गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाईं जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है। उत्तर सुनकर गोसाईं जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते। तुम किसी और गुरू को ढूंढ लो। भक्ति मार्ग में प्रेम ही प्रधान है। जो प्रेम संसार से होता है, दीक्षा शिक्षा से उसी को पलटकर भगवान में लगा दिया जाता है। जब तुम्हारे हृदय में कहीं प्रेम है ही नहीं तो भगवान के प्रेम से भला कैसे सराबोर हो सकते है।

धर्म क्या है?

कुछ लोग कहते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति का धर्म अलग है, जैसे राजा का धर्म है प्रजा का ध्यान रखना। सैनिक का धर्म है युद्ध लड़ना, व्यापारी का धर्म है व्यापार करना। जब हम धर्म की परिभाषा इस तरह से करते हैं तो सवाल उठता है कि क्या चोर का धर्म है चोरी करना? फिर तर्क दिया जा सकता है कि नहीं, जो नीति-नियम सम्मत आचरण है वही धर्म है। अर्थात नैतिकता का ध्यान रखा जाना जरूरी है, तो सिद्ध हुआ की नीति ही धर्म है? श्रेष्ठ आचरण ही धर्म है? यदि ऐसा है तो दांत साफ करना नैतिकता है, लेकिन दांत साफ करना हिंसा भी है, क्योंकि इससे हजारों किटाणुओं की मृत्यु हो जाती है। जो आपके लिए नैतिकता है वह हमारे लिए अनैतिकता हो सकती है। धर्म के लिए हजारों लोगों की हत्या भी कर दी जाए तो वह नीति है उसे आप धर्मयुद्ध कहते हैं। तब हम कैसे मान लें की नीति या नैतिकता ही धर्म है? या फिर आप नैतिकता के नाम पर जो-जो गलत है उसे अलग हटाइए। इस नजरिए से वैदिक ऋषियों का विचार सबसे ज्यादा उपयुक्त लगता है कि सृष्टि, धर्म और स्वयं के हित और विकास में किए जाने वाले सभी कर्म धर्म हैं।

धर्म का मर्म

रहस्य यह है कि सभी आध्यात्मिक पुरुषों ने अपने अपने तरीके से आत्मज्ञान प्राप्त करने और नैतिक रूप से जीने के मार्ग बताए थे। वेद, पुराणों, सभी धर्म ग्रंथों के अनुसार असल में धर्म का अर्थ सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्ति का मार्ग माना जाता है। लेकिन समाज के ठेकेदारों ने धर्म के अर्थ को अधर्म का अर्थ बनाकर रख दिया है। आप लाख कितना ही किसी को भी समझाओं की दुनिया के सारे संप्रदाय एक ही तरह की शिक्षा देते हैं। उनका का इतिहास भी सम्मलित है, लेकिन फिर भी वे दूसरे के संप्रदाय से नफरत ही रखेंगे। इसका सीधा सा कारण है प्रत्येक अधार्मिक व्यवस्थाओं को धर्म मान लिया गया है। धर्म को परिभाषित करना उतना ही कठिन है जितना ईश्वर को। हिन्दू धर्म में धर्म को एक जीवन को धारण करने, समझने और परिष्कृत करने की विधि बताया गया है। धर्म ग्रंथो, पुराणो में व्याप्त कथाओं का अनुसरण कर ही हम अपने धर्म को भलीभांति जान सकते हैं। बहु-प्रचलित कथाओं के अनुसरण के आधार पर देखते हैं कि वह कथा हमें क्या शिक्षा देती है।

धर्म का अर्थ सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्ति का मार्ग माना जाता है। देव, दानव, मनुष्य, पशु, पक्षी, इस सृष्टि में व्याप्त प्राणी मात्र में प्रेम का भाव ईश्वरीय देन है। इस आधार पर प्रेम ही सत्य है, प्रेम ही शाश्वत है। सच्चे प्रेम में एक दूजे से सत्य बोलना और सच्चाई और ईमानदारी से अपने साथी का साथ निभाने का गुण होता है। यही उनके प्रेम की सत्यता को प्रमाणित करने का प्रथम आधार होता है। प्रेम तो बस प्रेम मांगता जिससे भी हम प्रेम करते है उसकी खुशी, उसका साथ चाहता है। प्रेम मे तो वह दिव्य शक्ति है, जो हिंसक को भी अहिंसक बना दे। प्रेम हिंसा का नहीं, अपितु अहिंसा का मार्ग है। प्रेम निश्चित रूप से सिर्फ और सिर्फ आपस में एक दूजे से प्रेम करने वाले, जीवन भर के लिए एक दूजे का साथ पाने की सुखद अनुभूतियों व सपनों को जीने की इच्छा रखने वाले दो प्रेमियों के जीवन को प्रभावित करता है। विरह की वेदना प्रेमियो को तोड़कर रख देती है। वही अपने प्रेम को पाने की खुशी उसे ऊर्जा व विश्वास से भर देती है। अपने प्रेम को पाना, अपने प्रेमी का साथ पाना किसी भी तरह से किसी के साथ अन्याय नहीं है। हम जिससे प्रेम करते है उसका साथ पाने के लिये किया गया हर कर्म अपने साथी के साथ न्याय है। इस आधार पर प्रेम न्याय है। अर्थात निश्चित रूप से दो प्रेम करने वालो को अलग करना अन्याय है।

मुक्ति का मार्ग

प्रेम तो प्रेम है

प्रेम तो प्रेम ही है। बिना किसी दुर्भावना के निश्छलता के साथ अपने साथी की खुशी व साथ निभाने के लिये किया गया प्रेम ही वास्तविक प्रेम है। धर्म ग्रंथो में प्राणी मात्र के प्रति प्रेम व करुणा का भाव रखने की बात कही गई है। निश्चित रूप से आपका प्रेम भी इस सृष्टि का ही हिस्सा है। कुछ लोग कहेंगे कि यह तो ईश्वर के प्रति प्रेम के बारे में होगा। प्रेम तो प्रेम ही होता है। प्रेम तो हृदय से उत्पन्न भाव है। हृदय के भाव तो किसी के भी प्रति हो सकता है। ईश्वरीय प्रेम और मानवीय प्रेम में भेद नही किया जा सकता है। फिर प्राणीमात्र के प्रति समानता का भाव रखना भी तो धर्म ही है। सबसे महत्वपूर्ण तो बात यह है कि धर्मग्रंथों में व्याप्त कथाओं में कही भी केवल ईश्वर के प्रति प्रेम की बात नहीं कही गई। कथाओं में सती का शिव के प्रति हो या पार्वती का शिव के प्रति या फिर राधा का कृष्ण के प्रति या रुक्मिणी का गोविन्द के प्रति हर जगह प्रेम एक प्रेमिका का उसके प्रेमी के प्रति ही दर्शाया गया न कि भगवान के रूप में या भगवान के प्रति दर्शाया गया।

प्रेम सर्वोपरि

धर्म का व्यक्तिगत स्वतंत्रता वाला पहलु प्राणिमात्र को अपनी स्वेच्छा से जीवन जीने व अपना जीवनसाथी चुनने व प्रेम करने का अधिकार देता है। सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ प्रेम पूर्वक अपनों - परायों में भेद भाव न कर समानता से न्याय की बात करना। प्राणिमात्र के प्रति दया व करुणा का भाव रखते हुए। ईमानदारी के साथ हंसी खुशी अंतिम सांस तक जिंदादिली के साथ जीवन जीने पर ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

धर्म ग्रंथो में प्रेम का स्थान सर्वोपरि बताये जाने को जितना जाना, समझा गया है उस आधार पर तो यही कारण नजर आता है। धर्म के हर पहलु को लिए हुए होने के कारण ही शिव-शक्ति, राधा-कृष्ण, श्याम-रुक्मणि, अनेक महापुरुषों और ऋषि मुनियों ने प्रेम का गुणगान किया ।

संत कबीर का दोहा भी प्रेम की इसी विशालता व सर्वोपरिता को दर्शाता है ।

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय,
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।

यानी बड़ी बड़ी पुस्तकें पढ़ कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुंच गए, पर सभी विद्वान न हो सके। कबीर मानते हैं कि यदि कोई प्रेम या प्यार के केवल ढाई अक्षर ही अच्छी तरह पढ़ ले, अर्थात प्यार का वास्तविक रूप पहचान ले तो वही सच्चा ज्ञानी होगा।

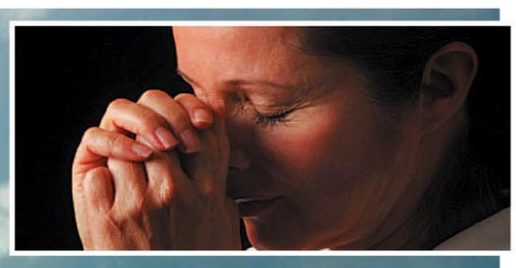

जहां ज्ञान हारा और भक्ति जीती...

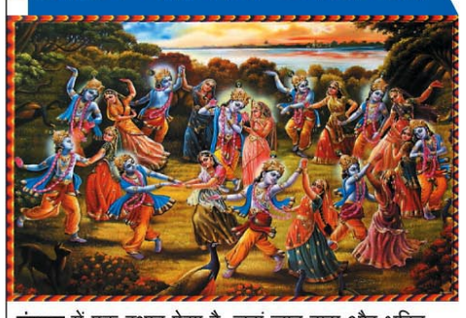

वृंदावन में एक स्थान ऐसा है, जहां ज्ञान हारा और भक्ति जीती। इस प्रसंग ने लोक मानस में यह बैठाया कि ज्ञानार्जन से अधिक ज्ञानानुभव महत्वपूर्ण होता है। बुद्धि से ज्यादा भावनाएं प्रमुख होती हैं। मस्तिष्क से अधिक दिल की बात सुननी चाहिए। इस स्थान को ज्ञान गूदड़ी कहते हैं। लोक में यह प्रसंग उद्धव-गोपी संवाद के रूप में जाना जाता है। भक्तिकालीन कवियों ने इस प्रसंग से यह स्थापित किया कि भगवान को पाने का सबसे सहज और सरल मार्ग भक्ति का है। शास्त्रों-पुराणों में यह प्रसंग नाम मात्र है। महाकवि सूरदास ने इस प्रसंग को विस्तार दिया। बात उस समय की है जब- कृष्ण गुरु संदीपन के यहां ज्ञानार्जन के लिए गये थे तब उन्हें ब्रज की याद सताती थी। वहां उनका एक ही मित्र था उद्धव, वह सदैव ज्ञान-नीति की, निर्गुण ब्रह्म और योग की बातें करता था। श्रीकृष्ण का उद्धव से परिचय मथुरा में हुआ। उद्धव हर संदर्भ में नीतियों का सहारा लेते। परिणामस्वरूप उनसे बात करने वाला निरुत्तर रह जाता। उनके गहन अध्ययन और विद से प्रभावित लोग उन्हें देवताओं के गुरु बृहस्पति का शिष्य मानते। पहले परिचय में ही उद्धव ने अपनी ज्ञानपूर्ण बातों से श्रीकृष्ण को प्रभावित किया। श्रीकृष्ण को यह अनुभूति थी कि उद्धव को ज्ञान का गर्व है। शंका निवारण के लिए श्रीकृष्ण ने युक्ति निकाली। एक दिन उन्होंने उद्धव से बात करते हुए कहा कि मैं मानता हूं कि ज्ञान का मार्ग सर्वोत्तम है। ज्ञान से व्यक्ति के मोहपाश खुल जाते हैं। माया के बंधनों से उसे मुक्ति मिल जाती है। इस तरह मोह-माया उसे दुःख नहीं पहुंचाते। उद्धव को अपनी बात गंभीरता से सुनते देख गंभीर लंबी सांस लेकर श्रीकृष्ण ने कहा- उद्धव जी, क्या यह संभव है कि आप ब्रज जाकर गोपियों को समझाएं। उन्हें बताएं कि दुनिया का सार ज्ञान है, प्रेम नहीं। ज्ञान से प्राप्ति होती है, भावनाओं से नहीं। ज्ञान से शांति मिलती है, जबकि प्रेम अशांत करता है। ज्ञान दुखों से ऊपर उठाता है और प्रेम दुखों में डुबोता है। ज्ञान समस्याओं का अंत है और प्रेम दुखों का आरंभ। श्रीकृष्ण की बात सुनकर उद्धव के भीतर ज्ञानजन्य गर्व हिलोरें लेने लगा। उन्होंने ब्रज जाकर गोपियों को समझाने की बात मान ली। उन्होंने श्रीकृष्ण को आश्वासन दिया कि वे गोपियों को समझाकर कुछ दिन में ही लौट आएंगे। श्रीकृष्ण का संदेश लेकर उद्धव वृंदावन पहुंचे। उद्धव के आगमन का समाचार पूरे ब्रज में फैल गया। नंद बाबा के घर कुछ समय बिताने के बाद उद्धव गोपियों से मिलने पहुंचे। उद्धव ने देखा गोपियां बेहाल हैं। उद्धव को यह सब विचित्र लगा। गोपियों की दशा पर वे मन ही मन मुस्कुरा उठे। ज्ञान गर्व पीड़ित हो उन्होंने आंखें मूंद लीं। आगे बढ़ने पर उन्हें सखियां से घिरी राधा दिखीं। अपूर्व सौंदर्य, सौंदर्य से अभिभूत उद्धव ने अपने को कृष्ण सखा बताकर राधा को प्रणाम किया। उद्धव ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि मैं आपके लिए उनका संदेश लाया हूं। वह सोच रहे थे कि श्रीकृष्ण का संदेश सुनते ही गोपियां, मां यशोदा और नंदबाबा की तरह आनंद से भर उठेंगी। लेकिन राधा तो लगता है मद में हैं। उन्हें किसी की चिंता ही नहीं। उद्धव के अभिमान ने करवट ली। उनके मन ने कहा-अपने ज्ञान से वे कितने मूर्खों का जीवन बदल चुके हैं। फिर ये गोपियां क्या हैं? आखिर हैं तो स्त्रियां ही। प्रेम ने इनका मस्तिष्क दूषित कर दिया है। इनसे हार मानकर लौटना उचित नहीं। उद्धव ने एक बार फिर बात शुरू करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आपको श्रीकृष्ण के पास मथुरा कोई संदेश भेजना हो तो बताइए। इस पर राधा बोल पड़ीं- उद्धव जी हमारे हृदय प्रेम से भरे हैं। इसलिए हमें किसी संदेश या संदेशवाहक की आवश्यकता नहीं। प्रेम संदेश तो हृदय सुन लेता है। हम तो नित्य अपने मनमोहन को अपना संदेश सुनाती और उनका सुनती हैं। श्रीकृष्ण के प्रेम में गोपियां इस तरह डूबी हैं कि इन्हें संसार का ज्ञान ही नहीं रह गया। सांसारिक आचरण से यह ऊपर हो गई हैं। गोपियों के प्रेम के प्रति उद्धव के मन में आदरभाव पनप उठा। ज्ञान से बंजर हुए मस्तिष्क में प्रेम का अंकुर फूट पड़ा। ज्ञान की गूदड़ी में उन्हें प्रेम का हीरा मिल गया। उद्धव शांत हो गए। उन्हें लगा कि उन्होंने ज्ञानार्जन तो बहुत किया, लेकिन ज्ञानानुभव आज ही हुआ। उनका मन श्रद्धा से भर उठा। मस्तक वृंदावन की प्रेम भूमि पर नत हो गया।

नैतिकता से दूर दानव की राह...

नैतिक शिक्षा ही मानव को 'मानव' बनाती है क्योंकि नैतिक गुणों के बल पर ही मनुष्य वंदनीय बनता है। सारी दुनिया में नैतिकता अर्थात सच्चरित्रता के बल पर ही धन-दौलत, सुख और वैभव की नींव खड़ी है। प्रसंग बताता है कि 'इन्द्र ने ब्राह्मण का रूप धारण करके प्रह्लाद के पास जाकर पूछा- ''आपको तीन लोकों का राज्य कैसे मिला ?'' प्रह्लाद ने इसका कारण नैतिकता यानी शील को बताया। इन्द्र ने प्रह्लाद से वरदान में नैतिकता यानी शील को मांग लिया। शील के जाते ही धर्म, सत्य, सदाचार, बल, लक्ष्मी सभी चले गये।''भारत की नैतिकता इतनी ऊंची थी कि सारा संसार अपने चरित्र के अनुसार शिक्षा प्राप्त करे। ऐसी घोषणा यहां की जाती थी। नैतिकता के अंग हैं -सच बोलना, चोरी न करना, अहिंसा, दूसरों के प्रति उदारता, शिष्टता, विनम्रता, सुशीलता आदि। परन्तु आज ये शिक्षा ना तो बालक के माता-पिता, जिन्हें बालक की प्रथम पाठशाला कहा जाता है, ना ही विद्यालय दे पा रहा है। नैतिक शिक्षा के अभाव के कारण ही आज जगत में अनुशासनहीनता का बोल-बाला है। आज का छात्र कहां जानता है, बड़ों का आदर-सत्कार, छोटों से शिष्टता-प्यार, स्त्री जाति की सुरक्षा-सम्मान सत्कार। रही-सही कसर पूरी कर देता है हमारा फिल्मजगत और टेलिविजन प्रसारण। जो अश्लीलता की हर हदें पार कर चुका है और उसका मूल्य चुकाना पड़ता है समाज को, क्योंकि मनुष्य का स्वभाव है अनुकरण करना। वह अनुकरण से ही सीखता है।

सही सोच जरूरी

समाज में एक ज्वाला जली है हवस की। चारों तरफ, जहां पढ़ो, सुनो व देखने को मिलता है देश में महिलाओं के खिलाफ असामाजिक घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। दूसरी ओर यदि हम देखें तो साहित्य व सिनेमा जगत समाज का दर्पण होते हैं। जहां एक ओर वे गलत दिखाकर समाज को गलत राह पर ले जा रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर सही सोच, सही प्रदर्शन दिशा भ्रमित होने से बचा सकता है। इतिहास बताता है कि 'राजा जयसिंह अपनी नव विवाहिता के प्रेम प्यार में आबद्ध होकर राजकाज भूल गये थे। बिहारी कवि की एक श्रृंगारिक अन्योक्ति ने राजा को सचेत कर कर कर्तव्य पथ पर अग्रसर कर दिया- नहिं परागु नहिं मधुर मधु नहिं विकास इहिकाल। अलि कली ही सों बिंध्यौ, आगे कौन हवाल ।। इस दोहे ने राजा जयसिंह की आंखें खोल दी थी। यहां पूरे ही समाज का दायित्व हो जाता है कि हम अपने नैतिक मूल्यों का पुर्नस्थापन करें।

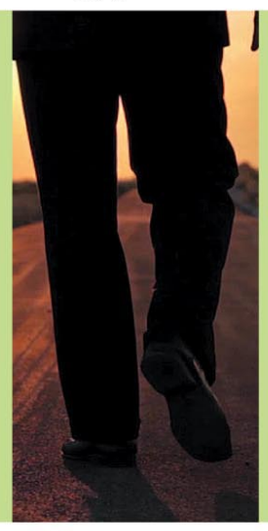

मार्ग को भूल गए

स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि भारत ही वह देश है जो जीवन के नैतिक मूल्यों के साथ अब तक पर्वत से भी अधिक दृढ़ भाव से खड़ा है। अफसोस! आज हम अपने पूर्वजों के दिखाए, बताये मार्ग को भूल गए हैं। पाश्चात्य सभ्यता, संस्कृति को अपनाते-अपनाते, ना तो हम खुद को ही पहचान पा रहे हैं, ना ही पाश्चात्य को। कुछ हम आजादी मिलने का अर्थ कुछ और ही ले रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर वहां की महिलाओं की स्थिति है। नारी राष्ट्रीय व सामाजिक जीवनामृत का केन्द्र है। जो राष्ट्र समाज में स्त्रियों का आदर नहीं करना चाहते व कभी महान बन ही नहीं पाएंगे। देश के वर्तमान पतन का मुख्य कारण यही है कि हमने शक्ति की इन सजीव प्रतिमाओं के प्रति आदरभाव नहीं रखा। स्त्रियों के प्रति घृणित दृष्टि निन्दनीय है। माँ के रूप में, बहन-बेटी के रूप में महिलाओं को सुरक्षा, सुविधा, स्नेह व दुलार देना समाज का कर्तव्य है। नैतिकता और सदाचार ही राष्ट्रीय जीवन का आधार है।

सही मार्गदर्शन मिलें

आज समाज में इन्हीं नैतिक मूल्यों की स्थापना की सबसे अधिक जरूरत है। प्रत्येक बच्चे को सही मार्गदर्शन मिले, यह उचित शिक्षा ही कर सकती है। नैतिकता का पाठ पढ़ाया नहीं जा सकता, वरन् उसे चरित्र में उतारना है। गीता को कंठ से गाना ही नहीं होता वरन् उसका अक्स अपने हृदय में बसाना होगा तभी यह देश स्त्रियों, मासूम बच्चियों का आदर, सुरक्षा का दर्जा दे पायेगा। वरना मानव दानव का रूप धर चुका है तथा उसका रूकना कठिन ही नहीं नामुमकिन हो जाएगा।

जॉब छोड़ने के पहले क्या करें...?

क्या आप अपनी मौजूदा कंपनी छोड़ कर किसी अन्य कंपनी में नौकरी करने की तैयारी कर रहे हैं? अगर ऐसा है, तो जॉब छोड़ने की प्रक्रिया के दौरान कुछ खास बातों का ख्याल रखना चाहिए, ताकि कोई समस्या पैदा न हो। अगर आप कंपनी छोड़ रहे हैं, तो नोटिस या इस्तीफा देने से पहले बोनस आदि के नुकसान के बारे में जानकारी जुटा लें। अगर पेपरवर्क सही नहीं होगा, तो वित्तीय नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। आपको कंपनी की अपेक्षाओं को समझने का प्रयास भी करना चाहिए।

बात पर कायम रहें: आपने अपनी पुरानी कंपनी से जो वायदा किया है, उसे निभाएं। आपकी पहचान आपके कमिटमेंट्स से होनी चाहिए। अगर आप किसी कंपनी को बीच में ही छोड़ते हैं, तो इससे कंपनी की योजनाओं पर नेगेटिव असर पड़ता है। सो, अपना प्रोजेक्ट पूरा करके ही कंपनी छोड़ें।

प्रोटोकॉल फॉलो करें: आपको कंपनी छोड़ने के बारे में एचआर या बॉस को सबसे पहले बताना चाहिए। ऐसा न हो कि दोस्तों और कलीग्स को इसके बारे में पहले पता लगे और बॉस को बाद में। अगर कंपनी के प्रति गुस्से को सबके सामने जाहिर करेंगे, तो गैर-पेशेवर माना जाएगा।

रेफरेंस तैयार करके जाएं: आपको आईटी, एचआर और बॉस को रेफरेंस, प्रूफ ऑफ सर्विस, सैलेरी सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट आदि के लिए तैयारी करनी चाहिए। कई बार नई कंपनी लिखित में रेफरेंस मांगती है या मौजूदा बॉस से बात करवाने के लिए कहती है। इसलिए आपको प्रोफेशनल तरीके से इसका प्रबंध पहले ही कर लेना चाहिए।

दरवाजे खुले रखें: ध्यान रखें कि अगर नई कंपनी में आपकी चाहत के मुताबिक नहीं हुआ तो आपको कुछ महीने या सालभर बाद वापस अपनी पुरानी कंपनी में लौटना पड़ सकता है। इसलिए कंपनी छोड़ते समय कोई भी गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए।

बात पते की: ज्यादातर लोग कंपनी छोड़ते वक्त सभी लोगों से मिल कर धन्यवाद कहना भूल जाते हैं। यह गलत असर डालता है। इसलिए सभी से मिल कर जाएं। इस्तीफा देने के बाद कई लोग कंपनी या बॉस के खिलाफ हर तरफ जहर उगलने लगते हैं। उनकी बुराई करने लगते हैं, यह गलती करने से बचें।

सरकार बफर के लिए अतिरिक्त दो लाख टन प्याज खरीदेगी निर्यात पर 67 हजार प्रति मीट्रिक टन का एमईपी तय

नई दिल्ली ।
घरेलू बाजार में प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। सरकार ने घरेलू उपलब्धता बनाए रखने के लिए प्याज निर्यात पर 800 अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 67 हजार रुपये प्रति मीट्रिक टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) अधिसूचित किया है। सरकार बफर के लिए अतिरिक्त 2 लाख टन प्याज खरीदेगी। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया कि फैसला 31 दिसंबर तक लागू रहेगा।

क्यों लिया गया यह फैसला – घरेलू बाजार में प्याज की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में प्याज की किल्लत से बचने और ज्यादा उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया गया है। इसके जरिए आसमान छूती कीमतों को काबू में रखने की कोशिश की जाएगी।

दिल्ली-एनसीआर में प्याज की कीमतें

- मदर डेरी के करीब 400 सफल खुदरा स्टोर में प्याज 67 रुपये किलो बिक रहा है।
- ई-कॉमर्स पोर्टल बिग-बास्केट 67 रुपये प्रति किलो की दर से मिल रहा है।
- ओटिपी पर प्याज 70 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेचा जा रहा है।
- स्थानीय खुदरा दुकानदार प्याज को 80 रुपये किलो की दर से बेच रहे हैं।

प्याज की बढ़ती कीमतों में उछाल का कारण – उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि मौसम संबंधी कारणों से खरीफ प्याज की बुआई में देरी हुई है। इससे फसल की आवक में भी देरी हुई है। खरीफ प्याज की आवक अब तक शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन नहीं हुई है। रबी सीजन की प्याज का भंडार खत्म होने से आपूर्ति कम हो रही है, जिससे कीमतें बढ़ रही हैं।

सरकार 25 रुपये/किलो की दर से प्याज बेच रही – उन्होंने कहा कि सरकार ने चालू वर्ष के लिए बफर प्याज स्टॉक को दोगुना कर दिया है। इससे घरेलू उपलब्धता में सुधार होगा और आने वाले दिनों में कीमतों पर अंकुश लगेगा।

न्यूज ब्रीफ

देश के 140 करोड़ में से सिर्फ 6.65 करोड़ लोग ही भर रहे आयकर, सरकार को मिलने वाले आयकर की 76 फीसदी राशि 5 फीसदी लोग भरते हैं

नई दिल्ली । भारत में अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक आबादी है लेकिन यहां पर आयकर का भुगतान करने वाले सबसे कम हैं। डेटा के अनुसार 140 करोड़ की आबादी वाले देश में सिर्फ 6.65 करोड़ ही आयकर का भुगतान करते हैं। यह संख्या कुल आबादी की 4.8 और वयस्क की आबादी 6.3 है। यह तथ्य भी चौंकाने वाला है कि सरकार को मिलने वाले कुल आयकर की 76 फीसदी राशि 32 लाख (5 फीसदी) लोग भरते हैं। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि यह ट्रेंड पिछले नौ सालों से चला आ रहा है। सरकार ने कर संग्रह बढ़ाने के लिए डिमोनेटाइनेशन, जीएसटी और बड़े ट्रांजेक्शन में पैन अनिवार्य किया फिर भी कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। वैश्विक निवेश बैंक जेफरीज ने देश के 10 साल के व्यक्तिगत आयकर ट्रेंड का विश्लेषण किया है। इसके अनुसार रिटर्न भरने वालों की संख्या हर साल 8 फीसदी की दर से बढ़ रही है। साल 2012 में इनकी संख्या 3.1 करोड़ थी जो 2023 में 7.1 करोड़ रह गई है। इसके उलट कारपोरेट टैक्स भरने वाले 5 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर 10 लाख ही हुए। हालांकि ज्यादा छूट मिलने से व्यक्तिगत आयकर जमा करने वालों की संख्या 33 फीसदी गिर गई है। 5 लाख, 10.5 लाख, 50 लाख से अधिक आय वाले करदाता सालाना 17 से 20 फीसदी की दर से बढ़ रहे हैं। व्यक्तिगत करदाताओं की आय बढ़ी है। यह 2012 में जीडीपी 15 फीसदी थी जो 2023 में 23 फीसदी हो गई है। कुल व्यक्तिगत आय में शार्ट टर्म ओर लांग टर्म कैपिटल गैन्स का योगदान दोगुना बढ़कर 7.6 फीसदी हो गया है। यही नहीं आय में कैपिटल गैन्स बताने वाले पिछले तीन साल में दोगुने हो गए हैं। ऐसा डिस्क्लोजन बढ़ने और डेटा ट्रेकिंग के चलते हुआ है। अब रिटर्न फार्म में पहले से यह जानकारी भरी रहती है। सीबीडीटी के मुताबिक व्यक्तिगत आयकर का भुगतान करने वाले शीर्ष एक फीसदी लोगों की कुल आय अन्य आयकरदाताओं के मुकाबले कम हुई है।

हम इससे लड़ने के लिए कुछ भी करेंगे.., एलन मस्क को इजराइल ने दी चेतावनी

तेल अवीव । अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क ने हाल ही में युद्ध की विभिषिका झेल रहे गाजा पट्टी में

लोगों को संचार सुविधा देने की पेशकश की थी। अब इजराइल ने एलन मस्क को चेतावनी दी है और कहा है कि अगर मस्क ने ऐसा किया तो इजराइल मस्क की कंपनी स्टारलिंक से सभी संबंध तोड़ देगा। इजराइल ने ये भी कहा कि वह हमास के खिलाफ लड़ाई में हर तरीके का इस्तेमाल करेगा। बता दें कि एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में मस्क ने लिखा स्टारलिंक, गाजा में मौजूद सभी अंतरराष्ट्रीय रूप से पंजीकृत सहायता संगठनों को संचार की सुविधा देगी। मस्क के एलान से इजराइल नाराज हो गया। मस्क के पोस्ट पर जवाब देते हुए इजराइल के संचार मंत्री शोलमो कारही ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इजराइल इस लड़ाई में हर तरीके का इस्तेमाल करेगा। हमास, स्टारलिंक की संचार सुविधा आतंकी घटनाओं में इस्तेमाल कर सकता है। इसमें कोई शक नहीं है कि वह ऐसा करेगा और मस्क भी ये जानते हैं। हमास, आईएसआईएस है। मस्क हमारे सभी अपहत बच्चों, बेटियों और बुजुर्गों को छुड़ाने के एवज में संचार सुविधा देने की शर्त लगा सकते थे! अगर मस्क ऐसा करते हैं तो मेरा कार्यालय स्टारलिंक कंपनी से हर संबंध तोड़ लेगा।

एयरटेल ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ की पार्टनरशिप, अब ग्राहकों को मिलेगी इंटीग्रेटेड कॉलिंग की सुविधा

नई दिल्ली। टेलीकॉम ऑपरेटर भारती एयरटेल और माइक्रोसॉफ्ट ने एक साझेदारी की है। इस साझेदारी के बाद अब माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के माध्यम से फोन कॉल की सुविधा मिलेगी। इस तरह के कॉल को इंटीग्रेटेड कॉलिंग कहा जाता है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि यह पहली बार है कि देश में कोई ओवर-द-टॉप प्लेयर मोबाइल और लैंडलाइन उपयोगकर्ताओं को कनेक्ट किया जाएगा। यह नई सर्विस उद्यमों को काम के प्रवाह के भीतर संचार और सहयोग को सुव्यवस्थित करने वाली टीमों के अनुभव के माध्यम से बाहरी उपयोगकर्ताओं को कॉल करने और लेने में सक्षम बनाएगी।

वृहद आर्थिक आंकड़े तथा कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे बाजार की चाल

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी

मुंबई ।
इस सप्ताह अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ब्याज दर पर फैसला, वैश्विक रुझान, वृहद आर्थिक आंकड़े तथा कंपनियों के तिमाही परिणामों से शेयर बाजारों की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। विश्लेषकों ने कहा कि सभी की नजरें एक नवंबर को फेडरल रिजर्व की बैठक के परिणामों पर है।

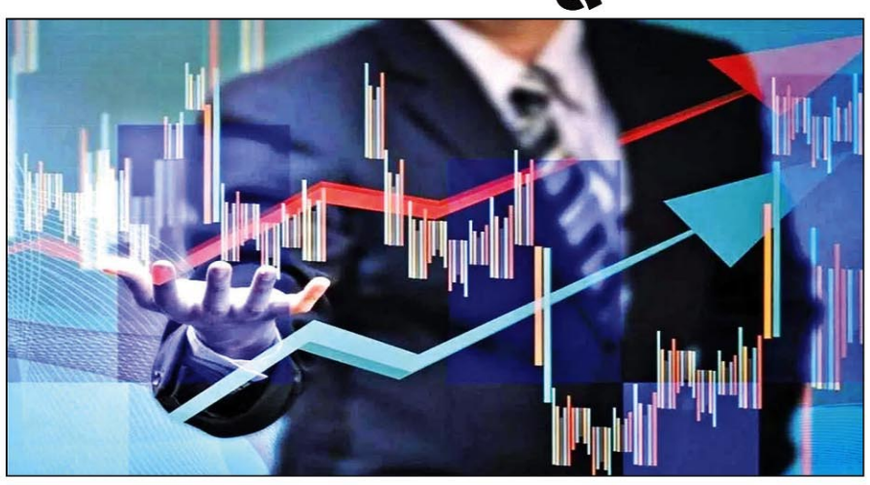

विशेष रूप से अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल कई साल के उच्च स्तर पर पहुंचने के मद्देनजर बैठक के परिणाम और महत्वपूर्ण हो जाते हैं। इसके अलावा बैंक ऑफ जापान के नीतिगत निर्णय पर भी बारीकी से नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि इन प्रमुख घटनाक्रमों के अलावा वैश्विक कारक भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। अमेरिका और चीन के आर्थिक आंकड़ों के अलावा लगातार बदलती भू-राजनीतिक स्थिति से भी बाजार की धारणा प्रभावित होगी। इस सप्ताह अडाणी ग्रीन एनर्जी, डीएलएफ, टीवीएस मोटर कंपनी, भारती एयरटेल, गेल, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा स्टील, अडाणी एंटरप्राइजेज, टाटा मोटर्स और इंटरग्लोब एविएशन के तिमाही नतीजे आने हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे फर्मों की वित्तीय सेहत की तस्वीर पेश करेंगे।

वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़ों पर भी सभी की नजर रहेगी। इससे दशहरा त्योहार के दौरान वाहनों की मांग का पता चलेगा। विश्लेषकों का कहना है कि बाजार प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रमों मसलन भारत के एसएंडपी वैश्विक विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों, चीन के विनिर्माण और गैर-विनिर्माण पीएमआई, यूरो क्षेत्र के मुद्रास्फीति और जीडीपी आंकड़ों, कच्चे तेल के भंडार, ब्रिटेन के विनिर्माण पीएमआई, अमेरिका के विनिर्माण और सेवा पीएमआई, बेरोजगारी भत्ते, गैर-कृषि रोजगार, बेरोजगारी दर और फेडरल रिजर्व के ब्याज दर को लेकर निर्णय पर प्रतिक्रिया देगा। वैश्विक मोर्चे पर लगातार सुस्ती से धारणा प्रभावित हो रही है। इसके अलावार शुक्रवार को मजबूती के बावजूद हमारा मानना है कि बाजार अभी मुश्किलों से बाहर नहीं आया है। इजराइल-हमास संघर्ष पर कुछ समाधान ही बाजार को मजबूती प्रदान कर सकता है।

सेबी ने सात जिंसों में वायदा कारोबार निलंबन एक साल बढ़ाया

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने गेहूं और मूंग सहित सात कृषि जिंसों में वायदा और विकल्प कारोबार के निलंबन को एक साल बढ़ा दिया है। कीमतों पर नियंत्रण के लिए यह प्रतिबंध अब दिसंबर 2024 तक लागू रहेगा। सेबी ने जिन कृषि जिंसों के वायदा और विकल्प कारोबार पर प्रतिबंध लगाया है, उनमें धान (गैर-बासमती), चना, कच्चा पाम तेल, सरसों बीज और सोयाबीन शामिल हैं। सेबी ने एक बयान में कहा कि उपरोक्त अनुबंधों में कारोबार का निलंबन 20 दिसंबर, 2023 से आगे 20 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इन जिंसों में मौजूदा सौदों को काटा जा सकता है, लेकिन एक वर्ष के लिए किसी भी नए वायदा कारोबार की अनुमति नहीं होगी। महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए सेबी ने दिसंबर 2021 में एक्सचेंजों को सोयाबीन, सरसों, चना, गेहूं, धान, मूंग और कच्चे पाम तेल के नए वायदा और विकल्प अनुबंध शुरू करने से रोक दिया था।

एसबीआई के ब्रांड एंबेसडर बने महेंद्र सिंह धोनी

बैंक के मार्केटिंग और प्रमोशनल कैंपेन में अहम भूमिका निभाएंगे

नई दिल्ली ।
देश के सबसे बड़े लेंडर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को अपना ऑफिशियल ब्रांड एंबेसडर बनाया है।

बैंक ने बताया कि एसबीआई के ब्रांड एंबेसडर के रूप में धोनी कई मार्केटिंग और प्रमोशनल कैंपेन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने कहा कि स्ट्रेसफुल सिचुएशंस में संयम बनाए रखने की धोनी की कैपेसिटी, दबाव में स्पष्ट सोच और तेजी से फैसले लेने की उनकी प्रसिद्ध क्षमता, उन्हें एसबीआई का ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए आइडियल चॉइस बनाता है।

बैंक ने कहा कि धोनी के साथ यह एसोसिएशन रिलायबिलिटी और लीडरशिप की वैल्यू को दर्शाता है और अपने कस्टमर्स के साथ गहरे संबंध बनाने के बैंक के कमिटमेंट का प्रतीक है।

हमारे ब्रांड के लिए परफेक्ट चॉइस हैं धोनी

एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा, धोनी हमारे ब्रांड के लिए परफेक्ट चॉइस हैं। धोनी के साथ पार्टनरशिप से हमारा लक्ष्य ट्रस्ट, इंटीग्रिटी और अटूट समर्पण के साथ देश और कस्टमर्स की सेवा करने के हमारे कमिटमेंट को मजबूत करना है।

जियोमार्ट के भी ब्रांड एंबेसडर बने थे महेंद्र सिंह धोनी

कुछ दिनों पहले रिलायंस रिटेल लिमिटेड के फ्लैगशिप ई-कॉमर्स वेंचर जियोमार्ट ने फेस्टिव सीजन से पहले क्रिकेटर और टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया था। जियोमार्ट ने धोनी के साथ एक नया ऐड कैंपेन शुरू किया था, जो 8 अक्टूबर से लाइव किया गया था।

अल्ट्राटैक सीमेंट उत्पादन बढ़ाने करेगी 13,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।
सीमेंट उत्पादक अल्ट्राटेक ने अपनी बढ़ोतरी के तीसरे चरण में अपनी क्षमता में 2.19 करोड़ टन प्रति वर्ष की बढ़ाने के लिए 13,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की। आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक के निदेशक मंडल ने कंपनी की उत्पादन क्षमता के विस्तार के तीसरे चरण पर 13,000 करोड़ रुपये का निवेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसमें चार नई इकाइयां लगाने के अलावा इतनी ही पुरानी इकाइयों का विस्तार भी किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इस विस्तार के बाद उसकी कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 18.2 करोड़ टन प्रति वर्ष हो जाएगी। इसकी मौजूदा क्षमता 13.24 करोड़ टन है।

दुनिया की तीसरी बड़ी सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक ने कहा कि तीसरे चरण में स्थापित होने वाली नई परियोजनाओं से वाणिज्यिक उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 से शुरू होगा। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि यह निवेश भारत की वृद्धि में अल्ट्राटेक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बीते सात वर्षों में कंपनी ने भारत की ढांचागत जरूरतों को पूरा करने पर 50,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश किया है।

सुरक्षित भोजन सुनिश्चित करने के लिए कैंटीन के कर्मचारियों को दें ट्रेनिंग, एफएसएसएआई का निर्देश

नई दिल्ली ।
खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने छात्रों को सुरक्षित भोजन सुनिश्चित करने पर जोर दिया है और राज्य के अधिकारियों से छात्रावासों व विश्वविद्यालयों की कैंटीन में खाद्य पदार्थों को संभालने वालों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कहा है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के सीईओ जी कमला वर्धन राव ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में केंद्रीय सलाहकार समिति (सीएसी) की 42वीं बैठक को संबोधित किया। उन्होंने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से खाद्य सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने का आग्रह किया।

एफएसएसएआई ने एक बयान में कहा, बैठक के दौरान उन्होंने राज्यों और केंद्र शासित प्रदशों के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों को छात्रों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ भोजन सुनिश्चित करने के लिए छात्र छात्रावासों और विश्वविद्यालयों की कैंटीन में खाद्य संचालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया।

सीईओ ने खाद्य सुरक्षा आयुक्त से वर्तमान खाद्य परीक्षण बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और देश में खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की संख्या बढ़ाने का आह्वान किया। इसके अलावा, राव ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदशों को दूध और दुग्ध उत्पादों और मिठाइयों पर निगरानी करने के लिए प्रयासन करने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि त्योहारों का मौसम करीब है।

उन्होंने 100 फूड स्ट्रीट के आधुनिकीकरण पहल को बढ़ावा देने के महत्व के बारे में बात की। बैठक में खाद्य सुरक्षा आयुक्तों (सीएफएस), राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों, एफएसएसएआई और नोडल मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों और खाद्य उद्योग, उपभोक्ताओं, कृषि, प्रयोगशालाओं और अनुसंधान निकायों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों सहित पचास से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया।

सोशल मीडिया से बच्चे क्या अब बड़े भी नहीं बच पा रहे', मेटा मामले में कोर्ट में विशेषज्ञों ने बताई समस्या

वाशिंगटन ।
अमेरिका के 50 में से 41 राज्यों ने अपने बच्चों को सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप की मालिकाना कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ केस दायर कर दिया है। आरोप हैं कि मेटा ने जानबूझ कर ऐसे फीचर्स डिजाइन किए जो बच्चों व किशोरों को इसकी लत लगा रहे हैं। बड़े भी इससे बच नहीं पा रहे हैं। मेटा उनकी कमजोरी का अपने मुनाफे के लिए फायदा उठा रही है। क्या सच में सोशल मीडिया व इंटरनेट की लत लगती है और किशोरों के दिमाग की मजबूरी का मेटा फायदा उठा रही है इन सवालों के जवाब देती रिपोर्ट -

किशोरों की जरूरत : सामाजिक संपर्क

किशोरों के दिमाग भी ऐसे बने हैं कि वे सामाजिक तौर पर जुड़े रहना चाहते हैं। सोशल मीडिया इसका अवसर देता है। यहां न केवल संपर्क, बल्कि लाइक्स व प्रतिक्रियाएं भी मिलती हैं।

इनाम का लालच

कनेक्टिकट में इंटरनेट व तकनीक की लत के पीड़ितों के लिए केंद्र चला रहे मनोचिकित्सक डेविड ग्रीनफील्ड मेटा जैसी कंपनियों की शक्तिशाली तकनीक इंटरमिटन री-इन्फोर्समेंट के बारे में बताते हैं। यह यूजर्स को बताती है कि पोस्ट किए गए कमेंट्स, तस्वीरों, वीडियो के लिए उन्हें दूसरे लोगों से लाइक्स व प्रतिक्रियाएं मिलेंगी, जो उनका इनाम होंगी, लेकिन कब, यह तय नहीं होता। यह इनाम का लालच ही लत लगाता है। यह कुछ-कुछ जुआ घर में लगी मशीनों जैसा है, जिनमें रंग-बिरंगी लाइटें होती हैं, संगीत बजता है और कुछ पाने की संभावना यानी इनाम का लालच होता है। यह तकनीक यूजर्स को सोशल मीडिया से चिपकाए रहती है। इससे बड़े तक नहीं बच पाते, बच्चे व किशोर तो ज्यादा जोखिम में हैं।

इसे लत कहना सही

2013 में मानसिक रोग जांच व सांख्यिकी मैनुअल ने इंटरनेट व गेमिंग की लत का उल्लेख किया, लेकिन इसे बीमारी या लत कहने के लिए और अध्ययनों की जरूरत बताई। लत किसी पदार्थ की ही मानी जाती है, व्यवहार की नहीं। बाद में हुए अध्ययनों ने बताया कि इंटरनेट की लत परिभाषित करना होगा। बोस्टन बाल रोग चिकित्सालय में डिजिटल वेलनेस विभाग के निदेशक डॉ. माइकल रिच मानते हैं कि इंटरनेट व सोशल मीडिया के साथ लत शब्द का उपयोग सही नहीं है। इसका सीमित उपयोग फायदेमंद है, रोजमर्रा के लिए जरूरी भी। वे इसके बजाय इंटरनेट के समस्या जनक उपयोग शब्द उपयोग करने का विचार देते हैं।

इंटरनेट सामग्री मादक पदार्थ जैसी

डॉ. रिच से डॉ. ग्रीनफील्ड पूरी तरह सहमत नहीं होते। वह बताते हैं कि कई मामलों में सोशल मीडिया व इंटरनेट की वजह से बच्चों की पढ़ाई, स्कूल, नींद तक प्रभावित हो रही है।

डांसिंग मेरे सच्चे जुनून में से एक : कैटरीना

-अभिनेत्री ने कहा-गाने और डांस संस्कृति का हिस्सा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस कैटनीना कैफ ने कहा कि डांस उनके सच्चे जुनून में से एक है और वह इसे एक प्रशंसा के रूप में लेती हैं। कैटरीना ने कहा कि गाने और डांस संस्कृति का हिस्सा हैं। टाइगर 3 के गाने लेके प्रभु का नाम को मिल रही प्रतिक्रिया से अभिनेत्री कैटरीना कैफ बेहद खुश हैं। इस ट्रैक को प्रीतम ने संगीतबद्ध किया है, जिसे अरिजीत सिंह और निखिता गांधी ने गाया है। तमिल और तेलुगु संस्करण को बेनी दयाल और अनुषा मणि ने गाया है। कैटरीना ने कहा, ह्लएक कलाकार के रूप में इतने वर्षों तक, एक चीज जिसने मुझे आगे बढ़ाया है वह है मेरे प्रशंसकों, मीडिया और दर्शकों का प्यार। सफलता का असली पैमाना उस प्यार में है जो व्यक्ति को लोगों से स्वाभाविक रूप से मिलता है। लेके प्रभु का नाम हम सभी के लिए एक अद्भुत एहसास है। अभिनेत्री ने कहा, मेरे लिए डांस करना मेरे सच्चे जुनूनों में से एक है और दर्शकों का प्यार देखना पूरी तरह से खुशी की बात है। कैटरीना को लगता है कि लोगों को कलाकारों से बहुत उम्मीदें होती हैं कि वे न केवल अपने अभिनय कौशल का प्रदर्शन करें बल्कि उन्हें संजोने और डांस करने के लिए बेहतरीन गाने भी दें। उन्होंने कहा, एक फिल्म, एक अभिनय प्रदर्शन, एक गीत इन सभी को सफल बनाने के लिए दर्शकों से जुड़ना होगा और मैं आभारी हूं कि मैंने अपने पूरे करियर में ऐसा पाया है। मैं जानती हूं कि फिल्म में प्रदर्शन के साथ-साथ लोग हमारे गाने देखने के लिए भी उत्साहित रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं इसे एक बड़ी प्रशंसा के रूप में लेती हूं क्योंकि गाने और डांस हमारी संस्कृति और हमारी फिल्मों का हिस्सा हैं और हमेशा से यह पसंद किए जाते रहे हैं। मैं हमारे गानों से लोगों की अपेक्षाओं से वाकिफ हूं और यह मुझे हर बार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। फिल्म दिवाली 12 नवंबर को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होने के लिए तैयार है। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की टाइगर 3 का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है और इसका निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है।

फिर से एक साथ नजर आएंगे बिग बी और रजनीकांत

- फिल्म का नाम है थलाइवर 170

चेन्नई (ईएमएस)। अभिनेता रजनीकांत और मेगास्टार अमिताभ बच्चन 33 साल बाद फिर से बडी स्क्रीन शेयर करेंगे। इस फिल्म का नाम है थलाइवर 170। रजनीकांत ने अपने एक्स अकाउंट पर अभिनय के दो दिग्गजों की एक तस्वीर साझा की। इसको लेकर रजनीकांत ने अपनी खुशी जाहिर की है। तस्वीर को कैप्शन देते हुए उन्होंने लिखा, ह्ल33 साल बाद मैं अपने मेंटार श्री अमिताभ बच्चन के साथ टीजे. ग्नानवेल द्वारा निर्देशित आगामी ह्यथलाइवर 170ह्ल में फिर से काम कर रहा हूं। मेरा दिल खुशी से धड़क रहा है।तस्वीर में रजनीकांत को सफेद शर्ट और काली विग पहने देखा जा सकता है और वह मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। दूसरी ओर अमिताभ बच्चन भी तमिल मेगास्टार के साथ एक बार फिर काम करने को लेकर रोमांचित हैं। अभिनेता ने अपने सिर पर रंगीन पैटर्न वाला बंदना पहना हुआ है। ग्रे शर्ट पहने अभिनेता ने चश्मा पहन रखा है। शर्ट के ऊपर गुलाबी और नीले रंग की जैकेट पहनी हुई है। आगामी फिल्म से पहले, बिग बी और थलाइवर ने पिछली बार मुकुल आनंद द्वारा निर्देशित हिंदी फिल्म हम में एक साथ काम किया था। यह 1991 में रिलीज हुई थी। हम ने 1990 के दशक में जबरदस्त धूम मचाई थी। इस फिल्म ने जबरदस्त सफलता हासिल की थी, जिसे काफी सराहना मिली थी। फिल्म में रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, गोविंदा, अनुपम खेर, किमी काटकर, दीपा साही, शिल्पा शिरोडकर, डैनी डेन्जोंगपा और कादर खान ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थी। थलाइवर ने 1995 की क्लासिक बाशा में भी काम किया था। हम अपने गाने जुम्मा चुम्मा दे दे के लिए भी खूब याद किया जाता है। बाशा अपने दो क्लासिक ट्रैक नान ऑटोकारन और स्टाइल स्टाइल थान के लिए भी जाना जाता है। इस प्रोजेक्ट की घोषणा के बाद से, पूरे भारत में जबरदस्त उत्साह है क्योंकि मुंबई से चेन्नई तक दर्शक दो दिग्गजों को बड़े पर्दे पर एक साथ देखने के लिए बेचैन हैं।

13 सालों से सलमान की टक्कर में कोई नहीं

- एक्टर के नाम एक और रिकॉर्ड दर्ज

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड से लेकर टॉलीवुड तक में कई सुपरस्टार हैं, लेकिन सलमान खान के स्टारडम को कोई हाथ नहीं लगा पाया है। ऐसे ही सलमान खान के नाम एक और रिकॉर्ड है। अभिनेता उन स्टार्स में से हैं, जिनसे टकराने की शायद ही किसी स्टार में हिम्मत होगी। सलमान खान के नाम ऐसा एक रिकॉर्ड है, जो इस बात को साबित करता है कि पिछले कुछ सालों में बॉक्स ऑफिस पर सलमान खान की किसी भी फिल्म को बड़े टकराव का सामना नहीं करना पड़ा है। 2010 में रिलीज हुई दबंग के बाद से लेकर अब तक, यानी 13 सालों में सलमान खान की 16 फिल्में रिलीज हुईं। इनमें बॉडीगार्ड, जय हो, दबंग 2, एक था टाइगर, किक, बजरंगी भाईजान, टाइगर जिंदा है, सुल्तान, प्रेम रतन धन पायो, ट्यूबलाइट, रेस 3, दबंग 3, भारत और किसी का भाई किसी की जान जैसी फिल्में शामिल हैं। इन सभी फिल्मों में एक समानता है कि ये सभी बॉक्स ऑफिस पर सोलो रिलीज की गई हैं।सुल्तान, टाइगर जिंदा है और प्रेम रतन धन पायो के साथ कुछ फिल्मों की रिलीज का ऐलान किया गया था, लेकिन बाद में सभी ने सलमान खान से अपनी फिल्मों के क्लैश को टालने का फैसला कर लिया। अब सलमान खान की अपकमिंग फिल्म टाइगर 3 बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। जिसमें वह एक बार फिर कैटरीना कैफ के साथ नजर आने वाले हैं। इस स्पाई, एक्शन-थ्रिलर फिल्म को भी सोलो रिलीज मिली है। बता दें, तमाम छोटे-बड़े एक्टर-डायरेक्टर्स ने दिवाली पर अपनी फिल्मों की रिलीज टाल दिया है, जिसकी सबसे बड़ी वजह खुद भाईजान यानी सलमान खान हैं। सलमान खान की बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी पकड़ है। उनके स्टारडम का ही दम है कि कई बार दर्शक अभिनेता की फिल्म देखने के बजाय उन्हें देखने ही सिनेमाघर पहुंच जाते हैं। मालूम हो कि सलमान खान को यूं ही सुपरस्टार नहीं कहा जाता। वह एक ऐसे अभिनेता हैं, जो अकेले के दम पर फिल्मों को ब्लॉकबस्टर कराने की हिम्मत रखते हैं। वॉन्टेड, दबंग, बॉडीगार्ड, जय हो और टाइगर जैसी फिल्मों के साथ वह लगातार 100, 200 और 300 करोड़ कमाई करने वाली फिल्में दे रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर हमेशा ही सलमान खान की फिल्मों का राज रहता है। सलमान खान एक क्राउड पुलर एक्टर माने जाते हैं। क्योंकि, जहां कुछ लोग तो उनकी फिल्में देखने सिनेमाघर जाते हैं तो वहीं कुछ सिर्फ उन्हें देखने ही सिनेमाघर पहुंच जाते हैं।

कंगना के साथ काम करने के लिए रोमांचित है वरुण मित्रा

सोशल मीडिया पर एक्टर वरुण मित्रा ने तस्वीरें साझा कंगना रनौत की फिल्म के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया। एक्टर ने कहा है कि वह कंगना के साथ काम करने को लेकर कितने रोमांचित हैं। वरुण मित्रा ने कहा, जब मैं काम कर रहा होता हूं तो भूलने की कोशिश करता हूं कि मैं कौन हूं। मैं उस व्यक्ति की पहचान भी भूल जाता हूँ जिसके साथ मैं काम कर रहा हूँ। इस मामले में, मैंने केवल तेजस और एकवीर को ही देखा। शूटिंग पूरी करने के कई महीनों बाद एक कार्यक्रम में मेरी मुलाकात कंगना से हुई। उस दिन मैंने उन्हें तेजस के रूप में नहीं, बल्कि कंगना रनौत के रूप में देखा, उस अभिनेता के रूप में जिन्होंने हमें क्वीन और तनु वेड्स मनु जैसी फिल्में दीं। मैं उस दिन घर वापस गया और क्वीन फिर से देखी। मैं यह सोचने से खुद को रोक नहीं पाया कि वह उन कुछ अभिनेताओं में से एक है, जो स्क्रीन पर होने पर आपको कुछ महसूस कराती है। न सिर्फ स्क्रीन पर बल्कि आपके साथ काम करते हुए भी मैंने अपनी भावनाओं को पूरी तरह महसूस किया।

सीरीज द रेलवे मेन का टीजर जारी

भोपाल गैस कांड पर आधारित सीरीज द रेलवे मेन का टीजर जारी कर दिया गया है। यह सीरीज भोपाल त्रासदी की एक अनकही कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है। इस सीरीज में आर. माधवन और के के मेनन अभिनय किया है। सीरीज के निमार्ताओं ने यह भी घोषणा की है कि सीरीज 18 नवंबर को रिलीज होगी। वाईआरएफ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, द रेलवे मेन नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। चार-एपिसोड की सीरीज का निर्देशन शिव रवैल द्वारा किया गया है। दुनिया की सबसे भीषण औद्योगिक आपदा, भोपाल गैस त्रासदी की पृष्ठभूमि पर आधारित और सच्ची कहानियों से प्रेरित, द रेलवे मेन साहस और मानवता को सलाम करने का एक रोमांचकारी विवरण है। यह सीरीज भारत के गुमनाम नायकों रेलवे कर्मचारियों की एक मार्मिक कहानी प्रस्तुत करता है, जो अपने कर्तव्य से परे जाकर एक असहाय शहर में फंसे सैकड़ों निर्दोष नागरिकों की जान बचाने की कोशिश कर रहे थे।

विधु विनोद चोपड़ा की '12वीं फेल' ने बॉक्स ऑफिस पर की जबर्दस्त शुरूआत, ओपनिंग डे पर कमाए 1.1 करोड़

फिल्ममेकर विधु विनोद चोपड़ा के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित 12वीं फेल ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी जीत का परचम फहरा दिया है। हाल में थिएटर्स में रिलीज हुई इस फिल्म की सक्सेसफुल स्टार्ट से न केवल फिल्म इंडस्ट्री बल्कि सिने लवर्स के बीच भी उत्साह की लहर दौड़ गई है। इस फिल्म में बेहद प्रतिभाशाली विक्रांत मैसी को मुख्य भूमिका में देखा गया हैं। फिल्म को लेकर पहले ही खूब चर्चा थी, जिसे फिल्म की रिलीज के साथ देखा भी गया। जी हां, 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली इस फिल्म ने आज बॉक्स ऑफिस पर 1 करोड़ का आंकड़ा छू कर एक मील का पत्थर पार किया है। 12वीं फेल ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है और लगभग 1.1 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की है। इस फिल्म को दिल्ली, पंजाब, मुंबई और बेंगलुरु जैसे प्रमुख बाजारों में विशेष प्रशंसा मिली है, जहां फिल्म अच्छा कर रही है। एक ऐसी फिल्म जो ठीक ठाक बजट में बनी है, उसके लिए अपने शुरूआती दिन में इस तरह का फरफॉर्मेंस देना वाकई शानदार है, जो फिल्म की व्यापक अपील और आकर्षक कहानी को दशार्ता है। फिल्म को वर्ड ऑफ माउथ का खूब फायदा हो रहा है, वहीं पॉजिटिव रिव्यूज भी लगातार आ रहें है, जिससे डिमांड भी बढ़ रही है और जिसे देखते हुए थिएटर्स में फिल्म के शो की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। इसे यकीनन 12वीं फेल की सफलता की कहानी के रूप में देखा जा सकता है। इस फिल्म की शानदार कास्ट, जिसमें विक्रांत मैसी लीड रोल में हैं, ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से सिने प्रेमियों का दिल खुश कर दिया है, जो एक्टर की तारीफ करते नहीं थक रहे। ऑडियंस ने फिल्म में उनके किरदार की गहराई और भावनात्मक प्रामाणिकता की प्रशंसा की है। ये फिल्म सच्ची कहानी पर आधारित उन लाखों छात्रों के संघर्ष को दशार्ती है जो यूपीएससी प्रवेश परीक्षा देते हैं लेकिन साथ ही यह उस एक परीक्षा से कहीं ज्यादा है और लोगों को असफलताओं के सामने हिम्मत न हारने और रीस्टार्ट करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विधु विनोद चोपड़ा द्वारा निर्देशित 12वीं फेल अब दुनिया भर में हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में रिलीज हो चुकी है।

रणवीर के मुंह निकला ओह माय गॉड

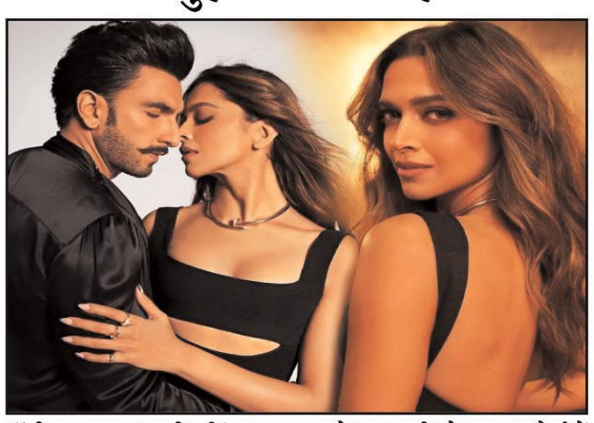

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह जब पहली बार अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण से मिले तो उन्हें देखते ही उनके मुंह निकला ओह माय गॉड। एक्टर बीते हुए उस पल को याद कर उसमें खो गया। यह वाकया फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला के डायरेक्टर संजय लीला भंसाली के साथ हुई मीटिंग का है। रणवीर चैट शो कॉफी विद करण के सीजन 8 में अपनी पत्नी दीपिका के साथ पहुंचे। दीपिका के साथ अपनी पहली मुलाकात के बारे में बात करते हुए रणवीर ने कहा, वसोर्वा में मिस्टर भंसाली के घर पर फिल्म के लिए रिडिंग हुई थी। दीपिका से पहले मुझे उनसे मिलना था, तो मैं टेबल पर बैठा था और दरवाजा मेरी बायीं ओर था। उन्होंने कहा, जब ये दरवाजे खुलते थे, तो हवा का झोंका आता था। इसी दरवाजे से चिकनकारी ड्रेस में दीपिका ने एंट्री की, हवा के चलते उनके बाल उड़ रहे थे। वह किसी सादगी की मूरत लग रही थी। उन्हें देख मेरे मुंह से ओह माय गॉड निकला।

डायरेक्टर एटली ने "जवान" में दीपिका पादुकोण की भूमिका के बारे में किया खुलासा

अभिनेता शाहरुख खान के लिए साल 2023 बेहद खास रहा है, क्योंकि इस साल रिलीज हुई उनकी दोनों फिल्मों "पठान" और "जवान" ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। पिछले महीने 7 सितंबर को एटली द्वारा निर्देशित फिल्म "जवान" सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में दर्शकों को शाहरुख खान और साउथ सुपरस्टार नयनतारा की जोड़ी देखने को मिली। लेकिन, इसमें दर्शकों का सबसे ज्यादा ध्यान एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण द्वारा किए गए कैमियो ने खींचा। "जवान" में कैमियो के लिए दीपिका की काफी तारीफ हुई थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में एटली ने इस बात का खुलासा किया है। एटली ने यह भी बताया है कि दीपिका को फिल्म "जवान" कैसे और किसने ऑफर की थी। शाहरुख खान ने फिल्म "जवान" के लिए पूरा श्रेय एटली और टीम को दिया है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री पर अपना दबदबा बनाने वाले एटली की यह पहली बॉलीवुड फिल्म थी। फिल्म में कैमियो के लिए दीपिका से कैसे संपर्क किया गया? इस बारे में पूछे जाने पर एटली ने कहा, "मैंने सबसे पहले पूजा (शाहरुख खान की मैनेजर) से दीपिका के कैमियो के बारे में पूछा। क्या हम दीपिका से ऐश्वर्या के रोल के लिए पूछेंगे? मेरे पूछते ही पूजा ने मुझसे कहा कि हां, वह शाहरुख से बात करेंगी।" एटली ने कहा, "शाहरुख सर ने उनसे पहले ही इस बारे में पूछ लिया था और कहा था कि वह यह भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। शाहरुख सर ने मुझसे कहा कि उनकी टीम जाएगी...वह पूरी कहानी बताएगी। अगर उन्हें स्क्रिप्ट पसंद आएगी तो वह इसे जरूर करेंगी।" इसके बाद जब दीपिका फिल्म कल्कि की शूटिंग के लिए हैदराबाद में थीं तो एटली ने खुद जाकर उनसे मिलने का फैसला किया। एटली ने कहा कि शाहरुख सर की वजह से दीपिका पादुकोण ने तुरंत "जवान" के लिए हामी भर दी। मैंने उनसे कहा, मैम बिल्कुल भी छोटा रोल नहीं है। ये फिल्म का सबसे अहम रोल है। मैं आपसे हैदराबाद में मिलूंगा और आपको सब कुछ बताऊंगा। इसके बारे में सोचे बिना ही दीपिका ने मुझे जवाब दिया, "कोई जरूरत नहीं...मैं असल में वह किरदार निभाऊंगी।" लेकिन फिर भी मैंने उन्हें पूरी कहानी संक्षेप में बता दी। उनकी पहली प्रतिक्रिया यह थी कि यह बहुत भारी भूमिका थी। इसके बाद चीजें सही हो गईं... फिर दीपिका और हमारी टीम को साथ काम करने का मौका मिला। उनकी आंखों में संवाद से अधिक अभिनय शक्ति है।

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अनुपम खेर ने व्यक्त की खुशी

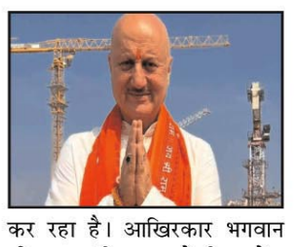

अभिनेता अनुपम खेर ने अयोध्या में अगले साल 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि चाहे उन्हें उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया जाए या नहीं, लेकिन वह दिन निश्चित रूप से वहां रहेंगे। इस बारे में मीडिया से बात करते हुए अनुपम खेर ने कहा, "22 जनवरी 2024 के ऐतिहासिक दिन का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। आखिरकार भगवान श्रीराम का मंदिर जनता के लिए खोल दिया जाएगा। हिंदुओं ने कानूनी तरीकों से इसके लिए बड़ी लड़ाई लड़ी है।" अनुपम खेर ने आगे कहा, "मुझे इस बात पर गर्व है कि मैं फिल्म इंडस्ट्री का पहला अभिनेता हूं, जिसे मंदिर में प्रार्थना करने का मौका मिला। चाहे मुझे उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया जाए या नहीं, मैं उस दिन निश्चित रूप से वहां रहूंगा।" कुछ दिनों पहले एक्ट्रेस कंगना रनौत ने भी इस मंदिर में दर्शन किए थे।

सूडोकु नवताल- 6597

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6596 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्दजाल - 7344

पी	क	ल	व	ग	सा	ना	क	प	ल	आ	
र	ब	ल	न	व	ग	ग	से	म	ल	म	
त	स	र	ल	र्म	वा	पु	रा	रा	ख	क	
क	ज	ज	ग	पु	न	न	प	न	ली	क	
यू	क	दो	ग	द	लं	का	ब	ग	झ	क	
क	क	ल	प	ह	झ	पू	ना	बू	घ	को	
लि	अ	दे	व	ना	र	ल	श	र	ल	ल	
प्ट	ता	दा	ई	धा	ब	क	फ	लो	श	पा	
स	बा	चे	न	पी	प	ल	र	नी	प	कि	
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	म	स्ता	
गु	ल	मो	ह	र	न	रा	बा	द	प	न	

शब्द जाल में ऐसे 10 वक्षों के नाम ढूंढिए, जिससे हमें इमारती लकड़ी प्राप्त होती है.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

पीपल, नीम, बरगद, आम, देवनार, बबूल, सागवान, गुलमोहर, सेमल, यूकलिप्टस

शब्दजाल - 7343 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6297

	2	4			5	3
7	26		31	2	36	4
	5	1			7	
6	32		29		37	6
2	3		4	1		
	34	3	36	5	32	
	5	7			2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6296 का हल

5	6	2	4	1	7	3
7	35	3	31	5	27	1
4	1	7	6	3	5	2
3	31	6	40	2	30	7
2	3	5	7	4	1	6
1	27	4	37	6	35	5
6	5	1	3	7	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

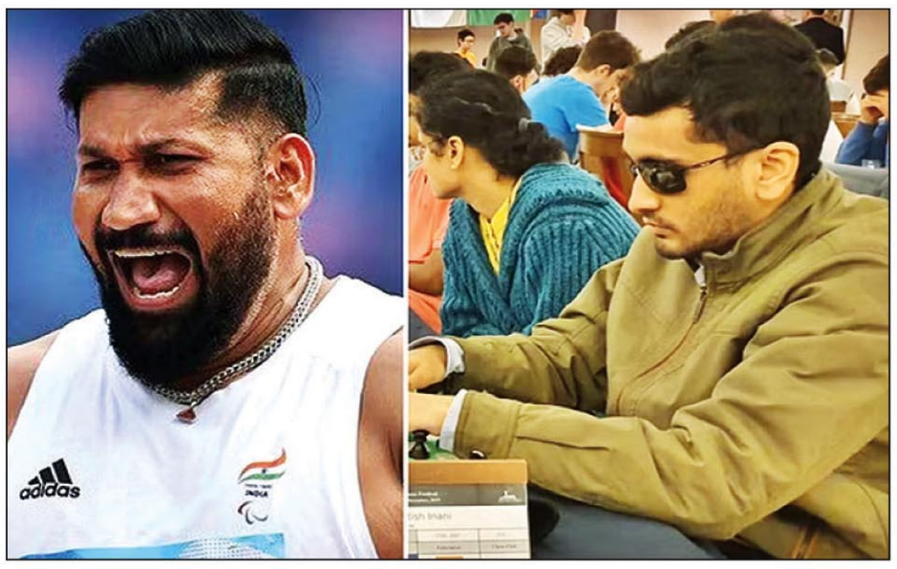

शतरंज के लिए आईआईएम ठुकराने वाले दृष्टिबाधित सतीश को दोहरा स्वर्ण, नीरज यादव ने भी किया कमाल

नई दिल्ली ।
महज तीन वर्ष की उम्र में दृष्टिबाधित होने के बावजूद तबला, हारमोनियम, शास्त्रीय संगीत में महारत और कराटे में येलो बेल्ट हासिल करने वाले शतरंज के खिलाड़ी बने चारटर्ड एकाउंटेंट (सीए) सतीश इनानी दर्पण ने पैरा एशियाई खेलों में भी सफलता के झंडे गाड़ दिए। दृष्टिबाधिता को कभी कमजोरी नहीं बनने देने वाले सुपर ह्यूमन सतीश ने शतरंज की 6, बी-1 इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। साथ ही इसी स्पर्धा का टीम इवेंट का स्वर्ण अपने नाम किया। वहीं चार वर्ष की उम्र में दुर्घटना में अपना हाथ गंवा देने वाले 20 वर्षीय नासिक के दिलीप महादू गाविओत ने टी-47 वर्ग की 400 मीटर दौड़ का स्वर्ण जीता। सात वर्ष की उम्र में चलने-फिरने की शक्ति खो देने वाली गाजियाबाद के नीरज यादव ने इन एशियाई खेलों का दूसरा स्वर्ण पदक जीता। नीरज ने जकार्ता में भी स्वर्ण पदक जीता था।

आम बच्चों के साथ की पढ़ाई - 29 वर्षीय वडोदरा के सतीश दृष्टिबाधित होने के बावजूद बचपन से ही प्रतिभाशाली रहे। वह वडोदरा में आम बच्चों के स्कूल में पढ़े और हमेशा 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर शीर्ष तीन में रहे। कामर्स के छात्र सतीश ने 12वीं की परीक्षा 99.75 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। उन्होंने कैट की परीक्षा भी उत्तीर्ण की। आईआईएम अहमदाबाद को छोड़ उन्हें देश के सभी आईआईएम से एमबीए करने का प्रस्ताव आया, लेकिन उन्होंने आईआईएम के एडमीशन का प्रस्ताव ठुकराते हुए सीए और शतरंज में कॅरिअर बनाने का फैसला लिया। इन दोनों ही क्षेत्रों में सतीश सफलता की नई ऊंचाईयों को छू रहे हैं। सतीश ने 2018 में आम शतरंज खिलाडियों के क्रेओन शतरंज टूर्नामेंट में अपने रेटिंग वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। वह इस वक्त देश के नंबर एक दृष्टिबाधित शतरंज खिलाड़ी हैं।

रोइंग में पहली बार मिला पदक - एफ-55 वर्ग के जेवलिन थ्रो का स्वर्ण नीरज यादव ने जीता तो कांस्य पदक टेकचंद को मिला। दिलीप गावित ने 400 मीटर रेस 49.48 सेकंड का समय निकालकर जीती। पूजा ने टी-20 वर्ग की 1500 मीटर रेस का कांस्य जीता रोइंग में पहली बार इन खेलों में पदक अनीता और कोंगनापल्ले नारायणा की जोड़ी ने पीआर-3 मिश्रित डबल स्कल्स में दिलाया।

न्यूज ब्रीफ

कमिंस ने जीत का श्रेय क्षेत्ररक्षकों को दिया

धर्मशाला । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली रोमांचक जीत पर खुशी जतायी है। कमिंस ने कहा कहा कि इस रोमांचक मैच में 5 रन की जीत का श्रेय क्षेत्ररक्षकों को जाता है क्योंकि उन्होंने कठिन हालातों में ये हासिल की है। ऑस्ट्रेलिया से मिले 388 रनों के लक्ष्य के जवाब में किवी टीम ने नौ विकेट पर 383 रन बनाये। न्यूजीलैंड की टीम इस मैच में जीत के लिए जरुरी रन इसलिए नहीं बना पायी क्योंकि विरोधी टीम ने जबरदस्त क्षेत्ररक्षक करते हुए कई चौके रोके। खास कर मार्नस लाबुशेन ने 2 शानदार बचाव किए। उन्होंने अंतिम ओवर की पांचवी 5वीं गेंद पर जेम्स नीशम को रन आउट भी किया। कमिंस ने कहा कि इस मैच में क्षेत्ररक्षण से अंतर पैदा हुआ। मार्नस ने अपना सब कुछ झोंक दिया जबकि इस मैदान में क्षेत्ररक्षण करना आसान नहीं था। वहीं इससे पहले चोट से वापसी करने वाले ट्रेविस हेड ने 67 गेंद में 109 रन बनाये थे। कमिंस ने कहा कि यह शानदार मुकाबला रहा। उनकी टीम ने मैच में कई बार वापसी की। उन्होंने कई बार हम पर दबाव बनाया। वहीं न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम को लक्ष्य के इतने करीब पहुंच कर जीत हासिल करने में विफल रहने से निराशा हुई है।

ऋषभ अगले साल अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली । विकेटकीपर ऋषभ पंत पिछले साल हुए सड़क हादसे के बाद से ही खेल से बाहर है। इसी कारण वह विश्वकप के लिए भी भारतीय टीम में शामिल नहीं है। वहीं अब उनके प्रशंसकों के लिए खुशी की बात है। ऋषभ घुटने की सर्जरी से उबर गये हैं और उन्होंने बल्लेबाजी का अभ्यास भी शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि वह अगले साल जनवरी में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज से वापसी कर सकते हैं। टीम इंडिया में वापसी से पहले इस आक्रामक बल्लेबाज को घरेलू क्रिकेट खेलकर फिटनेस भी हासिल करनी होगी। ऋषभ पिछले कुछ महीनों से नेशनल क्रिकेट एकेडमी में अभ्यास कर रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनपर नजर रखे हुए है। ऋषभ ने दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था उसके बाद से ही वह घायल होने के कारण टीम से बाहर हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, अभी इस क्रिकेटर की वापसी को लेकर कुछ भी कहा नहीं जा सकता है। ये सही है कि वह नेट्स पर बल्लेबाजी कर रहे हैं पर उन्हें मैच फिटनेस हासिल करने में अभी भी समय लगेगा। इसके लिए उन्हें घरेलू क्रिकेट में वापस करते हुए अपना आत्मविश्वास वापस हासिल करना होगा। सब कुछ सही रहने पर वह अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं।

विश्वकप : पाकिस्तान को दोहरा झटका , हार के बाद अब धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगा

चेन्नई । पाकिस्तान क्रिकेट टीम को दोहरा झटका लगा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए लीग मुकाबले में धीमी ओवरो गति के लिए उसपर मैच फीस का 20 जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना इसलिए लगाया गया है क्योंकि टीम तय समय तक ओवर नहीं फेंक पायी थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम ने निर्धारित समय में चार ओवर कम किए थे। इसके कारण मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह जुर्माना लगाया। गौरतब है कि खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार निर्धारित समय में एक ओवर कम करने पर खिलाड़ियों पर मैच फीस का पांच फीसदी जुर्माना लगाया जाता है।

शाकिब ने माना तमीम विवाद मामले से भी टीम का प्रदर्शन प्रभावित हुआ

नई दिल्ली । बांग्लादेश क्रिकेट टीम के कप्तान शाकिब अल हसन ने नीदरलैंड्स के खिलाफ एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट मुकाबले में मिली हार पर निराश जतायी है। नीदरलैंड्स ने विश्वकप में बांग्लादेश को 87 रनों से हरा दिया था। इससे अब इस टूर्नामेंट में बांग्लादेश की उम्मीदें तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। शाकिब ने अपनी टीम के प्रदर्शन पर भी निराशा जतायी है। उन्होंने कहा है कि तमीम और मेरे बीच हुए विवाद का विपरीत प्रभाव भी टीम पर पड़ा। शाकिब ने कहा कि मैं इस बात से बिल्कुल भी इंकार नहीं करना चाहता हूं कि विवाद का असर हमारी टीम पर नहीं पड़ा है। आप कह सकते हो कि हमारा विश्वकप में हमारा प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। शाकिब ने साथ ही कहा, हमने शायद इसे लेकर कम तैयारियां की थी पर हम इसका बहाना नहीं बना सकते हैं। हम इस टूर्नामेंट में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। इस तरह टूर्नामेंट को फिनिश करना आसान नहीं होता है। हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो संघर्ष कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि उनके दिमाग में क्या चल रहा है।

हमारा दिल ट्रॉफियों को भारत वापस लाने पर है सी आर कुमार

बेंगलुरु।
भारतीय जूनियर पुरुष टीम के कोच सीआर कुमार ने मौजूदा सुल्तान ऑफ जोहोर कप के साथ-साथ आगामी एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 के लिए अपनी तैयारियों के बारे में बात की। टीम इस समय जोहोर बाहरू में है और 11वें सुल्तान जोहोर कप 2023 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है, जो 27 अक्टूबर को शुरू हुआ और 4 नवंबर को समाप्त होगा। भारत को पूल बी में मलेशिया, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है, जबकि पूल ए में जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और ग्रेट ब्रिटेन शामिल हैं।

कुमार ने तैयारियों पर प्रकाश डाला, ये खिलाड़ी बहुत भाग्यशाली हैं कि हम साईबैंगलोर में सीनियर पुरुष टीम के साथ रहते हैं। हमें उनके साथ मैत्रीपूर्ण मैच खेलने का अवसर मिलता रहा है और इसलिए लड़कों को उच्चतम स्तर पर खेलने के लिए आवश्यक मांगों का प्रत्यक्ष ज्ञान है। यूरोपीय टीमों और एशियाई टीमों के बीच अंतर यह है कि वे सामरिक हॉकी और शारीरिक क्षमता का उपयोग करते हैं, जिसे हम अक्सर सीनियर पुरुष टीम के साथ भी अनुभव करते हैं, और यह हमारी मानसिकता को अंतरराष्ट्रीय मानकों के लिए तैयार करता है। हम जानते हैं कि अब इससे कैसे निपटना है और खिलाड़ियों ने अपना दिमाग ठीक कर लिया है।

पुरुष जूनियर एशिया कप 2023 जीतने के बाद टूर्नामेंट में आते ही भारत अपने खिताब की रक्षा करने के लिए एकदम सही स्थिति में है। उन्होंने हाल ही में जर्मनी में 4 देशों के टूर्नामेंट अंडर21 में भी सराहनीय प्रदर्शन किया।

टीम के विकास पर बोलते हुए, कुमार ने कहा: जूनियर टीम का विकास करना हमेशा एक लंबी प्रक्रिया है, लक्ष्य एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 है और दुनिया भर में प्रतियोगिताओं की संख्या बहुत कम है जिनमें हम भाग ले सकते हैं। इसलिए, हमने शुरू से ही इसे बहुत गंभीरता से लिया। हमें 11वें सुल्तान जोहोर कप 2023 में अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए और यह हमें एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 की ओर ऊंचे मनोबल के साथ ले जाएगा। यह हमारा लक्ष्य है, और हर कोई इसके साथ काम कर रहा है एक ही इरादा और हर दिन अटूट फोकस ने हमें एक मजबूत टीम बना दिया है।

कुमार के संरक्षण में मलेशिया की यात्रा करने वाले दल का नेतृत्व कप्तान उत्तम सिंह और उप कप्तान राजिंदर सिंह कर रहे हैं। जब उनसे पिछले संस्करण में शामिल कुछ खिलाड़ियों को बाहर करने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा: हमारे पास एक मजबूत और अनुभवी टीम है जो 11वें सुल्तान जोहोर कप 2023 में शामिल होगी। यही कारण है कि हम कुछ खिलाड़ियों को पीछे छोड़ रहे हैं। विश्व कप आज से केवल 45 दिन दूर है और इतनी कम अवधि में दो बार शिखर तक पहुंचना बहुत मुश्किल है, इसलिए हम अपने कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ रहे हैं। अन्य सभी खिलाड़ी अच्छी स्थिति में हैं, और हमारे पास एक मजबूत टीम है जो मलेशिया के मैदानपर जीत हासिल करेगी।

भारत ने मौजूदा टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ शुरुआती गेम में 3-3 से रोमांचक ड्रॉ दर्ज किया और मेजबान मलेशिया के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की।

कुमार ने जोर देकर कहा, हम निश्चित रूप से 11वें सुल्तान जोहोर कप 2023 में स्वर्ण और एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 ट्रॉफी जीतने पर काम कर रहे हैं। हमें यह भी देखने को मिलेगा कि आगामी जूनियर विश्व कप में और उसके बिना अन्य टीमें हमें कैसे चुनौती देंगी अपने बहुत सारे रहस्य बताते हुए, हम यहां कुछ संयोजनों का परीक्षण करना चाहेंगे। हमारा दिल ट्रॉफियों को भारत वापस लाने के लिए तैयार है।

मनु भाकर ने दिलाया पेरिस ओलंपिक में 11वां कोटा, एशियाई चैंपियनशिप में हासिल किया पांचवां स्थान

नई दिल्ली ।
भारत की मनु भाकर ने कोरिया के चांगवोन में चल रही एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहकर पेरिस ओलंपिक का 11वां कोटा हासिल किया। टोक्यो ओलंपिक खेल चुकी मनु ने फाइनल में 24 स्कोर किया और शूटआफ में हारकर बाहर हो गईं। ईरान की हनिये रोस्तामियां दूसरे स्थान पर रही। चीन की निशानेबाजों ने पहला, तीसरा और चौथा स्थान हासिल किया।

चीन को एक ही ओलंपिक कोटा मिल सकता था और हनिये पहले ही कोटा हासिल कर चुकी है तो पांचवें स्थान पर रहने के बावजूद मनु ने कोटा हासिल किया। मनु ने कहा, 'मेरा लक्ष्य कोटा हासिल करना था क्योंकि अब बहुत कम मौके रह गए हैं। मैं खुश हूं कि कोटा मिला लेकिन पदक मिलता तो और अच्छा होता।' भारत ने अब तक राइफल में सात, शॉटगन में दो और पिस्टल में दो कोटा हासिल कर लिए हैं।

मनु क्वालीफिकेशन में 591 अंक लेकर शीर्ष पर रही। भारत की ईशा सिंह 17वें और रिदम सांगवान 23वें स्थान पर रहीं। मनु क्वालिफिकेशन में 591 अंक लेकर शीर्ष पर रही। भारत की ईशा सिंह 17वें और रिदम सांगवान 23वें स्थान पर रहीं। मनु, ईशा और रिदम ने 25 मीटर पिस्टल टीम वर्ग में रजत पदक हासिल किया। वहीं दिव्यांश सिंह पंवार और रमिता जिंदल ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में रजत पदक जीता।

फाइनल में वे चीनी जोड़ी से 12-16 से हार गए। सिमरनप्रीत कौर बरार ने जूनियर महिला 25 मीटर पिस्टल वर्ग में दो रजत पदक जीते। उन्होंने मेघना एस और तेजस्विनी के साथ टीम वर्ग का रजत जीता। इसके बाद व्यक्तिगत वर्ग में दूसरे स्थान पर रहीं।

हर्काज़ ने स्विस इंडोर फ़ाइनल में प्रवेश किया, ऑगर-अलियासिमे ने रूण को हराया

बासेल।
हबर्ट हर्काज़ ने उगो हम्बर्ट को 6-4, 3-6, 7-6(5) से हराकर स्विस इंडोर्स बासेल फाइनल में प्रवेश कर लिया।

इस जीत ने विश्व नं.11 को प्रेरित किया और हर्काज़ ने सीज़न के लिए एटीपी रेस टू ट्यूरिन में नौवां स्थान हासिल करते हुए टेलर फ्रिट्ज़ को पीछे छोड़ दिया। इससे वह होल्गर रूण और आठ सदस्यीय एटीपी फाइनल्स के लिए कट से केवल एक स्थान दूर रह गए हैं।

एटीपी टूर रिपोर्ट के अनुसार इस महीने की शुरुआत में शंघाई मास्टर्स खिताब जीतने वाले हर्काज़ साल का अपना तीसरा, एटीपी 500 स्तर पर दूसरा (हाले, 2022) और कुल मिलाकर आठवां खिताब चाहते हैं।

फाइनल में हर्काज़ का मुकाबला कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे से होगा। 23 वर्षीय कनाडाई ने होल्गर रूण को 6-3, 6-2 से हराकर पिछले साल इसी प्रतियोगिता में खिताब जीतने के बाद अपने पहले फाइनल में प्रवेश किया।

ऑगर-अलियासिमे अपने पिछले 12 मैचों में से केवल चार जीतकर बासेल पहुंचे, लेकिन एटीपी 500 इवेंट में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के करीब दिख रहे हैं। रूण के खिलाफ एक ऑल-एक्शन प्रदर्शन में, उन्होंने 83 मिनट के बाद वर्ष की अपनी पहली शीर्ष 10 जीत हासिल करने के लिए डेन की सर्विस को चार बार तोड़ा। रूण ने एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में बासेल को हर्काज़ से 215 अंक आगे रहते हुए छोड़ा। यदि पोल ट्रॉफी जीतता है तो वह उस अंतर को घटाकर केवल 15 अंक कर सकता है।

हमारा लक्ष्य सेमीफाइनल में पहुंचना: एडवर्ड्स

कोलकाता।
नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ मिली जीत से बेहद उत्साहित हैं। एडवर्ड्स ने कहा कि अब हमारा लक्ष्य सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा। डच टीम ने इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीम को उलटफेर का शिकार बनाया था। इस मैच में डच टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 229 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 42.2 ओवर में ही 142 रन पर आउट हो गई। बांग्लादेश टीम की यह लगातार 5वीं हार है। इससे उसके छह मैच में दो अंक हो गये हैं और वह सेमीफाइनल की दौड़ से तकरीबन बाहर हो गयी है। वहीं नीदरलैंड के छह मैच में दूसरी जीत से चार अंक हो गए हैं और उसने अपनी उम्मीद बनाये रखी हैं।

एडवर्ड्स ने नीदरलैंड पर 87 रन से जीत के बाद कहा कि पिछले कुछ समय में हमें अपनी कड़ी मेहनत के परिणाम मिले हैं। हमने टूर्नामेंट की शुरुआत में ही कहा था कि हम सेमीफाइनल में पहुंचने का प्रयास करेंगे। अब भी हमारा यही लक्ष्य है। उन्होंने मैच के बारे में कहा कि मैंने अपने कुछ खिलाड़ियों से बात की थी और कहा था कि अगर हम 220 रन से अधिक का स्कोर बना देते हैं तो हमारे पास जीत का अवसर रहेगा। हमारे गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन हार से निराश नजर आये और उन्होंने कहा कि हमें नीदरलैंड को 170 रन के करीब रोकना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की लेकिन हमारा क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा। हम जिस स्थिति में थे उसे देखते हुए हमें उन्हें 160-170 के स्कोर पर रोकना चाहिए था। हमारे बल्लेबाजों ने इस मुकाबले में हमें फिर से निराश किया।

श्रीलंका के तेज गेंदबाज लाहिरु कुमारा बाहर; दुष्मंत चमीरा को प्रतिस्थापन के रूप में मंजूरी

पुणे।
आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह पक्की करने की श्रीलंका की कोशिश को झटका लगा है क्योंकि उनके फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा को बायीं जांघ की मांसपेशी में चोट के कारण टूर्नामेंट के बाकी मैचों से बाहर कर दिया गया है। सोमवार को यहां एमसीए इंटरनेशनल स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ श्रीलंका के अहम मुकाबले से पहले पुणे में प्रशिक्षण के दौरान कुमारा की बाईं जांघ में चोट लग गई और उनकी जगह साथी तेज गेंदबाज दुष्मंत चमीरा को टीम में शामिल किया गया है। चमीरा के शामिल होने को रविवार को इवेंट टेक्निकल कमेटी ने मंजूरी दे दी। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 की इवेंट तकनीकी समिति ने श्रीलंका टीम में लाहिरू कुमारा के प्रतिस्थापन के रूप में दुष्मंत चमीरा को मंजूरी दे दी है। हालांकि चमीरा, जिन्होंने 44 एकदिवसीय मैच खेले हैं, के पास श्रीलंका के लिए 100 से अधिक मैचों का व्यापक अनुभव है, कुमारा की अनुपस्थिति ध्यान देने योग्य होगी, खासकर क्योंकि उन्होंने पिछले गुरुवार को बेंगलुरु में इंग्लैंड पर उनकी आश्चर्यजनक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जहां उन्हें अपने 3-35 के प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया था।, जिससे श्रीलंका को 8 विकेट से जीत मिली। कुमारा की चोट श्रीलंका के लिए तीसरा चोट का झटका है, कप्तान दासुन शनाका (क्वाड) और मथीशा पथिराना (कंधे) पहले ही अपनी-अपनी चोटों के कारण बाहर हो गए हैं।

श्रीलंका ने वर्तमान में विश्व कप के पांच मैचों में से दो जीत हासिल की है और चार ग्रुप मैच शेष रहते हुए तालिका में पांचवें स्थान पर है।

अमेरिका के पीटर हाबर्ल भारतीय महिला हॉकी टीम के मानसिक अनुकूलन कोच, दिलीप टिर्की ने कही यह बात

नई दिल्ली । भारत ने आस्ट्रिया में जन्मे अमेरिकी पीटर हाबर्ल को राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम का मानसिक अनुकूलन कोच नियुक्त किया है। लाइसेंसधारी मनोवैज्ञानिक पीटर भारतीय महिला टीम की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन के साथ काम करेंगे। वह नौ ओलंपिक खेलों में पदक विजेता खिलाड़ियों और टीमों के साथ काम कर चुके हैं। रांची में अगले साल 13 से 19 जनवरी तक होने वाले एफआईएच ओलंपिक क्वालिफायर के मद्देनजर इस नियुक्ति से टीम का मनोबल बढ़ेगा। पूर्व में आइस हॉकी खिलाड़ी रह चुके पीटर ने 1996 से 2006 के बीच अमेरिका की महिला आइस हॉकी टीम के साथ बतौर खेल मनोविज्ञान सलाहकार काम किया। वह अमेरिकी ओलंपिक समिति के साथ भी 2001 से 2005 के बीच खेल मनोवैज्ञानिक रहे। इसके अलावा 2005 से 2023 के बीच अमेरिकी ओलंपिक और पैरालंपिक समिति के सीनियर खेल मनोवैज्ञानिक के तौर पर काम किया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, वह बेहतर पेशेवर और जाने माने मनोवैज्ञानिक हैं। मुझे यकीन है कि उनकी नियुक्ति से टीम को आगे काफी फायदा होगा।

प्रकाश राज ने उड़ाई कंगना की खिल्ली

एक्ट्रेस बोली

नर्क होगी इनकी जिंदगी...

बॉलीवुड की धाकड़ गर्ल कही जाने वालीं कंगना रनोट किसी भी बारे में अपनी बात रखने से पीछे नहीं रहतीं। इन दिनों वह *तेजस* को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। 27 अक्तूबर को रिलीज हो रही उनकी ये फिल्म टिकट विंडो पर एवरेज प्रदर्शन कर रही है। हाल ही में कंगना ने ज्यादा से ज्यादा लोगों से थिएटर में जाकर फिल्म देखने की अपील की। उन्होंने कहा कि फिल्म को पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहा है। लेकिन इस वीडियो के बाद एक्ट्रेस के लिए फिजूल ट्रोलिंग शुरू हो गई। लेकिन कंगना भी कहां चुप बैठने वालों में से हैं। उन्होंने उनके लिए बुरी बातें कहने वालों को करारा जवाब दिया है। दरअसल, कंगना ने वीडियो शेयर कर तेजस फिल्म को थिएटर में देखने की बात कही थी। इसके साथ ही उन्होंने लिखा था कि कोविड के पहले भी थिएटर जाने वाले दर्शकों की संख्या में भारी कमी आई थी, मगर कोविड के बाद सिचुएशन और खत्म हो गई। बहुत सारे थिएटर बंद हो रहे हैं। फ्री टिकट्स के बाद और रिसनेबल ऑफर्स के बाद भी दर्शकों की संख्या में गिरावट जारी है। लोगों से अनुरोध है कि वे सिनेमाघरों में फिल्में देखें और परिवार और दोस्तों के साथ आनंद लें अन्यथा वे (थिएटर) टिक नहीं पाएंगे। इस वीडियो के बाद फैंस ने कंगना को रोस्ट करना शुरू कर दिया। यही नहीं, बल्कि साउथ इंडस्ट्री के एक्टर प्रकाश राज ने भी उन्हें आड़े हाथ लिया। उन्होंने एक्ट्रेस के वीडियो पर कमेंट किया कि इंडियो को 2014 में आजादी मिली है...थोड़ा इंतजार करिये...धीरे-धीरे सब बदलेगा। एक्ट्रेस ने जवाब में कहा कि जिन लोगों ने भी मेरे लिए बुरा विश किया है, उनकी जिंदगी नर्क हो जाएगी क्योंकि वो हर दिन मुझे ऊंचा उठते हुए देखेंगे। मैंने 15 की उम्र में घर छोड़ा था, तब मेरे पास कुछ नहीं था। मैं लगातार अपनी किस्मत खुद लिख रही हूं और इसके बहुत प्रूफ हैं कि महिला सशक्तिकरण और इस देश के लिए मैं कुछ करने के लिए बनी हूं। उन लोगों की मेंटल हेल्थ के लिए मैं चाहूंगी कि वो मेरा फैन क्लब ज्वाइन करें। मैं चाहती हूं कि मेरे वेल विशर्स ऐसे लोगों के प्रति भी अच्छा व्यवहार रखें और उन्हें रास्ता दिखाएं। बता दें कि कंगना को फैंस ने भी ट्रोल किया था। *जवान* कि *पठान* और 12वीं फेल फिल्म का उदाहरण देकर उन्हें ट्रोल किया। जहां ढेर सारे लोग एक्ट्रेस के खिलाफ बात कर रहे थे। वहीं, एक फैन ऐसा भी निकला, जिसने उनकी तरफ से ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया। कंगना ने उसके ट्वीट पर ट्वीट करते हुए उनके खिलाफ बुरा बोलने वालों की अपने जवाब से बैंड बजा दी। एक नजर अगर कंगना रनोट की हालिया रिलीज फिल्म पर डालें, तो तेजस ने पहले दिन 1.25 करोड़ और दूसरे दिन 1.31 करोड़ तक की कमाई की है। फिल्म दो दिनों में 4.06 करोड़ की कमाई कर पाई है।

शिलाजीत के साथ कुछ चीजों के सेवन से हो सकता हैं नुकसान

शिलाजीत, एक चमत्कारिक जड़ी-बूटी है। आयुर्वेद में इसका इस्तेमाल कई तरह की समस्याओं और रोग दूर करने के लिए किया जाता रहा है। शिलाजीत का सेवन पुरुषों की मर्दानगी और संभोग क्षमता बढ़ाने के लिए ज्यादातर किया जाता है। दरअसल शिलाजीत के सेवन से टेस्टोस्टोरोंस लेवल में सुधार होता है और स्पर्म काउंट बढ़ता है। वैसे आपको बता दें कि शिलाजीत के सेवन से थकान, तनाव तो दूर होता ही है साथ ही जुकाम, खांसी जैसे परेशानियां भी दूर रहती हैं, लेकिन शिलाजीत का ज्यादा से ज्यादा फायदा मिले, इसके लिए खानपान पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं शिलाजीत के सेवन के दौरान किस तरह का खानपान अवॉयड करना चाहिए।

भारी भोजन : आयुर्वेद सावधानी पूर्वक खाने के महत्व पर जोर देता है। शिलाजीत के सेवन के दौरान, विदाही खाद्य पदार्थों यानी भारी भोजन से दूर रहने की सलाह दी जाती है, इससे सीने में जलन, गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। इसके अलावा कुलथी और चना दाल को भी खाना अवॉयड करें। ऐसे आहार शिलाजीत के प्रभावों को कम कर सकते हैं।

मसालेदार भोजन : मसालेदार भोजन खाने में आनंद तो आता है, लेकिन ये सेहत के लिए किसी भी तरह से सही नहीं होता खासतौर से अगर आप शिलाजीत का सेवन कर रहे हों। मसालेदार भोजन से भी इस जड़ी-बूटी का प्रभाव कम हो सकता है। दरअसल मसालेदार भोजन पित्त दोष को बढ़ा सकते हैं, इस असंतुलन की वजह से शिलाजीत के लाभ कम हो सकते हैं।

खट्टे फल : शिलाजीत को कभी भी खट्टे फलों के साथ नहीं लेना चाहिए। खट्टे फल भले ही विटामिन सी से भरपूर होते हैं, लेकिन ये अपनी अम्लीय प्रकृति के लिए भी जाने जाते हैं। शिलाजीत और खट्टे फलों को साथ खाने से अपच और एसिडिटी की समस्या हो सकती है, जिससे शरीर को दोनों के ही लाभ नहीं मिल पाते।

शिलाजीत और दूध के साथ मांस-मछली : शिलाजीत का सेवन दूध के साथ सबसे फायदेमंद होता है, लेकिन अगर आप इसके साथ मांस या मछली का सेवन करते हैं, तो इससे अपच और स्किन से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

शिलाजीत, पानी और शहद : कुछ लोग स्वाद बढ़ाने के लिए शिलाजीत पाउडर को पानी और शहद के साथ लेना पसंद करते हैं। यह मिश्रण सोचकर आपको फायदेमंद लग सकता है।

অসম চৰকাৰ

তদাৰকী সজাগতা সপ্তাহ- ২০২৩

৩০ অক্টোবৰ- ৫ নৱেম্বৰ

দিছপুৰ

১২ কাতি, ১৪৩০ ভাস্কৰাব্দ
৩০ অক্টোবৰ, ২ ০২৩ ইং

শুভেচ্ছাবাণী

'দুর্নীতিৰ বিৰোধিতা কৰক, দেশৰ প্ৰতি সংকল্পবদ্ধ হওক' — এই মূলবাণীৰে কেন্দ্ৰীয় তদাৰকী আয়োগে ৩০ অক্টোবৰৰ পৰা ৫ নৱেম্বৰলৈ 'তদাৰকী সজাগতা সপ্তাহ' উদ্‌যাপন কৰিবলৈ লোৱা বুলি জানিবলৈ পাই আমি নথৈ আনন্দিত হৈছোঁ। সৃজনীমূলক প্ৰচাৰ অভিযানেৰে কেন্দ্ৰীয় তদাৰকী আয়োগে এই কাৰ্যসূচীত সংশ্লিষ্ট প্ৰতিটো পক্ষৰে অংশগ্ৰহণ সুনিশ্চিত কৰাৰ বাবে গ্ৰহণ কৰা প্ৰয়াস নিঃসন্দেহে প্ৰশংসনীয়।

দুর্নীতিয়ে আমাৰ আৰ্থ-সামাজিক পৰিগাঁথনিটোৰ প্ৰতি ভাবুকি নমাই অনাৰ লগতে সমাজ-ব্যৱস্থাকো পংগু কৰি তোলে। আমাৰ সমাজ-ব্যৱস্থাক স্বচ্ছ তথা নিকা কৰি ৰখাৰ বাবে আমাৰ ৰাজহুৱা জীৱনৰ লগতে ব্যক্তিগত জীৱনতো দুর্নীতিৰ বিৰুদ্ধে আমি যুদ্ধ ঘোষণা কৰিব লাগিব। মাননীয় প্ৰধানমন্ত্ৰী শ্ৰীযুত নৰেন্দ্ৰ মোদী ডাঙৰীয়াই ডিজিটেল ভাৰত অভিযানৰ সূচনাৰে চৰকাৰৰ প্ৰতিটো কাম-কাজত তথ্য-প্ৰযুক্তিৰ ব্যাপক প্ৰয়োগৰে প্ৰশাসনৰ স্বচ্ছতা আৰু দায়বদ্ধতা সুনিশ্চিত কৰাৰ লগতে দুর্নীতিৰ মূল উৎসস্বৰূপ কায়িক হস্তক্ষেপৰ প্ৰয়োজনীয়তা বহুলাংশে দূৰ কৰিলে। মাননীয় প্ৰধানমন্ত্ৰীৰ আদৰ্শেৰে অনুপ্ৰাণিত হৈ ৰাজ্য চৰকাৰেও দুর্নীতিৰ বিৰুদ্ধে শূন্য সহনশীল নীতি গ্ৰহণ কৰি আহিছে। চৰকাৰৰ শেহতীয়া পদক্ষেপসমূহত এই কথা অধিক স্পষ্ট ৰূপত প্ৰতিফলিত হৈছে। এই যুঁজ আগন্তুক দিনত অবিৰতৰূপত চলাই এক স্বচ্ছ প্ৰশাসন ব্যৱস্থা গঢ় দিয়াৰ বাবে আমি বদ্ধপৰিকৰ।

এখন সদা সতর্ক আৰু সমৃদ্ধ ভাৰত গঢ়িবলৈ হ'লে দেশৰ প্ৰতিগৰাকী নাগৰিকে সততাক জীৱনৰ মন্ত্ৰ হিচাপে গ্ৰহণ কৰি দুর্নীতি আৰু অনিয়মৰ ওপৰত নিৰন্তৰ চোকা দৃষ্টি ৰাখিব লাগিব। আমি সকলোৱে নির্ভীক, সজাগ আৰু সচেতন হ'লেহে এই মহাব্যাধিক পুলিয়ে-পোখাই উভালি এখন সুন্দৰ সমাজ গঢ়াৰ লগতে আত্মনির্ভৰ আৰু সমৃদ্ধ ভাৰতবর্ষ নির্মাণৰ মহান লক্ষ্যত উপনীত হ'ব পাৰিম। 'দুর্নীতিৰ বিৰোধিতা কৰক, দেশৰ প্ৰতি সংকল্পবদ্ধ হওক' — মূলমন্ত্ৰৰে তদাৰকী সজাগতা সপ্তাহ উদ্‌যাপনৰ এই পৰিত্ৰ উপলক্ষ্যত আমি ৰাজ্যখনৰ চৰকাৰী-বেচৰকাৰী বিষয়া-কর্মচাৰীসকলক আৰু অধিক দায়িত্বশীল হোৱাৰ লগতে প্ৰতিগৰাকী নাগৰিককে এই দিশত বিশেষভাৰে সজাগ হৈ দুর্নীতি বিৰুদ্ধে চলোৱা যুঁজখনত দৃঢ়তাৰে আত্মনিয়োগ কৰিবলৈ আহ্বান জনালোঁ।

(ড° হিমন্ত বিশ্ব শর্মা)
মুখ্যমন্ত্রী, অসম

-- Janasanyog /D/12461/23

असम सरकार

भावभीनी श्रद्धांजलि

30 अक्टूबर 2023

वर्ष 2008 के 30 अक्टूबर को आतंकवादियों की हिंसात्मक घटना में अपने प्राण गंवाने वाले लोगों के प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा
मुख्यमंत्री, असम

-- Janasanyog /D/12408/ 23

सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, असम द्वारा प्रचारित

Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

असम वार्ता सब्सक्राइब करने के लिए 82879121583 पर Assam लिखकर व्हाट्सएप करें

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**